শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 114 | गुवाहाटी | सोमवार, 20 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

राज्यभर में छठ पूजा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ पेज 3
भाजपा की सरकार बनने पर बढ़ेगा विकास का स्कोर, राज्य को मिलेगी ... पेज 4
समाजवादी सरकार आने पर बंद होगी अग्निवीर योजना : अखिलेश यादव पेज 5
परोपकार की परंपरा शेखावाटी के स्वभाव में है : मोदी पेज 8

छठ व्रत : दिया गया डूबते सूर्य को अर्घ्य, उगते सूरज को देंगे आज

गुवाहाटी/पटना/नई दिल्ली/कोलकाता। देशभर में धूमधाम से छठ पूजा मनाई जा रही है। 19 नवंबर यानि रविवार को श्रद्धालुओं ने पानी में खड़े होकर सूर्य देवता की पूजा की। सूर्यास्त होने पर सूर्य देवता को वर्ग देकर इस पूजा की शुरुआत की गई। इसके बाद सुबह सूर्य देवता को वर्ग देकर ही इस पूजा का समापन भी किया जाएगा। छठ पूजा बेहद पवित्र पूजा मानी जाती है जिसमें इस्तेमाल होने वाले तमाम फल व पकवान लेकर श्रद्धालु छठ घाटों पर पूजा के लिए पहुंचते हैं। इस वर्ष छठ पूजा की शुरुआत 17 नवंबर से हुई थी। नहाए खाए के साथ इस पूजा की शुरुआत

-शेष पृष्ठ दो पर

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भी अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

मेलबर्न। बिहार में लोक आस्था और सुचिता का महापर्व छठ अब विदेशों तक पहुंच गया है। रविवार को जब भारत में दोपहर के 12:00 बज रहे थे तो ऑस्ट्रेलिया में सूर्यास्त की बेला हो गई थी। इस वक्त बेगूसराय के नीरज कुमार दास समेत तमाम भारतीयों ने ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य दिया। उद्योगपति नीरज कुमार दास ने कहा कि हम बिहार के लोग दुनिया के चाहे जिस भी हिस्से में चले जाएं, अपनी संस्कृति को नहीं भूल सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में हम लोगों ने बिहार-झारखंड महासभा करके एक ग्रुप बना रखा है। सचिव होने के नाते अधिक जिम्मेवारी हमारी होती है। हम लोग यहां अपने देश की संस्कृति से जुड़े तमाम पर्व-त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं। उन्होंने कहा

-शेष पृष्ठ दो पर

निकारागुआ की शेन्निस पलासियोस बनीं मिस यूनिवर्स 2023

नई दिल्ली। मध्य अमेरिकी देश निकारागुआ की शेन्निस पलासियोस ने वर्ष 2023 के लिए *मिस यूनिवर्स* का खिताब जीत लिया है। इस अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता में उनके देश की यह पहली जीत है। शनिवार रात अल साल्वाडोर के सैन साल्वाडोर में जोस एडोल्फो पिनेडा एरिना में मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता का 72वां संस्करण आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में मिस थाईलैंड एन्टोनिया पोर्सिल्ड पहली रनर-अप और मिस ऑस्ट्रेलिया मोरया विल्सन दूसरी रनर-अप रहीं। मिस यूनिवर्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पेज पर यह जानकारी साझा की। मिस यूनिवर्स ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर पोस्ट किया कि मिस यूनिवर्स 2023 शेन्निस पलासियोस हैं। पलासियोस को अमेरिका की आर बोनी गेब्रियल ने ताज पहनाया, जिन्होंने वर्ष 2022 के लिए मिस यूनिवर्स का खिताब जीता था। पलासियोस ने मिस इंडिया श्वेता शारदा सहित 83 अन्य देशों की प्रतिभागियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए यह खिताब अपने नाम किया। भारत की श्वेता शारदा शीर्ष 20 प्रतियोगियों की सूची में जगह बनाने में सफल रहीं। आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल मिस दिवा ने सौंदर्य प्रतियोगिता में श्वेता शारदा के प्रदर्शन पर उन्हें बधाई दी। पहली बार मिस यूनिवर्स पाकिस्तान 2023 का ताज पहनने वालीं एरिका रॉबिन भी शीर्ष 20 सुंदरियों में अपनी जगह बनाने में सफल रहीं।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुनिया की लगभग हर चीज सिर्फ ठोकर लगने से ही टूट जाती है, सिर्फ एक कामयाबी ही है, जो ठोकर खाने के बाद ही मिलती है।।

- **अज्ञात**

बदरुद्दीन अजमल की राज्य के सात जिलों में एंट्री बैन

गुवाहाटी। लोकसभा सांसद और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के प्रमुख बदरुद्दीन अजमल ने पारंपरिक वैष्णव स्कार्फ *सेलेंग* का अपमान करके एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। संगठन के एक नेता मनिरुल इस्लाम बोरा के अनुसार एक सामाजिक संगठन अपर असम मुस्लिम कल्याण परिषद ने अजमल को उनके कृत्य के लिए कड़ी चेतावनी जारी की है और असम के सात जिलों में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि एआईयूडीएफ नेता ने असमिया लोगों के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने के अलावा वैष्णव और पारंपरिक सभ्यता और संस्कृति का अपमान किया है, इसलिए, जब तक वह अपने कृत्य के लिए माफी नहीं मांग लेते, तब तक अजमल को सात जिलों-लखीमपुर, धेमाजी, तिनसुकिया, डिब्रूगढ़, जोरहाट, गोलाघाट और शिवसागर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बोरा ने दावा किया कि बदरुद्दीन अजमल को असमिया परंपरा के बारे में कुछ भी नहीं पता है। वह अरब संस्कृति में पले-बढ़े हैं। उधर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भी एआईयूडीएफ प्रमुख पर परोक्ष हमला बोला। उन्होंने कहा कि बदरुद्दीन अजमल मेरे लिए एक प्रतीक हैं, व्यक्ति नहीं। जब मैं अजमल कहता हूं तो मेरा मतलब राज्य के अनगिनत दुश्मनों से है। बरपेटा लोकसभा सांसद अब्दुल खालिक भी इन अजमलों के घेरे में हैं क्योंकि उन्होंने असमिया भाषा को नजरअंदाज कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग पिछले कुछ सालों से शांत हैं। पहले बहुत कुछ करते और कहते थे। पहले की सरकारों के कार्यकाल में उन्हें कभी चेतावनी नहीं दी जाती थी, लेकिन, अब स्थिति बदल गई है। हमने बहुत सारे उपाय किए हैं। अब, अजमलों को जिहाद छेड़ने या असामियों के बारे में बुरी बातें करने के लिए हजारों बार सोचना पड़ता है। अजमल के पास फेसबुक या अन्य सोशल मीडिया पर लिखने के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बदरुद्दीन अजमल नाम का व्यक्ति मेरे लिए कोई समस्या नहीं है, लेकिन मवेशी चोर और अजमल के असामाजिक तत्व वास्तविक खतरे हैं। शर्मा ने असमिया संगठनों को बदरुद्दीन अजमल के प्रति कोई सम्मान न दिखाने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति असम की संस्कृति को समझने की जहमत नहीं उठाता, वह स्पष्ट रूप से इसका अनादर करेगा। हमारे लोगों को इस तथ्य को समझना चाहिए। इस बीच, असमिया संस्कृति का अपमान करने के आरोप में बदरुद्दीन अजमल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज की गई। असम सत्र महासभा ने धुबड़ी सांसद के खिलाफ मोरीगांव पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई। उन्होंने दावा किया कि हाल ही में मोरीगांव जिले के लाहोरीघाट में एक बैठक के दौरान जब अजमल को सेलेंग दिया गया तो उन्होंने अपने कंधे से

-शेष पृष्ठ दो पर

स्कॉर्पियो ने छठ व्रतियों को मारी टक्कर, छह घायल

सासाराम (रोहतास)। सासाराम नगर थाना क्षेत्र के गौरक्षणी रेलवे ओवरब्रिज पर रविवार की रात एक अनियंत्रित स्कार्पियो ने छठ घाट से दौरा लेकर लौट रहे लगभग आधा दर्जन लोगों को टक्कर मार जख्मी कर दिया। आक्रोशित लोगों ने स्कॉर्पियो में तोड़-फोड़ कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। घायलों का इलाज सदर अस्पताल सासाराम में चल रहा है। सभी घायल खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। वहीं, पुलिस ने चालक को हिरासत में लेते हुए स्कॉर्पियो को जब्त कर लिया है।

पुलिस बनी चोर, खुद के थाने से चुराली 1.97 लाख की शराब और पंखे

लुनावाड़ा। हम सभी जानते हैं कि चोर को हमेशा पुलिस पकड़ती है, लेकिन जब पुलिस खुद ही चोरी करने लग जाए तो कैसा लगेगा। जी हां, ऐसा हुआ है, गुजरात के महिसागर जिले के एक पुलिस स्टेशन से खुद पुलिसवालों ने ही 1.97 लाख रुपए की जब्त शराब की बोतलें और टेबल पंखे चुरा लिए। मामले की जानकारी देते हुए एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि इस मामल में एएसआई सहित पांच पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपाधीक्षक पीएस वलवी ने बताया कि शराब की बोतलें और पंखे खानपुर तालुका के बकोर थाने में महिलाओं की हवालात में रखे गए थे। आगे बताया कि बकोर पुलिस ने एक व्यक्ति से भारत निर्मित विदेशी शराब की 482 बोतलें और 75 टेबल फैन जब्त किए थे। आरोपी व्यक्ति पंखों के बक्सों के पीछे छिपाकर गुजरात में शराब की तस्करी करने की कोशिश

-शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

इंफाल हवाई अड्डे पर यूएफओ दिखने के बाद दो उड़ानों का बदला मार्ग

एजल (हि.स.)। इम्फाल अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे के हवाई क्षेत्र के भीतर एक उड़न तश्तरी (आकाश में उड़ती अज्ञात वस्तु) देखे जाने के बाद आज आने वाली दो उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। जबकि तीन अन्य उड़ानों में देरी हुई। इंफाल हवाई अड्डा के निदेशक, चिपेम्मी कीशिंग ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि यूएफओ दिखने के बाद उड़ान अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया।

-शेष पृष्ठ दो पर

भारत आए म्यांमार के 29 सैनिकों को वापस भेजा गया

एजल। मिलिशिया समूह पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) के साथ भीषण मुठभेड़ के बाद भागकर मिजोरम आए म्यांमार के 29 सैनिकों को रविवार को उनके देश वापस भेज दिया गया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसी के साथ मिलिशिया समूह द्वारा हालिया मुठभेड़ में सैन्य बलों के शिविरों पर कब्जे के बाद भारत आए म्यांमार के अब तक कुल 74 सैन्यकर्मियों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। ये 29 सैनिक 16

-शेष पृष्ठ दो पर

मंदिर जलाने के मामले का आरोपी पुलिस फायरिंग में घायल

गुवाहाटी। असम के राताबाड़ी इलाके में रविवार को एक आरोपी ने पुलिस से भागने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस की फायरिंग में आरोपी गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। असम के करीमगंज में 19वीं सदी के एक मंदिर को कथित तौर पर जलाने वाले अनवर अली नाम के आरोपी को पुलिस ने शनिवार को राताबाड़ी इलाके से गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद, अली राताबाड़ी पुलिस स्टेशन के रास्ते में एक पुलिस वैन

-शेष पृष्ठ दो पर

सिलक्यारा में यह आपदा के साथ लड़ाई है, सब मिलकर जीतेंगे : गडकरी

उत्तरकाशी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को सिलक्यारा पहुंचकर सुरंग फंसे मजदूरों को बचाने के लिए चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को सुरंग के अंदर फंसे लोगों की चिंता है। उन्हें बाहर निकालना सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह आपदा के साथ लड़ाई है, जिससे मिलकर जीतेंगे। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सिलक्यारा सुरंग में फंसे लोगों को बचाने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। हिमालय में मिट्टी की प्रोफाइल एक जैसी नहीं है। अभी सुरंग के अंदर फंसे लोगों को बचाने के लिए छह प्लान पर काम किया जा रहा है।

-शेष पृष्ठ दो पर

गोपाष्टमी मेला गौहाटी गौशाला में शुरू

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के आठगांव स्थित श्री गौहाटी गौशाला में गोपाष्टमी मेले का आज औपचारिक उद्घाटन किया गया। संस्था के ट्रस्टियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गौशाला परिसर में झंडा फहराकर मेले का औपचारिक रूप से शुभारंभ किया। उल्लेखनीय है कि महानगर के धार्मिक-सामाजिक कैलेंडर में श्री गौहाटी गौशाला में होने वाले गोपाष्टमी मेले का एक अलग ही स्थान है। मेले के अवसर पर गो भक्तों ने विधिवत गौ माता की पूजा की। उन्हें घास और गुड खिलाया गया। मेले में विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों

-शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में लाखों की संपत्ति बनाने वाले अफगान खाली हाथ लौटे देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लाखों की संपत्ति बनाने वाले अफगान नागरिक अब खाली हाथ देश छोड़ने को मजबूर हैं। कराची शहर के उत्तर में बमुश्किल कुछ किलोमीटर की दूरी पर अल-आसिफ स्क्वायर है, जहां अफगानों की अच्छी खासी आबादी है। पास ही अफगान मजदूरों और छोटे कारोबारियों की दो बड़ी बस्तियां हैं। अल-आसिफ स्क्वायर और इन बस्तियों का दौरा करने से यह आभास होता है कि आप *मिनी काबुल* में हैं, जहां अफगानी लोग अपनी दुकानों और विभिन्न रेस्तरां में अफगानी व्यंजन पेश करते हैं। मुख्य रूप से 1978 में सोवियत आक्रमण के बाद शरणार्थी के रूप में पाकिस्तान आने वाले अफगानों समेत हजारों अफगानों ने दशकों से पाकिस्तान के सभी प्रमुख शहरों में व्यापार और काम किया है, जिसमें सिंध प्रांत में कराची और बलूचिस्तान प्रांत में क्वेटा

-शेष पृष्ठ दो पर

मुझे नहीं बुलाया गया.. कभी-कभी लोग भूल जाते हैं : कपिल देव

अहमदाबाद। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले में कई बड़ी हस्तियों का जमावड़ा लगा है। स्टैंड में कई बड़ी हस्तियां मैच का लुत्फ उठाते नजर आ रहे हैं। लेकिन इस लिस्ट में पहले वर्ल्ड कप चैंपियन टीम के कप्तान कपिल देव नदारद रहे। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें निमंत्रण नहीं दिया गया है। दरअसल, एबीपी न्यूज से बात करते हुए दिग्गज खिलाड़ी कपिल देव ने फाइनल में अपनी अनुपस्थिति के बारे में बात करते हुए कहा कि 1983 वर्ल्ड कप की पूरी टीम के शामिल होने की उनकी इच्छा के बावजूद, उन्हें बीसीसीआई की तरफ से कोई निमंत्रण नहीं मिला है।

-शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

वर्ल्ड कप : चालू मैच में फिलिस्तीन का समर्थक मैदान में घुसा

अहमदाबाद (हि.स.)। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को मैच के दौरान एक युवक स्टेडियम से मैदान में जाकर पिच तक पहुंच गया। मैच के दौरान युवक के मैदान में पहुंचने के दौरान भारतीय बल्लेबाज बैटिंग कर रहे थे। युवक ने भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को भी गले लगाने की कोशिश की। युवक के मैदान में घुसने से मैच में बाधा पहुंची। बाद में युवक को सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया और अहमदाबाद की चांदखेड़ा पुलिस को सौंप दिया। बताया गया कि युवक फिलिस्तीन का समर्थन करते हुए अपने टीशर्ट पर स्टॉप बॉम्बिंग फिलिस्तीन और रिलीज फिलिस्तीन का स्लोगन लिखे हुए था। पुलिस जांच में पता चला कि पिच तक पहुंचा युवक आस्ट्रेलियन नागरिक है। इसका नाम वेन जॉन्सन बताया गया है। युवक ने फिलिस्तीन फ्लैग वाला मास्क भी पहन रखा था। स्टेडियम में हाजिर सुरक्षा जवानों ने उसे पकड़ा। प्राथमिक जानकारी में यह भी पता चला कि वह विराट कोहली का फैन है और इसी वजह से वह विराट के समीप जाकर गले लगाने की कोशिश की। युवक के पिच तक पहुंचने को लेकर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था भेदने को लेकर सवाल भी उठने लगे हैं। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों की हाजिरी में युवक रेलिंग कूद कर स्टेडिम में पहुंचा था। स्टेडियम के आसपास 6 हजार पुलिस के जवान और बाहर मिलाकर करीब 10 हजार पुलिसकर्मी मौजूद थे। इन सभी के बावजूद युवक स्टेडियम कूदकर पिच तक पहुंच गया।

ये चुनाव भाजपा और परिवारवाद के बीच है : नड्डा

नारायणपेट (हि.स.)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि ये चुनाव भाजपा और परिवार पार्टियों के बीच हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अन्य राज्यों की तरह तेलंगाना में भी परिवारवाद के खिलाफ लड़ रही है। नारायणपेट में आयोजित भाजपा की सकल जनुला विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तेलंगाना के विकास के लिए धन दे रहे हैं, तो केसीआर परिवार इसका दुरुपयोग करके लोगों तक नहीं पहुंच रहा है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर वैट कम किया तो केसीआर ने जनता को इसका लाभ नहीं दिया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा की तेलंगाना देश में सबसे ज्यादा महंगाई वाला राज्य है। यहां ध्यान दें कि भारास का अर्थ भ्रष्ट राक्षसों का समूह है। कालेश्वरम परयोजना सीएम केसीआर के लिए एटीएम जैसा बन गया है। उस परियोजना में 1.20 लाख रुपए की लागत से बना और एक पुल हाल ही में ढह गया। जब भाजपा सत्ता में आएगी तो हम केसीआर के भ्रष्टाचार की जांच करेंगे और उन्हें जेल भेजेंगे। जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि जमीनें बेचकर भ्रष्टाचार किया। विधायकों ने दलित बंधु से 30 फीसदी कमीशन लिया। इस 30 प्रतिशत कमीशन को इस महीने की 30 तारीख को होने वाली विधानसभा चुनाव में खुलेआम नकद वितरण कर मतदाता को लुभाने में जुड़े हैं। उन्होंने जनता से आग्रह किया है की भाजपा को वोट दे और सत्ता में आने के लिए सहयोग दे। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति सरकार की आलोचना करते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि केसीआर के दस साल के शासनकाल में डबल बेडरूम घर नहीं दिए गए।

सुरंग में फंसे श्रमिकों को मल्टीविटामिन और सूखे मेवे की आपूर्ति कर रहा केंद्र

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में ढही एक निर्माणाधीन सुरंग में पिछले सात दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को बचाने के लिए केंद्र सरकार कड़ी मेहनत कर रही है। सड़क, परिवहन और राजमार्ग सचिव अनुराग जैन ने बताया कि सरकार श्रमिकों को मल्टीविटामिन, अवसाद रोधी दवाएं और सूखे मेवे भेज रही है। अनुराग ने बताया कि टनल में रोशनी होना सबसे सुकून की बात है। वहां एक पाइपलाइन है, जिससे पानी उपलब्ध कराया गया है। एक 4 इंच का पाइप है, जिसका उपयोग भोजन भेजने के लिए किया जाता है। जैन ने उत्तरकाशी सुरंग ढहने के बचाव अभियान पर आगे कहा कि सुरंग के अंदर दो किमी हिस्से में पानी और बिजली है। उत्तरकाशी जिला मुख्यालय से लगभग 30 किमी दूर और उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से सात घंटे की ड्राइव पर सिल्कयारा सुरंग, केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी चार धाम ऑल वेदर रोड परियोजना का हिस्सा है। बता दें कि सुरंग पिछले रविवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे ढह गई। बचाव अभियान शुक्रवार दोपहर को निलंबित कर दिया गया था, जब श्रमिकों को निकालने का मार्ग तैयार करने के लिए मलबे के माध्यम से पाइपों को ड्रिल करने और धकेलने के लिए तैनात अमेरिका निर्मित बरमा मशीन में एक खराबी आ गई।

यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रेलवे : ममता

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने रविवार को अपने एक बयान में कहा कि रेलवे को यात्रियों की सुरक्षा को पहली प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही उन्होंने रेलवे के बढ़ते किराये की भी आलोचना की और कहा कि सरकार को किराये में कमी करनी चाहिए। ममता बनर्जी भी पूर्व में रेल मंत्री रह चुकी हैं। ट्रेनों के बढ़ते किराये पर उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा हो जाता है कि ट्रेनों का किराया हवाई किराये से भी ज्यादा चला जाता है। सोशल मीडिया पर लिखी एक पोस्ट में ममता बनर्जी ने लिखा कि यह देखना दुखद है कि रेल का किराया तेजी से बढ़ रहा है और कई बार रेल का किराया हवाई किराये से भी ज्यादा हो जाता है। ऐसे में आपातकालीन स्थिति में आम आदमी कहां जाएगा? किराये में कटौती की जानी चाहिए और यात्रियों की सुरक्षा पर ध्यान दिया जाना चाहिए। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि देश में रेल दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं। ममता बनर्जी ने सवाल किया कि उनके कार्यकाल के दौरान पेश किए गए दुर्घटना रोधी उपायों और उपकरणों का इस्तेमाल क्यों नहीं किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने लिखा कि मेरे बतौर रेल मंत्री के कार्यकाल में दुर्घटना रोधी उपकरण पेश किए गए थे।

म्यांमार के शरणार्थी बोले- भारत लग रहा अपने जैसा

चांफाई। शरणार्थी नाम सुनते ही दिमाग में एक तस्वीर बनती है, जहां दीन-हीन अवस्था में बुरे हालात में हजारों लोग जीवन की बुनियादी चीजों के लिए संघर्ष कर रहे होते हैं लेकिन, मिजोरम में रह रहे म्यांमार के शरणार्थी स्थानीय सरकार और गैर-सरकारी संगठनों के आतिथ्य और सेवा का आभार प्रकट करते हुए कहते हैं कि उन्हें कभी यह महसूस नहीं हुआ कि वे अपने देश से बाहर शरणार्थी बनकर रह रहे हैं। म्यांमार की सेना और सशस्त्र नागरिक संगठन पीपल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) के बीच जारी हिंसक संघर्ष के बीच भारत आए 5 हजार से ज्यादा शरणार्थियों को मिजोरम की सरकार और गैर-सरकारी संगठनों से भरपूर मदद मिल रही है। फिलहाल, ये शरणार्थी चंफाई जिले के जोखावथर क्षेत्र में बनाए गए 6 शिविरों में रह रहे हैं। शिविरों में भोजन, पानी, स्वच्छता जैसी बुनियादी चीजों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाएं भी मुहैया कराई जा रही हैं। म्यांमार के चिन राज्य की खियानुनपर ने बताया कि उनके गर्भ के नौ माह हो गए हैं। शिविर में उनका और बच्चों का बहुत अच्छी तरह खयाल रखा जा रहा है। शिविर में उनके अलावा 8 गर्भवती महिलाएं हैं, जिनके लिए स्थानीय प्रशासन ने विशेष प्रबंध किए हैं। डॉक्टरों और नर्स शिविर का नियमित दौरा कर रहे हैं। जरूरी दवाएं दीं जा रही हैं। इसके अलावा गर्भवती महिलओं को अलग से राशन और भोजन भी दिया जाता है।

उन्नाव में करंट की चपेट में आकर चार बच्चों की मौत

उन्नाव (हि.स.)। बारासगवर थाना क्षेत्र के लालमन खेड़ा गांव में रविवार को घर के बाहर रखे फर्राटा पंखे में करंट उतरने से उसकी चपेट में आकर चार बच्चों की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। लालमन खेड़ा निवासी वीरेंद्र कुमार के घर के बाहर एक फर्राटा पंखा चल रहा था। इसी दौरान पंखे में उतरे करंट की चपेट में एक बच्चा आ गया। उसे बचाने के चक्कर में तीन और बच्चे आ गए। चारों की करंट लगने से झुलसकर मौत हो गई। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। पूरे गांव में मातम पसर गया है। घटना की जानकारी पर थानाध्यक्ष दिलीप प्रजापति पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए। थानाध्यक्ष ने बताया कि करंट की चपेट में आने से जिन चार लोगों की मौत हुई है, उनमे मयंक (09) हिमांशी (08) हिमांक (06) मानसी (04) हैं। रिश्ते में चारों भाई-बहन हैं। शवों को पोस्टमार्टम भेजकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

लव जिहाद और लैंड जिहाद से देश को कराएंगे मुक्त : नीरज दौनेरिया

विश्व हिन्दू परिषद - अवध प्रान्त
बजरंगदल
प्रान्तीय सम्मेलन अवध प्रान्त
19 नवम्बर 2023 दिन रविवार

लखनऊ (हि.स.)। बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दौनेरिया ने रविवार को कहा कि लव जिहाद, लैंड जिहाद, वामपंथी उग्रवाद और आतंकवाद से हम देश को मुक्त कराएंगे। उन्होंने कहा कि बजरंग दल हिंदुओं की ताकत बनेगा। अब हिंदुओं का पलायन नहीं होगा और मतांतरण भी नहीं होने देंगे। मतांतरित हिंदुओं की सुरक्षित घर वापसी कराकर सबको हिंदू बनाएंगे। दौनेरिया गोमतीनगर स्थित सीएमएस सभागार में बजरंग दल अवध प्रांत के एक दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश व धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने वाला संगठन बजरंग दल अजेय भारत बनाएगा। हम इस्लामिक जिहादियों को परास्त करेंगे और अपने धर्म पर आंच नहीं आने देंगे। हर हालत में हिंदू घटना नहीं चाहिए, हिंदुओं की संख्या बढ़ना चाहिए। बजरंग दल संतों के आशीर्वाद से हिंदू जीवन मूल्यों की रक्षा का संकल्प लेकर निकला है। उन्होंने कहा कि 1984 में विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में रामभक्तों ने जो संकल्प लिया वह संकल्प आज पूरा हो रहा है। जब विश्व हिंदू परिषद ने राम मंदिर का आंदोलन शुरू किया था तब लोग हमारा उपहास उड़ाते थे। बाद में संपूर्ण हिंदू समाज का समर्थन हासिल हुआ। दौनेरिया ने कहा कि 1528 में इस्लामिक आक्रांताओं ने राम मंदिर को तोड़ा था। इसके बाद हिंदू समाज ने सतत संघर्ष किया। आज उसी रामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। आगामी 22 जनवरी को जन्मभूमि मंदिर के गर्भगृह में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। दौनेरिया ने बताया कि बजरंग दल के कार्यकर्ता रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आमंत्रण देने घर-घर जाएंगे। इसके लिए गांव-गांव में बजरंग दल की टोलियों का गठन किया जाएगा। विश्व हिंदू परिषद के प्रान्तीय अध्यक्ष कन्हैया लाल नगीना ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आगामी 22 जनवरी हमारे जीवन का सबसे गौरवशाली क्षण होगा जब अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने कहा कि हम अपने-अपने गांव में उस दिन मंदिर पर कार्यक्रम करें और शाम को दीपावली भी मनाएं। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह और प्रांत संगठन मंत्री राजेश ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।

पृष्ठ एक का शेष

छठ व्रत : दिया गया ...

होती है। इस महापर्व के दूसरे दिन खरना, तीसरे दिन अर्घ्य और चौथे दिन पारण दिया जाता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की सृष्टि तिथि को महिलाएं छठ का व्रत रखती है। शाम के समय किसी ने दिया तालाब में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। पानी में दूध डालकर अर्घ्य दिया जाता है। इस दौरान व्रती महिला के साथ उनके परिवार के सदस्य भी मौजूद होते हैं। इस पूजा का समापन 20 नवंबर को होगा। सुबह सूर्य की पहली किरण निकलने के साथ ही सूर्य देवता को अर्घ्य दिया जाएगा और पूजा समाप्त होगी। छठ का महापर्व स्वच्छता का प्रतीक है। ये महापर्व देशभर में धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। हर वर्ष हजारों की संख्या में छठ पूजा करने के लिए श्रद्धालु घाटों पर आते है। रविवार की शाम राजधानी पटना में पवित्र नदी गंगा के विभिन्न घाटों और तालाब किनारे राज्य के विभिन्न भागों में श्रद्धालु डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर देवी छठी मैया की पूजा करेंगे। बिहार सरकार द्वारा इस महापर्व को लेकर राज्य भर में व्यापक व्यवस्था की गई है। छठ पूजा के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पटना जिला प्रशासन ने यहां गंगा नदी के सभी 100 घाटों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। इसके अलावा, पटना के विभिन्न घाटों पर कई चिकित्सा शिविर भी लगाए गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न ...

कि शनिवार को परंपरा के अनुसार हम लोगों ने खरना किया। इसके बाद रविवार को अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। आज रात जब भारत में देर रात रहेगा तो मेलबर्न में सूर्योदय की बेला होगी और उस समय प्रात: कालीन अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन होगा। नीरज ने कहा कि बिहार-झारखंड के सैकड़ों परिवार एकत्रित होकर जब छठ मनाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया वासी भी हमारे इस महापर्व में सहभागी बनते हैं। हिंदी गीत वे लोग भले ही नहीं गा पाते हैं लेकिन हम लोगों के साथ वे सब भी शारदा सिन्हा के गाए छठ गीत गुनगुनाते हैं, समझते हैं और आस्था में शरीक होते हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर ऑस्ट्रेलिया सरकार के मंत्रियों, सांसदों समेत बिहार और झारखंड के पांच सौ से अधिक लोग मौजूद रहे। नीरज कुमार दास के पिता भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जयराम दास ने कहा कि यूं तो बिहार के इस महापर्व की देश-दुनिया में धूम मची है लेकिन पिछले चार वर्षों से नीरज मेलबर्न में अपने बिहार की संस्कृति की पताका लहरा रहे हैं। इस मौके पर वहां सिर्फ बेगूसराय ही नहीं, बल्कि मोतिहारी समेत बिहार के विभिन्न हिस्सों के लोग एक साथ जमा होते हैं।

बदरुद्दीन अजमल की...

उसे फेंक दिया। महासभा के सचिव बिमल चंद्र बरकटकी ने कहा कि हमारे सम्मानित सेलेंग का ऐसा अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हमने बदरुद्दीन अजमल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मोरीगांव के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है, और आवश्यकतानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, बदरुद्दीन अजमल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने सेलेंग कभी नहीं फेंका और मैं इसे दूसरे व्यक्ति को दे रहा था। असमिया संस्कृति के प्रति मेरे मन में बहुत सम्मान है, और राज्य में कोई भी अन्य राजनेता मेरे जैसा सेलेंग नहीं पहनता है। एआईयूडीएफ नेता ने दावा किया कि उन्हें अनावश्यक रूप से विवाद में घसीटा गया है।

पुलिस बनी चोर...

कर रहा था। चूंकि ऐसी वस्तुओं को रखने के लिए निर्धारित कमरा पूरा भरा हुआ था, इसलिए उन्हें महिला हवालात में रखा गया था। उन्होंने बताया कि हवालात की सफाई के दौरान आईएमएफएल की बोतलों और पंखों के खाली या टूटे हुए डिब्बे मिले। एफआईआर में कहा गया है कि सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि एएसआई अरविंद खांट ने 25 अक्तूबर की रात को चोरी की घटना को अंजाम दिया था जब वह पुलिस स्टेशन अधिकारी के रूप में ड्यूटी पर थे। इसमें कहा गया है कि फुटेज में खांट को हेड कांस्टेबल ललित परमार के साथ रात करीब 10 बजे लॉक-अप में प्रवेश करते और कुछ शराब की बोतलें लेकर बाहर आते हुए दिखाया गया है। अरविंद खांट ने कथित तौर पर कुछ देर के लिए सीसीटीवी कैमरे भी बंद कर दिए।

मंदिर जलाने के ...

में था। हालांकि, आरोपी ने पुलिसकर्मियों से पेशाब करने का अनुरोध किया। इस बीच, आरोपी ने एक पुलिसकर्मी से बंदूक छीनकर वहां से भागने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि कई बार चेतावनी देने के बाद भी आरोपी अपनी बंदूक नीचे रखने को तैयार नहीं था। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसके पैर में गोली मार दी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अली को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी की हालत स्थिर है। करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थ प्रतिम दास ने कहा कि प्रारंभिक पूछताछ में, आरोपी ने व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण दमचेर्रा त्रिपुरा पुंजी पड़ोस में 19वीं सदी के एक मंदिर को जलाने में अपनी संलिप्तता कबूल की। करीमगंज जिले के दमचेर्रा त्रिपुरा पुंजी इलाके में 200 साल पुराना मंदिर 6 नवंबर को जलकर राख हो गया, जिससे स्थानीय लोगों के बीच तनाव फैल गया। पुलिस ने दावा किया कि अली का पड़ोसी परिवार के साथ कुछ विवाद था और वह मंदिर को जलाने का दोष उन पर डालना चाहता था। मामले में आगे की जांच जारी है।

सिलक्यारा में यह ...

निजी क्षेत्र के ऐसे विशेषज्ञ जो सुरंग निर्माण में विशेषज्ञता रखते हैं, उन्हें भी बुलाया गया है। अंदर फंसे लोगों को खाना और दवाएं भी पहुंचाई जा रही हैं। उनके रेस्क्यू के लिए सुरंग के ऊपर और दाएं व बाएं से भी ड्रिलिंग शुरू की जा रही है। हिमालयी भूभाग में मिट्टी की प्रोफाइल विविधता भरी है। कहीं पर मिट्टी मुलायम और कहीं पत्थर व कठोर चट्टाने भी हैं। ऑगर मशीन से ड्रिलिंग शुरू हुई थी, लेकिन बाद में आगे किसी कठोर वस्तु के आने से ड्रिलिंग नहीं हो पाई। सुरंग में फंसे लोगों को बचाने के लिए रेलवे से लेकर ओएनजीसी, आईआईटी के विशेषज्ञों की भी मदद ली जा रही है। इसके अलावा अमेरिकी ऑगर मशीन के इंजीनियर्स से भी मदद ली जा रही है। बैकअप में एक और मशीन रखी गई है। उन्होंने कहा कि सुरंग में फंसे लोगों को बचाने लिए दिन व रात काम किया जा रहा है। हिमालय का भूगर्भ चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन अंदर फंसे लोगों को बचाने में जरूर सफलता मिलेगी। इस मौके पर सीएम पुष्कर सिंह धामी, एनएचआईडीसीएल के प्रबंध निदेशक मोहम्मद अहमद, भाजपा राष्ट्रीय मंत्री स्वराज, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, विधायक गंगोत्री सुरेश चौहान, यमुनोत्री संजय डोभाल, पुरोला दुर्गेश्वर लाल, आदि रहे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि ऑगर मशीन के कंपन के कारण और ज्यादा भूस्खलन की बात कही जा रही थी। लेकिन, ऑगर मशीन से ड्रिलिंग ही सबसे अच्छा विकल्प है। जिससे अंदर फंसे लोगों तक सबसे जल्दी पहुंचा जा सकता है। ऑगर मशीन से पाइप अंदर जाएंगे। जिससे अंदर फंसे लोग बाहर आ जाएंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नितिन गडकरी ने कहा कि सुरंग का अचानक बीच में से गिर जाना चिंता का विषय है। सुरंग में कंक्रीट का काम चल ही रहा था, जो कि 80 मीटर तक हुआ है। इस घटना के तकनीकी कारणों की जांच के लिए राज्य के साथ केंद्र की ओर से अलग से तकनीकी समिति गठित की जाएगी।

गोपाष्टमी मेला गौहाटी...

के स्टाल लगाए गए हैं। वहीं बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले आदि की दुकानें है। गोपाष्टमी मेले की खासियत यह है कि यहां जात-पात और ऊंच-नीच का भेद भुलाकर समाज के सभी वर्गों के लोग भाग लेते हैं। यहां तक कि मेले में मुस्लिम समाज की भी अच्छी खासी भागीदारी होती है। उधर मेले को लेकर मेला समिति की ओर से चाक चौबंद प्रबंध किए गए हैं। मेला प्रांगण और गौशाला के बाहर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। गौशाला के कार्यकर्ता मेले के सुचारू संपादन के लिए कमर कसे हुए हैं। श्री गौहाटी गौशाला के प्रचार सचिव विकास गुप्ता ने बताया कि मेले को लेकर गठित कार्यकर्ताओं की टीम अपने-अपने दायित्वों को बखूबी अंजाम दे रही है। उन्होंने कहा कि आज रविवार होने के चलते मेले में काफी भीड़ हुई। उल्लेखनीय की आज छठ पूजा भी है। आज श्रद्धालु अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को संध्या अर्घ्य दिया। गुप्ता ने बताया कि गौहाटी गौशाला श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पूरी तरह तैयार।

पाकिस्तान में लाखों ...

प्रमुख हैं। कराची में अफगान वाणिज्य दूतावास के कानूनी सलाहकार सादिकउल्ला काकड़ ने बताया कि पाकिस्तान में अधिकांश अफगान शरणार्थी निम्न मध्यम वर्ग के हैं। उन्होंने कहा कि लिहाजा, उनके पास कोई योग्यता या खास शिक्षा भी नहीं है। पाकिस्तान सरकार ने वैध दस्तावेजों के बिना रह रहे अफगानों को वापस भेजने की समयसीमा 31 अक्तूबर तय की थी, जिसके खत्म होने के दो सप्ताह बाद हजारों लोग विस्थापित हो चुके हैं - और अब, यहां तक कि वैध कागजात वाले लोगों को भी 31 दिसंबर के बाद वापस भेजने की योजना बनाई गई है। स्थिति गंभीर है और उनके चेहरों पर अनिश्चितता साफ दिखाई देती है। समय सीमा समाप्त होने के बाद से 1,65,000 से अधिक अफगान पाकिस्तान से जा चुके हैं। हाजी मुबारक शिनवारी 1982 में अपने पांच बेटों और दो भाइयों के साथ पाकिस्तान आए थे। उन्होंने कड़ी मेहनत से वस्त्र, परिवहन और ऋण देने समेत विभिन्न व्यवसाय का एक नेटवर्क तैयार किया और अब कराची के बाहरी इलाके में अल-आसिफ स्क्वायर में कई संपत्तियों के मालिक हैं। शिनवारी कहते हैं कि हम इतने साल से यहां बिना दस्तावेजों के रह रहे हैं और स्थानीय लोगों की मदद से अपना कारोबार स्थापित किया है। वह ऐसे अकेले व्यक्ति नहीं हैं। कारण? पाकिस्तान सरकार का कहना है कि सुरक्षा कारणों से उसने यह फैसला लिया है। सरकार का आरोप है कि इनमें से कई अफगान आपराधिक और आतंकवादी गतिविधियों में शामिल हैं। पाकिस्तान सरकार ने तालिबान सरकार पर आरोप लगाया है कि वह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए अफगान धरती का उपयोग करने से रोकने में सहयोग नहीं कर रही है। इस फैसले से मुबारक जैसे सैकड़ों अफगानों को नुकसान हुआ है। कई वर्षों से पाकिस्तान में रहने वाले हजारों अफगानों को अपने कारोबार, संपत्ति छोड़कर देश से जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। मुबारक ने कहा कि हमारे लिए यह एक बुरी स्थिति है। पाकिस्तान सरकार ने (पाकिस्तान से) अफगानिस्तान में नकदी और संपत्ति के हस्तांतरण पर प्रतिबंध लगा दिया है, ऐसे में मुबारक समझ नहीं पा रहे हैं कि अफगानिस्तान जाने पर वह अपनी मेहनत से अर्जित संपत्ति को कैसे बचा सकते और स्थानांतरित कर सकते है। मुबारक ने कहा कि शरणार्थियों को प्रति व्यक्ति केवल 50,000 रुपए नकदी अपने साथ ले जाने की अनुमति है। अधिकांश अफगान जो अपने वतन लौट गए हैं या जाने की तैयार कर रहे हैं उन्हें दशकों में स्थापित हुए अपने कारोबार और घरों को खोने की कठोर वास्तविकता का सामना करना पड़ रहा है। मुद्दा इतना गंभीर हो गया है कि अफगानिस्तान के कार्यवाहक वाणिज्य मंत्री हाजी नूरुद्दीन अजीजी ने इस पर चर्चा करने के लिए पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी से मुलाकात की। क्वेटा में किराने की दो दुकानों के मालिक रहमत खानजादा ने कहा कि उन्हें डर है कि उनकी सारी बचत अब बर्बाद हो रही है। उन्होंने कहा कि यह वैसी ही स्थिति है जैसी हमने 1947 में विभाजन के वक्त सुनी थी। बड़े शहरों में कई लोगों ने उन हिंदुओं, पारसियों और यहां तक कि मुसलमानों की संपत्तियों व कारोबार पर कब्जा कर लिया था, जिन्होंने भारत जाने का फैसला किया था। पाकिस्तान ने कहा है कि उसने दशकों से लगभग 17 लाख गैर-दस्तावेज अफगान शरणार्थियों को पनाह दी है, लेकिन अब उनका समय समाप्त हो गया है और उन्हें अपने वतन लौटना होगा। अफगान वाणिज्य दूतावास के काकड़ ने कहा कि विशेष रूप से गैर-दस्तावेजों के बिना रह रहे शरणार्थी असहाय हैं, जबकि दस्तावेज वाले शरणार्थियों के लिए भी आने वाला वक्त आसान नहीं होने वाला है।

मुझे नहीं बुलाया ...

कपिल देव ने कहा कि, आपने मुझे बुलाया, मैं यहां आ गया। उन्होंने नहीं बुलाया, मैं नहीं गया इतनी सी बात है। मैं चाहता था कि मेरी पूरी 1983 वर्ल्ड कप टीम वहां मौजूद रहे। बहुत काम चल रहा है, इतनी जिम्मेदारी है। कभी-कभी लोग भूल जाते हैं। कपिल देव की कप्तानी में भारत ने 1983 में पहला वर्ल्ड कप जीता था। उस दौरान टीम इंडिया ने वेस्टइंडीज को हराकर ट्रॉफी पक्की की थी। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि आईसीसी सभी वर्ल्ड कप विजेता कप्तानों को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आमंत्रित करेगा।

इंफाल हवाई अड्डे पर ...

उल्लेखनीय है कि आज इंफाल हवाईअड्डे पर उस समय सनसनी फैल गई जब इसके आसपास एक संदिग्ध वस्तु देखी गई। इस घटना के बाद पुलिस और हवाई अड्डे के अधिकारी चौकस हो गए। हवाई अड्डा और इसके आसपास सुरक्षा बलों की भारी तैनाती कर दी गई। इसके बाद हवाई अड्डा और इसके आसपास के इलाके को पूरी तरह सील कर दिया गया। हवाई अड्डा सील होने की वजह से यात्री वहां फंसे रहे। उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद पूरे इलाके में चौकसी बढ़ा दी गई।

भारत आए म्यांमार ...

नवंबर को भागकर उस समय मिजोरम आए थे, जब अंतर्राष्ट्रीय सीमा से कुछ किलोमीटर दूर म्यांमार के चिन राज्य के तुइबुअल में उनके शिविर पर पीडीएफ से संबद्ध एक स्थानीय मिलिशिया समूह चिन नेशनल डिफेंस फोर्स (सीएनडीएफ) ने कब्जा कर लिया था। अधिकारी ने कहा कि रक्षा प्राधिकारी इन सैनिकों को हवाई मार्ग से मणिपुर के मोरेह ले गए। मोरेह से वे निकटतम म्यांमार शहर तामू ले जाये गए। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के कारण यह प्रक्रिया बाधित हुई थी। अधिकारी ने कहा कि ये सैनिक भारत और म्यांमार के बीच प्राकृतिक सीमा त्याओ नदी के पास मिजोरम के चम्फाई जिले के सैखुम्फाई में पैदल आए और अपने देश वापस भेजे जाने से पहले वे असम राइफल्स की अभिरक्षा में थे। इससे पहले पीडीएफ द्वारा शिविरों पर कब्जा किए जाने के बाद भारत आए म्यांमार के 45 सैनिकों को उनके देश भेजा गया था। अधिकारियों ने बताया कि भारत-म्यांमार सीमा पर फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण है और 15 नवंबर के बाद से किसी झड़प की कोई खबर नहीं है।

राज्यभर में छठ पूजा में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

गुवाहाटी (हिंस/विभास)। प्रत्यक्ष देवता सूर्य की आराधना के पर्व छठ पूजा में राज्य भर में श्रद्धालुओं की आज भीड़ उमड़ पड़ी। राज्य के हजारों घाटों पर लोग परंपरागत तरीके से भगवान सूर्य की आराधना करते देखे गए। छठ पूजा के पहले दिन आज संध्या का अर्घ्य डूबते सूर्य को दिया गया। लोग अपने-अपने श्रद्धानुसार प्रसाद आदि का डाला तैयार कर घाटों पर भगवान सूर्य को अर्घ्य देने पहुंचे। छठ पूजा को लेकर राज्य भर में सैकड़ों पूजा समितियों ने अपने-अपने तरीके से पूजा पंडालों को सजाया। ब्रह्मपुत्र नद समेत राज्य की सभी छोटी-बड़ी नदियों, तालाबों के साथ ही लोगों ने अपने घरों के परिसर में जलाशय बनाकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देते देखे गए। राज्य भर की तरह बिश्वनाथ चरिआली शहर के पाभोई रोड के केंद्रीय श्रीश्री छठ पूजा समिति के तत्वावधान में असमिया संस्कृति पर आधारित झलकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी। इसके साथ ही बिश्वनाथ चरिआली की विभिन्न छठ पूजा समितियों ने अपने-अपने तरीके से घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्था की। पूजा समिति के सलाहकार सूर्य नारायण पांडे के संचालन में यहां अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जहां स्थानीय विधायक प्रमोद बरठाकुर समेत कई गणमान्य व्यक्तियों का अभिनंदन किया गया। ज्ञात हो की छठ पूजा के संध्या के अर्घ्य से तीन दिन पहले से ही इसका नियम शुरू हो जाता है। पहले दिन नहा कर अरबा-अरबाइन खाने की परंपरा है। दूसरे दिन, दिन भर व्रत करने के बाद व्रती शाम को खरना करते हैं। जहां सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। इसके तीसरे दिन आज संध्या का अर्घ्य दिया गया। जबकि, चौथे दिन सोमवार को सुबह का अर्घ्य दिया जाएगा। छठ पूजा को लेकर राज्य के विभिन्न जिला प्रशासनों द्वारा एहतियाती व्यवस्था की गई। इस मौके पर किसी भी प्रकार का विघटन नहीं हो इसके लिए व्यापक पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती भी देखी गई। एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीम ब्रह्मपुत्र नद समेत जहां-तहां तैनात रही। छठ के घाटों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु रात भर रहेंगे। **विश्वनाथ :** से हमारे संवाददाता के अनुसार आस्था, प्रकृति व परंपराओं महापर्व छठ पूजा अन्य हिस्सों के तरह विश्वनाथ जिले के सभी घाटों में व्रतियों ने तीसरे दिन संध्याकालिन सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी पहला अर्घ्य भास्कर की श्रीचरण में अर्पित किया। सभी घाटों में व्रतधारी ने पूजा-अर्चना की। आज दिनभर निर्जला उपवास कर भगवान भास्कर को रीति-नीति से विभिन्न प्रकार के ऋतु फल, प्रसाद और घरों में बनाये ठेकुआ- खजूरी, मिठाई आदि लेकर भक्तों ने घर से छठ घाट तक टोकरी में सजाए सिर पर लादे खाली पांव घाट पर पहुंचे और व्रत करने वाले भक्तगण पानी में उतरकर डूबते सूर्य देवता को पूजा अर्चना की। सर्वप्रथम व्रतधारी महिला घाट पहुंचकर छठ की वेदी को चौका पूजन और कलश स्थापन करके दीप प्रज्वलित कर छठ मइया की आराधना में लीन हो गए। व्रतधारी के होठों से पारंपरिक मधुर छठ मईया को गुनगुनाते हुए देखा गया। विश्वनाथ चारिआलि शहर के पाभोई रोड के केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के छठ पूजा पंडाल में असमिया संस्कृति की झलक आकर्षण का केंद्र बिंदु बना। विश्वनाथ चारिआलि के पश्चिम चारिआलि छठ पूजा समिति, केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति, विश्वनाथ घाट पूजा समिति ने व्रतधारी के लिए विभिन्न सुविधा की व्यवस्था की। इसी प्रकार विश्वनाथ चाराली शहर के आमबाड़ी स्थित केंद्रीय श्री श्री छठ पूजा समिति के तत्वावधान में छठ घाट पर सुंदर तरीके से पंडाल सजाकर समिति द्वारा बृहद रूप से व्रतधारी लिए सुविधा प्रदान किया गया। इस मौके पर समिति के सौजन्य में समिति वरिष्ठ सलाहकार सूर्यनारायण पांडे के संचालन में आयोजित अभिनंदन समारोह में विश्वनाथ विधानसभा के विधायक प्रमोद बरठाकुर, विश्वनाथ पौरसभा के उप पौरपति दीपक शइकीया, समाज के वरिष्ठ नागरिक हरिप्रसाद ठाकुर, गेशर प्रसाद गुप्ता, रामायण प्रसाद, गया प्रसाद गुप्ता, रामसूरत राय, ललन गुप्ता, राजु प्रसाद, समाज सेवक, विश्वनाथ चारिआलि प्रेस क्लब के सलाहकार निरंजन हाजरिका, राष्ट्रीय विद्यालय एमई प्रधानाचार्य रामचंद्र ठाकुर, समिति के पूर्व सचिव अखिलेश रौनियार को फुलाम गामोछा से सम्मानित किया गया। आयोजित छठ घाट में हर्ष-उल्लास का माहौल छाये रहने के साथ समिति द्वारा भक्तो के लिए सूर्य आरती कराया गया। इधर विश्वनाथ चारालि के फलफलि में स्थित पश्चिम चारालि छठ पूजा समिति का आलोक सजावट छठ घाट आकर्षण का केंद्र बिंदु बना। विश्वनाथ चारिआलि राष्ट्रभाषा प्रबोध विद्यालय परिचालना समिति, रौनियार एकता महिला संगठन समिति, विश्वनाथ जिला समिति, विश्वनाथ जिला रौनियार समाज समिति व विभिन्न संगठन के तरफ से विश्वनाथ जिला तथा भारतवर्ष के सभी हिंदुओं को आस्था का महापर्व छठ की हार्दिक शुभकामनाएं दी। समूचे पूजा व्यवस्था विश्वनाथ जिला प्रशासन व पुलिस की व्यवस्था चकाचौंध था।साथ घर व्रतधारी घर लौटकर आंगन में कोसी भरा और डाला व सूप को फिर से पूजा अर्चना किया। कल उदय भास्कर को अर्घ्य देकर छठ व्रती 36 घंटा निर्जला व्रत का खंडन करेगा। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार आस्था, श्रद्धा, भक्ति व विश्वास का प्रतीक सूर्य षष्ठि महापर्व होजाई में धूमधाम के साथ आज मनाया गया। स्थानीय शिव बाड़ी स्थित सूर्य षष्ठि महोत्सव समिति, नूतन बाजार पोखरी स्थित श्री श्री सूर्य व्रत संचालन समिति के तत्वाधान में आज व्रतधारी श्रद्धालु व उनके परिवार के सदस्य गण उमंग उत्साह के साथ गाजे-बाजे सहित घाट पर पहुंचे एवं आपने पहले से निर्धारित पूजा स्थल पर पूजन सामग्री प्रसाद को अच्छी तरह से रखकर धूप-दीप जलाकर भगवान सूर्य के अस्त होने का इंतजार करने लगे सभी माताएं बहने युवा भगवान का नाम मन ही मन ले रहे थे जो ही भगवान भास्कर अस्ताचल गामी हुए श्रद्धालुओं ने अर्धय के साथ साथ फल मूल पान सुपारी गन्ना आदि भगवान को समर्पित कर अपना पहला अर्धय पूरा किया दोनों घाटों पर तोरण द्वार बिजली की चकाचौंध रोशनी घाटों की शोभा बढ़ा रहे थी। वहीं समितियों द्वारा भगवान सूर्य की प्रतिमा बनाई गई थी जहां भक्तों ने पूजा-अर्चना कर अपने को धन्य समझा। महिलाओं द्वारा गाये जा रहे छठ के गीत माहौल में चार चांद लगा दिया। महापर्व पर कई लोग जल में खड़े अपनी मनौती के पूर्ण होने के लिए प्रार्थना कर रहे थे। वहीं कई महिलाएं पुरुष दंडवत प्राणाम करते हुए घाट पर आते हुए दिखाई पड़े उनके पीछे पीछे उनके परिवार के सदस्य चल रहे थे। बच्चों द्वारा पटाखे फोड़ के खुशी मनाते देखे गए दोनों घाट की पूजा समितियों के सदस्य व्यवस्था बनाने में लगे हुए थे। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार लोक आस्था का महपर्व छठ पर्व के अवसर पर पूरे विश्व के साथ-साथ कोकराझाड़ जिले के कोकराझाड़, सालाकाटी, गोसाईगांव, गुरुफेला, दोतमा, फकीराग्राम सहित जिले के विभिन्न छठ घाटो में सजाटत के साथ छठ पर्व मनाया गया। इस मौके पर छठ पूजा समितियों ने पर्व करने वाले व्रतधारियों के लिए सभी तरह की व्यवस्था की गई थी। वहीं आज कोकराझाड़ छठ घाट पर हजारों की संख्या में भक्तों के साथ व्रतधारियों ने डूबते सूर्य की उपासना कर अर्घ्य दिया। वहीं फकीराग्राम छठ पूजा घाट में बीपीएफ के चीफ हग्रामा महिलारी उपस्थित थे। उनके साथ बीपीएफ के जिला अध्यक्ष एवं एमसीएलए देरहासात बसुमतारी सहित कई नेतागण उपस्थित थे। इस मौके पर हग्रामा महिलारी ने कहा कि फकीराग्राम में आयोजित छठ पूजा को लेकर उन्हें खुशी मिली तथा छठ व्रतधारियों तथा भक्तों को छठ की शुभकामनाएं दी। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार सूर्य उपासना का महापर्व छठपूजा के मौके पर आज रंगिया के विभिन्न स्थानों में श्रद्धालुओं ने अस्तचलगामी भगवान सूर्य को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पित कर अपने तथा अपने स्वजनों की सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य की कामना की। हर वर्ष की तरह इस बार भी रंगिया के विभिन्न स्थानों के साथ-साथ वार्ड नं. 4 स्थित रंगिया बाजार छठ पूजा घाट पर पूजा का व्यापक आयोजन किया गया है। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पूजा अर्चना के साथ सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था सहित घाट को मनमोहन रूप से सजाया गया है। बड़ी संख्या में आज व्रती व श्रद्धालु अपने साथ सुप में फल-फूल व छठी मैया का श्रृंगार लेकर छठ पूजा घाट पर पहुंचे। बहुत से व्रती दंडवत करते हुए छठ घाट पर पहुंचे। घाट पर भारी संख्या में भक्तों की भीड़ उमड़ी जहां ढोल नगाड़े एवं छठ मैया के मंगल गीतों के बीच अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। वहीं आज छठ मैया के गीतों से शहर के विभिन्न इलाकों का माहौल भक्तिमय रहा। कार्यक्रम के अंतर्गत संध्या 5.30 बजे दीप प्रज्ज्वलन और इसके पश्चात संध्या 6बजे डिमु-दोबक की जानी मानी नागरा नाम की पाठिका कविता बरुवा दास और जयंतीपुर की रुपाली दास द्वारा नागरा नाम की बहुत ही सुंदर प्रस्तुति दी गई। समिति के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष शिवनाथ सिंह, गौतम साह और विजय जयसवाल, संयुक्त सचिव अभिषेक तिवारी और महेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष पंकज सिंह, गौरव गुप्ता और सुरेश चौधरी सहित समिति के पदाधिकारियों ने सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मालूम हो कि सोमवार को प्रात:कालीन अर्घ्य (पारण) एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न होगा।

नकली सोना बेचने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। नकली सोना के कारोबार में शामिल तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आज बताया कि बीती रात तीनों की गिरफ्तारी लखीमपुर जिले के बंगालमारा से की गई। इन तीनों पर गुवाहाटी के एक निजी होटल में नकली सोना बेचने का आरोप है। गिरफ्तार तीनों पिता-पुत्र बताए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार लोगों ने एक माह पहले गुवाहाटी के पलटन बाजार के एक होटल में तीन लाख 50 हजार रुपए का नकली सोना बेचा था। इस नकली सोना को खरीदकर ठगे गए व्यक्ति ने पलटन बाजार थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 120(बी)/457/386/352/420 के तहत एक प्राथमिकी 503/23 दर्ज करवाई थी। पुलिस ने होटल में लगे सीसी कैमरे की फुटेज की सहायता से नकली सोने के इन कारोबारियों को गिरफ्तार कर लिया।

श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें अधिवेशन का लाईखुटा स्थापित

रंगिया (विभास)। श्रीमंत शंकरदेव संघ का 93वां वार्षिक अधिवेशन-2024 आगामी 9, 10 और 11 फरवरी को रंगिया मोरानजना भोयरा हातीखला पथार के *श्रीमंत शंकरदेव समन्वय* क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। इस भव्य आयोजन को लेकर संघ द्वारा जोरशोर से तैयारियां की जा रही है। वहीं आज आध्यात्मिक वातावरण के बीच अधिवेशन के लाईखूंटा की स्थापना की गई। इसकी स्थापना संघ के उप-पदाधिकारी चक्रधर सोनोवाल द्वारा की गई। बताया गया है कि संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका किसी विशेष कारणवश कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाए। अधिवेशन के लाईखुटा की स्थापना और खुली सभा में राज्य के विभिन्न स्थानों से अनगिनत बैष्णव भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और कार्यक्रम को सफल बनाया। आज कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह परिवेश

निकाकरण और जिला नामघर में प्रात: प्रसंग संपन्न किया गया और इसके पश्चात सुबह 11 बजे लाईखूंटा की स्थापना की गई। इसके अलावा कार्यक्रम में मंत्री विधायक और सांसदों सहित बहुत से गणमान्य लोग और श्रीमंत शंकरदेव संघ के कई शीर्ष नेता तथा राज्य के विभिन्न स्थानों से आये अनगिनत भगत बैष्णव उपस्थित रहे।

ताजदारे बगदाद कांफ्रेंस संपन्न

TAJDARE BAGHDAD CONFERENCE

गुवाहाटी। शनिवार की रात नमाज बाद 8 बजे से शुरू हो कर सुबह 5 बजे फजर की नमाज तक जलसा हुआ। जिसकी जानकारी कमिटी के ओर से मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी उर्फ (मुखियाजी) ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है। इस जलसे का आयोजन आठगांव कब्रिस्तान मस्जिद परिसर में किया गया था। जिसका आयोजन. गौस ए ख्वाजा-ओ-राजा सोसाइटी कांटाबारी गुवाहाटी (असाम) द्वारा मनाई गई थी। यह जलसा प्रत्येक वर्ष मनाई जाती है। मोहम्मद सैमुदीन मंसूरी ने बताया कि इस जलसे में बहुत दूर - दूर से ओलमाए एकराम व मुक्करीर शामिल हुए। इनमें मो: जिआउल मुजतबा कामिल (बिहार), मो: काफिल अम्बर (बिहार), अब्दुल कलाम अहसानुल कादरी (कोलकाता), शैयद अब्दुल करीम साहब खादीम उलुबाड़ी माजार (गुवाहाटी), मो: शैफ रज्जा (कान पूरी), मो: इमरान रज्जा हनफी (मुरादाबादी), शायर अशहर गौहाटवी (असाम), मो: नेसार अहमद (बुल - बुले बंगाल), राकेश साउंड मुजफ्फर पुर (बिहार) इत्यादि लोगों शामिल हैं। इस जलसे में लग-भग दो हजार से ज्यादा संख्या में लोगों ने शामिल हुए व जलसे में शामिल हुए तथा नातिया कलाम, करान ए तिलावत व तकरिरें सुनी। जलसे में शामिल होने वाले मेहमानों के लिए खास तौर पर भव्य पंडाल, लाईट, कुर्सियां, लंगर व चाय तथा पानी का इंतजाम किया गया था।

मुख्यमंत्री ने दी राज्य के लोगों को छठ पूजा की शुभकामनाएं

कामरूप (हिंस)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य के लोगों को छठ पूजा की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि छठ पूजा, ऊर्जा के देवता भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित एक त्योहार, भारत में बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के कई क्षेत्रों में मनाया जाता है। सूर्य षष्ठी, छठ पर्व, डाला पूजा, प्रतिहार और डाला छठ के नाम से भी जाने जाने वाले इस त्योहार में महिलाएं कठोर व्रत रखती हैं और अपने परिवार और बच्चों की भलाई और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं।

252 नंबर बाघमारा चर प्राथमिक विद्यालय में पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के बाघबर विधानसभा क्षेत्र के दक्षिणी हिस्से के सबसे पुराने शिक्षण संस्थान बाघमारा चर प्राथमिक विद्यालय संख्या 252 बाघमारा चर प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में रविवार को स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अब्दुल हाशेम की अध्यक्षता में पूर्व छात्र सम्मेलन समिति के गठन के लिए एक आम सभा का आयोजन किया गया। विद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष अब्दुल हाशेम की अध्यक्षता में हुई बैठक में अधिवेशन के कुल 19 सदस्यों की नई कमेटी का गठन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त शिक्षक हकीम उद्दीन अहमद को अध्यक्ष, जफर अली खान, आयनल हक को उपाध्यक्ष, शाहनुर्रहमान को सचिव, अब्दुल लतीफ, जेस्मीना अख्तर को सह सचिव, जाकिर हुसैन सरकार को वित्त सचिव बनाया गया। उल्लेखनीय है कि नई समिति का गठन 13 सदस्यीय जूरी समिति ने किया था।विद्यालय के प्रधानाध्यापक त्रिलोचन नाथ ने सभा का उद्देश्य बताया। सभा में बाघमारा चर ग्राम पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अब्दुल बारिक,

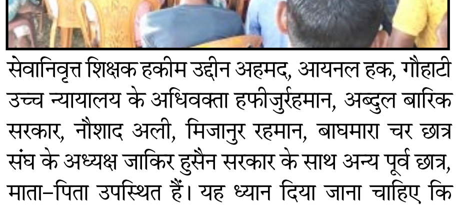

सेवानिवृत्त शिक्षक हकीम उद्दीन अहमद, आयनल हक, गौहाटी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता हफीजुर्रहमान, अब्दुल बारिक सरकार, नौशाद अली, मिजानुर रहमान, बाघमारा चर छात्र संघ के अध्यक्ष जाकिर हुसैन सरकार के साथ अन्य पूर्व छात्र, माता-पिता उपस्थित हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि चूंकि 1925 में स्थापित प्राथमिक विद्यालय एक शताब्दी वर्ष पूरा करने वाला है, इसलिए नवगठित पूर्व छात्र सम्मेलन समिति के माध्यम से स्कूल की शिक्षा और बुनियादी ढांचे को और मजबूत करने का प्रयास करने का निर्णय लिया गया।

बंगाईगांव में निशान यात्रा के साथ तीन दिवसीय बाबा श्याम का जन्मोत्सव शुरू

बंगाईगांव। बंगाईगांव में 19 नवंबर को कराने वाला श्याम करने वाला श्याम की और से निशान यात्रा के साथ बाबा श्री श्याम का तीन दिवसीय जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत हुई। बड़ी संख्या में भक्तों ने इस निशान यात्रा में हिस्सा लिया जो की मूलचंद जालान विवाह भवन से शुरू होकर मायापुरी, पगला स्थान होते हुए बीओसी गेट स्थित श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में संपन्न हुई जहां खाटू नरेश श्याम का प्रतिष्ठित दरबार है। इस निशा यात्रा में एक रथ पर बाबा का दरबार सजा था जिसके पूरे रास्ते में

भक्तों ने दर्शन किए। पूरे मार्ग में पुरुष एवं महिलाएं परंपरागत पोशाक में हाथ में रंग-बिरंगे निशान लेकर तीन बान धारी बाबा श्याम की जय जयकार करते हुए बढ़ रहे थे तथा ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पूरा शहर खाटूमय हो गया है। दूसरे चरण में कार्तिक शुक्ला एकादशी 23 नवंबर बृहस्पतिवार को हनुमान मंदिर में स्थित बाबा के दरबार में बड़े धूमधाम से जन्मोत्सव मनाया जाएगा तथा सायं को भजन कीर्तन किया जाएगा जिसमें स्थानीय कलाकार नवीन अग्रवाल अपने भजनों से बाबा को रिझायेंगे। उसी दिन बाबा को छप्पन भोग भी लगाया जाएगा। तीसरे चरण में बारस के दिन 24 नवंबर को बाबा की ज्योत का कार्यक्रम रखा गया है। निशान यात्रा को सफल करने में संजय बजाज, गोविंद अग्रवाल, गौरव मित्तल, रोहित अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, अनिल सुरेका, राजेश अग्रवाला, मनोज हरलालका, श्रीमती स्वाति शर्मा, श्रीमती सपना धानुका के साथ सभी श्याम प्रेमियों का सक्रिय सहयोग रहा।

भाजपा की सरकार बनने पर बढ़ेगा विकास का स्कोर, राज्य को मिलेगी जीतः नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को राजस्थान के तारानगर में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार आने पर प्रदेश में विकास का स्कोर बढ़ेगा और राज्य को जीत मिलेगी। भाजपा नेता ने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए प्रदेश सरकार पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस के नेता एक दूसरे को रनआउट करने में लगे हुए हैं। वहीं कुछ नेता गलत बयानबाजी कर खुद को हिटविकेट कर रहे हैं। भ्रष्टाचार के चलते यहां मैच फिक्सिंग हो रही है। जब टीम ही ऐसी है तो क्या रन बनेंगे और क्या काम होगा। उन्होंने कहा कि यदि भाजपा सरकार में आती है तो विकास का स्कोर बढ़ेगा और राजस्थान जीतेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में गुंडागर्दी और दंगे बढ़े हैं तथा प्रदेश महिलाओं और दलितों के साथ अत्याचार में अग्रणी बन गया है। इनके एक नेता प्रदेश को मर्दों का प्रदेश बताकर यहां के शूरवीरों का अपमान कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस सरकार ने ऐसे नेता को मंत्री पद से हटाना तो क्या दोबारा टिकट भी दे दिया है। राज्य में पेपर लीक के चलते युवाओं का भविष्य खराब हो रहा है। प्रधानमंत्री ने वादा किया कि भाजपा की सरकार आने पर प्रदेश में किसानों को पीएम सम्मान निधि के तहत मिलने वाली रोशनी दोगुनी कर दी जाएगी। किसानों को साल में 12 हजार रुपये मिलेगा। उन्होंने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि किसानों के लिए केंद्र सरकार प्रयास कर रही है और यूरिया की कीमत पर सब्सिडी दे रही है जिससे 3 हजार का यूरिया 300 रुपये से भी कम दाम में मिल रहा है। उन्होंने हर घर नल से जल योजना का भी उल्लेख किया और कहा कि 2014 से पहले 100 में से केवल 13 या 14 परिवारों तक नल से जल पहुंचता था। अब 100 में से करीब 70 परिवारों और कई जगह तो सत प्रतिशत परिवारों तक नल से जल पहुंच रहा है। वहीं कांग्रेस सरकार इसमें भी भ्रष्टाचार कर रही है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण योजना को 5 साल बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री ने इस बात का भी वादा किया कि सरकार बनने पर राज्य में लोगों को पेट्रोल और डीजल की कीमत में राहत मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह दिवाली में सफाई जरूरत होती है इस तरह से कांग्रेस को भी राजस्थान से साफ करने का समय है। यहां देवी-देवताओं की शोभा यात्राओं को रोका जाता है जबकि पीएफआई संगठनों की रैलियों को खुली छूट दी जाती है।

मुख्यमंत्री गहलोत का बड़ा आरोप, कहा- किरोड़ी और ईडी मिलीभगत से कर रहे काम

जयपुर, (हि.स.)। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने उन्हें रविवार को श्रद्धा से याद किया। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उन्होंने इंदिरा गांधी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा और ईडी पर भाजपा नेता किरोड़ी लाल मीणा से मिलीभगत कर कार्रवाई करने का आरोप भी लगाया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी महान नेता थीं, जिन्होंने इस देश का इतिहास नहीं भूगोल बदला। बांग्लादेश को मुक्त करवाया। उन्होंने गरीबी हटाओ की बात की और उस पर काम किया। देश को अखंड रखने के लिए खालिस्तान नहीं बनने दिया। उन्होंने अपनी जान तक की परवाह नहीं की। उन्हें अहसास था कि उनकी जान जा सकती है, जिसका जिक्र उन्होंने उड़ीसा (ओडिशा) के एक कार्यक्रम में भी किया था। गहलोत ने कहा कि परिवार में अगर किसी का मर्डर भी होता है तो सात पीढ़ियां उसको याद रखती हैं। आज जो सत्ता में बैठे हुए लोग हैं, इनके लिए इंदिरा गांधी का त्याग बलिदान कुछ भी नहीं है। राजीव गांधी के शहीद होने का मतलब नहीं है। गांधी परिवार के खिलाफ बोलने के अलावा इनके पास कोई दूसरा मुद्दा नहीं है। जो परिवार पिछले 30 साल से किसी पद पर नहीं है, फिर उन्हें चिंता किस बात की है। ये उस परिवार से क्यों डरते हैं? ये परिवार जो कांग्रेस की धुरी बना हुआ है, उसे कमजोर कैसे करें, यही उनकी चिंता है। गहलोत ने कहा कि आजादी के बाद 70 साल में देश के कई महापुरुषों ने ऐसे-ऐसे फैसले किए, जिसके कारण देश एक और अखंड रहा। पाकिस्तान की तरह देश के टुकड़े नहीं हुए। बार-बार सेना का शासन नहीं लगा। लोकतंत्र की जड़ें मजबूत रहीं। इसी कारण से आज सत्ता परिवर्तन हुआ है। यहां लोकतंत्र को कायम रखा गया, इसलिए यहां सत्ता परिवर्तन संभव हुआ है। कांग्रेस नेताओं ने लोकतंत्र को कायम रखा। इसे ये लोग भूल जाते हैं। आज हुकूमत करने वालों ने जैसे लोकतंत्र को खतरे में डाला है, संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं, यह चिंताजनक है। राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों की समीक्षा को लेकर पीएम मोदी के बयान पर सीएम गहलोत ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि इन्होंने एक्साइज के नाम पर लूट मचा रखी है। ये भ्रमित कर रहे हैं लोगों को। बेसिक एक्साइज ड्यूटी में राज्यों की भी हिस्सेदारी होती है। उसे तो घटाकर कम कर दिया है, लेकिन तीन अन्य टैक्स लगा दिए। इनमें राज्यों को हिस्सा नहीं मिलता है, राज्यों के साथ अन्याय हो रहा है, यह संघीय ढांचे की भावना के अनुकूल नहीं है। उन्होंने कहा कि प्रवर्तन निदेशालय-इनकम टैक्स की जांचें केवल विपक्ष पर हो रही है। राजस्थान में अभी दस छापेमारी हुई। क्या मिला इनको? बदनाम करने के लिए छापेमारी की जा रही है। बच्चों को तंग किया जा रहा है। पीसीसी अध्यक्ष के घर घुस गए, मुख्यमंत्री के बेटे को नोटिस दिया। इस तरह की देशभर में न्यूज वैल्यू बनाने के लिए यह छापेमारी की जा रही है। जनता सब समझ रही है और इस बार सबक सिखाएगी। पीएम हो या अमित शाह, ये घमंड में चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई जाकर बैंक के आगे धरना दे देगा और ईडी पहुंच जाएगी, यह मिलीभगत है। ईडी और किरोड़ी लाल मीणा की मिलीभगत से काम हो रहा है पिछले सालभर से, झूठी शिकायतें की जा रही हैं। वो गाइड करते हैं ईडी को लेकिन अगर उनके पास ईडी है तो हमारे पास गारंटी है।

शंकराचार्य गद्दी और देवडोलियों के साथ श्री रावल पहले प्रवास के लिए पहुंचे पांडुकेश्वर

जोशीमठ, (हि.स.)। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शनिवार 18 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद होने के बाद देवडोलियों का पहले प्रवास के लिए प्रस्थान हुआ। कपाट बंद होने के बाद गढ़वाल स्काउट के बैंड के साथ रविवार सुबह 10 बजे बदरीनाथ धाम से प्रस्थान कर श्री उद्धव जी, श्री कुबेर जी और रावल ईश्वर प्रसाद नंबूदरी सहित आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी बदरीनाथ के धर्माधिकारी आचार्य राधाकृष्ण थपलियाल और वेदपाठी रविंद्र भट्ट एवं सैकड़ों श्रद्धालु-हक हकूक धारियों के साथ देवडोलियां योग बदरी मंदिर पांडुकेश्वर पहुंचीं। जहां देवडोलियों का भव्य स्वागत हुआ। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति उपाध्यक्ष किशोर पंवार एवं मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान देवडोलियों के साथ ही बदरीनाथ धाम से योग बदरी पांडुकेश्वर पहुंचे। इस दौरान बेनाकुली, हनुमान चट्टी, लामबगड़ जेपी डेम साइट, पांडुकेश्वर बाजार में श्रद्धालुओं ने देवडोलियों के दर्शन किये। कपाट होने के बाद शनिवार 18 नवंबर शाम को श्री कुबेर जी रात्रि प्रवास के लिए बामणी गांव पंहुचे थे। 19 नवंबर रविवार को बामणी से प्रस्थान कर पांडुकेश्वर पहुंचे। जबकि बदरीनाथ से रविवार 19 नवंबर रविवार प्रातः 10 बजे को श्री उद्धव जी और आदि गुरु शंकराचार्य जी की पवित्र गद्दी रावल जी सहित पांडुकेश्वर पहुंचे। रविवार को श्री कुबेर जी, उद्धव जी एवं शंकराचार्य जी की गद्दी पांडुकेश्वर पहुंचने के दौरान जय बदरीविशाल तथा सेना के बैंड की भक्तिमय धुनों से वातावरण गूंज उठा।इस दौरान लोगों ने देवडोलियों पर फूल वर्षा की। श्री उद्धव जी योग बदरी मंदिर एवं कुबेर जी अपराह्न अपने पांडुकेश्वर स्थित मंदिर में पहुंचे जहां पांडुकेश्वर गांव के श्रद्धालुओं ने कुबेर जी श्री उद्धव जी तथा शंकराचार्य गद्दी सहित रावल जी का स्वागत किया तथा महिला मंगल दल पांडुकेश्वर ने भजन कीर्तन का आयोजन किया। श्री कुबेर जी, श्री उद्धव जी शीतकाल छह मास पांडुकेश्वर में प्रवास करेंगे। जबकि श्री गरुड़ जी शीतकाल में जोशीमठ प्रवास करेंगे। भगवान नारायण के वाहक श्री गरुड़जी शनिवार देर रात मंदिर समिति खजाने के साथ श्री नृसिंह मंदिर जोशीमठ पहुंच गये हैं।

छठ पर्व पर केजरीवाल ने दी शुभकामनाएं

अजय त्यागी

नयी दिल्ली। लोक आस्था के महापर्व छठ पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान सूर्य की उपासना और लोक आस्था के महापर्व की ईष्ट छठी मईया आप सभी को स्वस्थ एवं खुशहाल और समृद्ध रखें। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की ओर से लोक आस्था के महापर्व छठ पर यहां एक हजार से अधिक छठ घाटों का निर्माण किया गया है। छठ घाट पर पूजा अर्चना के साथ-साथ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी प्रबंध किया गया है।

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की बूथ सशक्तिकरण अभियान की समीक्षा

हरिद्वार, 19 नवंबर (हि.स.)। भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित जिला बैठक ने जिला अध्यक्ष भाजपा संदीप गोयल ने भाजपा संगठन द्वारा चल रहे बूथ सशक्तिकरण अभियान कार्य की समीक्षा करते हुए सभी जिला व मंडल पदाधिकारियों से अति शीघ्र इस अभियान के निमित्त कार्य पूरा करने का आवाहन किया। साथ ही आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा बनाई गई। संदीप गोयल ने बताया की 23 नवंबर से 26 जनवरी 2024 तक विकसित भारत संकल्प यात्रा का कार्यक्रम होना सुनिश्चित हुआ है। जिसके माध्यम से प्रमुख जन लाभार्थी योजनाओं के संतृप्तीकरण हेतु लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध से सक्रिय जन भागीदारी के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में विकसित भारत संकल्प यात्रा होगी, जो की सभी ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में स्थान पर जाएगी। विकसित भारत संकल्प यात्रा में भाजपा के सभी पदाधिकारी जुड़कर इस यात्रा को सफल बनाएंगे। इस बैठक का संचालन जिला महामंत्री आशु चौधरी ने किया। इस अवसर जिला उपाध्यक्ष विकास तिवारी, जितेंद्र चौधरी, निर्मल सिंह, मोहित वर्मा, नेत्रपाल चौहान,रजनी वर्मा, अमरीश सैनी, नकली राम सैनी, सचिन शर्मा, सचिन निषीद, मनोज शर्मा, गौरव पुंडीर, विक्रम भुल्लर, डॉ प्रदीप कुमार, संजय कुमार, मनीष कुमार, एजाज हसन, हीरा सिंह बिष्ट, कमल प्रधान, राजवीर कलानिया, दीपांशु शर्मा, कमल किशोर आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली के रोहिणी में डीटीसी बस पलटी, हादसे में तीन लोग घायल

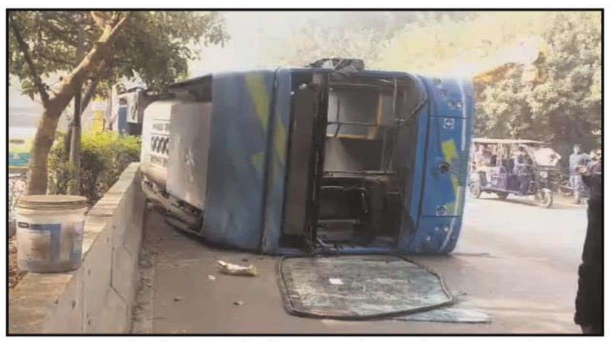

नई दिल्ली, (हि.स.)। रोहिणी सेक्टर-15 में रविवार सुबह डीटीसी बस पलट गई। हादसे में बस में सवार तीन लोगों को मामूली चोट आई है। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरूआती जांच में पता चला है कि बस टर्न करने के दौरान पलटी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह भी बताया जा रहा है कि बाइक सवार को बचाने के चलते यह हादसा हुआ है। घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे की बताई जा रही है। दरअसल, दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-15 के पास रविवार सुबह के समय डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस हादसे का शिकार हो गई। जानकारी के अनुसार यह बस 879 रूट की थी, और सुबह के समय मधुबन के रास्ते से होते हुए केएन काटजू मार्ग से गुजर कर अपने गंतव्य स्थान की ओर जा रही थी। बस जैसे ही रोहिणी सेक्टर 15 की तरफ मुड़ी तभी ये बस अचानक बेकाबू हो गई और हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि जब ये बस मुड़ी तो उसी दौरान अचानक एक बाइक सवार बस के सामने आ गया। बस चालक ने तुरंत ब्रेक लगाया और बस बेकाबू होकर पलट गई। बस की गति तेज थी, जिसकी वजह से ये हादसा हुआ। हादसे के बाद यातायात पुरी तरह से बाधित हो गया। बस पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि सूचना मिलने के बाद पुलिस भी घटना स्थल पर पहुची, जिसके बाद जेसीबी की मदद से बस को उठाया गया।

भारत ने गाजा में फंसे लोगों की मदद के लिए 32 टन राहत सामग्री भेजी

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय वायु सेना का सी-17 परिवहन विमान गाजा में छिड़े इजराइल-हमास युद्ध में फंसे नागरिकों की मदद के लिए 32 टन सहायता सामग्री लेकर आज (रविवार) मिस्र के एल-अरिश हवाई अड्डे के लिए रवाना हुआ। भारत ने कहा है कि वह फिलिस्तीन के नागरिकों को लिए मानवीय सहायता प्रदान करता रहेगा। विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने एक्स पर यह सूचना साझा करते हुए कहा है कि हम फिलिस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेंगे। भारत के इन्हीं प्रयासों के तहत भारतीय वायु सेना का सी-17 विमान 32 टन राहत सामग्री लेकर रवाना हुआ है। इससे पहले भी भारत ने गाजा में फंसे लोगों की मदद के लिए 22 अक्टूबर को वायु सेना के विमान से राहत सामग्री भेजी थी। भारत का यह विमान मिस्र के एल अरिश हवाई अड्डे पर उतरेगा और सम्बंधित अधिकारियों को राहत सामग्री सौंपी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को महापर्व छठ की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज (रविवार) सूर्योपासना के महापर्व छठ पर समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान सूर्य से हर किसी के जीवन में खुशहाली लाने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने एक्स पर प्रेषित शुभकामना संदेश में कहा-'महापर्व छठ के संध्या अर्घ्य के पावन अवसर पर अपने सभी परिवारजनों को मेरी अनंत शुभकामनाएं। सूर्यदेव की वंदना हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा और नए उत्साह का संचार करे। जय छठी मइया।' इससे पहले बीते कल (शनिवार) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने छठ पूजा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं थीं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा था-'छठ पूजा के शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देती हूं। छठ सूर्य देव की पूजा को समर्पित पर्व है। यह नदियों, तालाबों और पानी के अन्य स्रोतों के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है।'

एम्स दिल्ली में ग्रुप बी और सी की 3036 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू

-1 दिसंबर तक स्वीकार किये जायेंगे आवेदन

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES
AIIMS DELHI

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस-एम्स ने ग्रुप बी और सी के तहत विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर दिया है। कुल 3036 रिक्त पदों की भर्ती में से सहायक प्रशासनिक अधिकारी के 13 पद, सहायक आहार विशेषज्ञ 04 पद, सहायक अभियंता (ए/सी एवं आर) के 04 पद, सहायक अभियंता (सिविल) के 05 पद, सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल) के 03 पद, असिस्टेंट लॉन्ड्री सुपरवाइजर के 13 पद, असिस्टेंट स्टोर ऑफिसर के 03 पद डिग्री/पीजी, ऑडियोलॉजिस्ट एवं स्पीच स्पेशलिस्ट के 08 पद, ऑडियोलॉजिस्ट के 02 पद, बायो मेडिकल इंजीनियर का 01 पद, कैशियर के 31 पद,चीफ कैशियर का 01 पद, कोडिंग क्लर्क के 209 पद, सीएसएसडी तकनीशियन के 03 पद और डार्क रूम असिस्टेंट के 10 पदों पर भर्ती की जाएगी। आवेदन पत्र एम्स दिल्ली की ऑफिशियल वेबसाइट एम्सएक्जाम्सडाटएसीडाटआईएन पर उपलब्ध है इच्छुक प्रार्थी अविलम्ब ऑनलाइन आवेदन सहित पेज पर उपलब्ध डायरेक्ट लिंक पर क्लिक करके आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म निर्धारित अंतिम तिथि 1 दिसंबर 2023 तक भरा जा सकता है। इस भर्ती में आवेदन करने के लिए एम्स दिल्ली की आधिकारिक वेबसाइट वेबसाइट के होम पेज पर रिक्वायरमेण्ट लिंक पर क्लिक कर नए पेज पर न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण कर आवेदन प्रक्रिया पूर्ण कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया में जनरल, ओबीसी श्रेणी के उम्मीदवारों को आवेदन शुल्क के रूप में 3000 रुपये और एससी, एसटी एवं ईडब्ल्यूएस श्रेणी के उम्मीदवारों को शुल्क के रूप में 2400 रुपये का भुगतान करना होगा। पीडब्ल्यूबीडी वर्ग के उम्मीदवार इस भर्ती में शामिल होने के लिए निशुल्क आवेदन कर सकते हैं।

उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल हादसा : टनल में वर्टिकल ड्रिलिंग के लिए चार स्थानों की हुई पहचान

-तकनीक के साथ आस्था का सहारा, ट्रैक बनाने का काम बीआरओ को सौंपा
-केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहुंचे सिलक्यारा

उत्तरकाशी, हि.स.)। उत्तरकाशी की निमार्णाधीन सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को अभी तक बाहर नहीं निकाला जा सका है। सुरंग में वर्टकल ड्रिलिंग के लिए चार स्थानों की पहचान हुई है। इस हादसे निपटने को तकनीक के साथ आस्था का भी सहारा लिया जा रहा है। सुरंग के बाहर बौखनाग देवता का मंदिर स्थापित किया गया है। आज रविवार को रेस्क्यू आपरेशन आठवां दिन है। सुरंग में फंसे श्रमिकों का अब धैर्य भी जवाब देने लगा है। रविवार को केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सुबह उत्तरकाशी के सिलक्यारा में रेस्क्यू कार्यों का जायजा लेने के लिए पहुंच गए हैं। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचने के बाद वह मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ हेलिकॉप्टर से उत्तरकाशी पहुंचे। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सिलक्यारा सुरंग का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद अब तक के कार्यों और प्लानों की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि सिलक्यारा सुरंग के ऊपर से ड्रिलिंग के लिए चार अस्थायी मार्गों को तैयार कर लिया गया है। इसके बाद ऊपर एक पोकलैंड मशीन पहुंची है। सुरंग में फंसे मजदूर के रेस्क्यू में अभी चार से पांच दिन और लग सकते हैं। सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए अब पहाड़ के ऊपर और साइड से ड्रिलिंग होगी। वर्टिकल ड्रिलिंग के लिए चार स्थानों की पहचान की गई है, वहां तक पहुंचने के लिए ट्रैक बनाने का काम सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को सौंपा गया है। विदेशी विशेषज्ञों की मदद से पांच विकल्पों पर केंद्र और राज्य की छह टीमें आज से काम शुरू कर रही हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी सीएम पुष्कर सिंह धामी, उत्तराखंड के मुख्य सचिव के साथ सिलक्यारा पहुंचे हैं जहां एनएचआरटीसीएल एवं जिला प्रशासन सहित तमाम एक्सपर्ट के साथ बैठक कर रहे हैं।

सुरंग के बाहर बौखनाग देवता का मंदिर स्थापित - सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने के लिए तकनीक के साथ आस्था का भी सहारा लिया जा रहा है। क्षेत्र के ग्रामीणों के दबाव पर अब कंपनी प्रबंधन ने सुरंग के बाहर बौखनाग देवता का मंदिर स्थापित किया गया है। पहले इस मंदिर को हटाकर सुरंग के अंदर कोने में स्थापित किया गया था।

हमें नहीं चाहिए मोदी वाली गारंटी, हमें केवल एक हिंदुस्तान बनाना है : राहुल गांधी

कोटा, (हि.स.)। राहुल गांधी ने रविवार को बूंदी में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि ये भारत माता की देश के लोग हैं। मैंने सिर्फ एक सवाल पार्लियामेंट में पूछा कि ये भारत माता कौन है। आदिवासी कितने, गरीब कितने, अमीर कितने, मैं ये जानना चाहता हूं। अगर हमें इस देश में मालूम ही नहीं कि गरीब कितने, अमीर कितने तो भारत माता की जय का मतलब क्या है। इसलिए इस देश को एक क्रांतिकारी काम करना है। हमें जातिगत जनगणना करवानी पड़ेगी। देश में पिछड़ों की आबादी लगभग 50 प्रतिशत है, लेकिन दलितों को चलाने में इनकी कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि देश को विधायक या सांसद नहीं चलाते। देश को सरकार के अफसर चलाते हैं। नेता चुनाव हारते हैं, लेकिन अफसर कभी बदला नहीं जाता। इसलिए मैंने पार्लियामेंट में सवाल पूछा नरेन्द्र मोदी से कि आप अपने आप को ओबीसी कहते हो, लेकिन देश को जो 90 अफसर चलाते हैं उसमें से ओबीसी, दलित, आदिवासी कितने हैं? नरेन्द्र मोदी कुछ नहीं बोले। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी लगातार अपने उद्योगपति मित्रों का पैसा माफ कर रहे हैं। उन्होंने 14 लाख करोड़ रुपये का कर्जा माफ किया है। मोदी ने कोविड के समय पिछड़े, दलितों और आदिवासियों को मरवा दिया। राहुल ने कहा कि नरेन्द्र मोदी कहते हैं देश में केवल एक जात है और वो है गरीब। जब ओबीसी को भागीदारी देने की बात आई, जब दलितों को भागीदारी देने की बात आई तब नरेन्द्र मोदी कहते हैं इस देश में न दलित-न आदिवासी। जब चुनाव जीतने की बात आई तो मोदी कहते हैं कि मैं तो ओबीसी हूं। या तो आप ओबीसी हैं या इस देश में एक जात है। आप चौंक जाओगे 90 अफसरों में से तीन अफसर ओबीसी। आबादी 50 प्रतिशत, मतलब कम से कम 45 ओबीसी अफसर होने चाहिए। जो तीन ओबीसी अफसर है वे भी कोने में पीछे बैठे हुए हैं। ये वो 90 अफसर है जो हिंदुस्तान का बजट बांटते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ भी हो जाए नरेन्द्र मोदी जाति जनगणना नहीं कर सकते। जातिगत जनगणना केवल राहुल गांधी और कांग्रेस कर सकती है। जिस दिन जातिगत जनगणना हो गया और जिस दिन आदिवासी, दलितों को ये जनगणना की बात समझ आ गई। उस दिन ये देश बदल जाएगा। अब देश को बदलने का समय आ गया है। दो हिंदुस्तान बन गए हैं। एक अरबपतियों का हिंदुस्तान। दूसरी तरफ किसान जब कर्जा माफ करने की बात करता है तो बीजेपी के प्रदेश में दो लाठी लगती है, अंदर कर देते हैं। छोटा दुकानदार कर्जा मांगते हैं तो उसे भगा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के हर घर में एक महिला को 10 हजार रुपये डालकर बैंक अकाउंट खुलेगा। चुनाव के बाद महिलाओं को 500 रुपये का गैस सिलेंडर मिलेगा, आप लिख लो। ये चाहते हैं कि दो हिंदुस्तान हों। एक अडानी वाला उसमें सभी लोग अंग्रेजी बोलें। दूसरा हिंदुस्तान जहां अंग्रेजी न चलें। इसलिए हमने राजस्थान में अंग्रेजी स्कूल का जाल फैला दिया और हमने पुरानी पेंशन स्कीम फिर से लागू की।

देश-धर्म की रक्षा की प्रेरणा देता है सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान : योगी

ललखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को आलमबाग में खालसा चौक का लोकार्पण किया। टेढ़ी पुलिया के नाम से जाना जाने वाला यह चौराहा अब खालसा चौक के नाम से जाना जाएगा। इस दौरान उन्होंने लोगों को बधाई देते हुए इशारों-इशारों में सपा सरकार के कार्यकाल में मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित होने वाली इफ्तार पार्टी पर कटाक्ष भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनसे पहले उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय में अन्य तरह के आयोजन होते थे। वहीं प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय में गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व का भव्य आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सिख धर्म के दसवें गुरु एवं खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिन्द सिंह जी के ज्योति ज्योत दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह महाराज ने विदेशी आक्रांताओं से भारत के धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी। इस पंथ ने मातृभूमि की रक्षा में हमेशा अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सिख गुरुओं का त्याग और बलिदान हम सबको देश और धर्म की रक्षा की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि सिख गुरुओं का इतिहास हमें भारत की गौरवशाली विजयगाथा का स्मरण कराता है। उन्होंने सिख समाज के त्याग, बलिदान परंपरा, धर्म के प्रति समर्पण और समाज के प्रति सेवाभाव को नमन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हम लोगों को अनेक कार्यक्रमों में सहभागी बनने का अवसर प्राप्त होगा। 24 नवम्बर को ही गुरु तेग बहादुर जी का पावन शहीदी दिवस, 27 नवम्बर को कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व और 26 दिसम्बर बीरबाल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम सबको अपने इतिहास पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, सरदार परमिंदर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान राजेन्द्र सिंह बग्गा, प्रधान गुरुद्वारा शंकरनगर आलमबाग के प्रधान सरदार मनमोहन सिंह सेठी समेत सिख समाज के लोग भारी संख्या में उपस्थित थे।

समाजवादी सरकार आने पर बंद होगी अग्निवीर योजना : अखिलेश यादव

जींद, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि हरियाणा के सबसे ज्यादा नौजवान भारतीय सेना में है और अग्निवीर जैसी व्यवस्था के बावजूद देश सेवा के लिए सेना में शामिल हो रहे हैं। अगर समाजवादियों को मौका मिला तो अग्निवीर योजना को समाप्त किया जाएगा और फौज में भर्ती की पहले जैसी व्यवस्था होगी। इस घोषणा को समाजवादी पार्टी अपने घोषणा पत्र में सबसे पहले नंबर पर शामिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार को महम से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू द्वारा एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जनसेवा संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पूरा देश आज जातिगत गणना चाहता है, उसे भी समाजवादी पार्टी करवाने का काम करेगी। आज देश में कई ऐसी जातियां हैं जिनकी गिनती मुख्य धारा तक में नही होती है। इसके साथ ही कई ऐसी जातियां हैं जिनकी आजतक भी पहचान नहीं हो सकी है। उत्तर प्रदेश से यह आवाज उठ चुकी है और इसे बिहार ने शुरू भी कर दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी जातिगत गणना करवाएगी ताकि गुमनाम जातियों को भी सम्मान मिले, अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने दलितों को आरक्षण दिलाने का काम किया था। देश में पिछडा वर्ग को अबतक आरक्षण नही है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आबादी के हिसाब से सम्मान देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश को आगे ले जाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि जींद की धरा क्रांतिकारी धरा है। यहां से जिस दल ने शुरूआत की है वो संदेश देशभर में गया है। ऐसे में बलराज कुंडू जो संकल्प लेकर आगे बए़ रहे हैं, उसमें हमें बलराज कुंडू की मदद करनी है। अखिलेश ने कहा कि जिस तरह समाजवादी पार्टी ने माताओं का सम्मान बढ़ाने का काम किया थ वही काम अब प्राथमिकता के आधार पर बलराज कुंडू की पार्टी भी करेगी। जिस समय पार्टी का झंडा देखा लाल और हरा और झंडा देख कर लगा यह तो अपने जैसा है। हमारा भी झंडा लाल और हरा है। हमारी पार्टी भी नई है और बलराज कुंडू की पार्टी भी नई है। अपाका साथ मिला तो बलराज कुंडू हरियाणा प्रदेश में सरकार बनाएंगे। जिस दल में नौजवान व माताएं साथ देंगी उस दल को कोई रोक नहीं सकता है। जब से बलराज कुंडू ने राजनीति की शुरूआत की है वो लगातार सेवा कर रहे हैं। बेटियों को धर से स्कूल ले जाने की व्यवस्था की है।

जटायु का दूसरा मंदिर बनेगा अयोध्या में, अब तक है दुनिया में सिर्फ एक मंदिर

लखनऊ, (हि.स.)। अयोध्या के कुबेर पर्वत को जहां भारतीय पुरातत्व संरक्षण सूची से हटा दिया गया है। तो वहीं श्रीराम जन्म भूमि परिसर में ही दूसरा मंदिर बनाने की तैयारी है। श्रीराम जन्मभूमि के 70 एकड़ क्षेत्र में ही कुबेर टीला स्थित है। जिसका सुदृढ़ीकरण और सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से किया जा रहा है। गिद्ध राज जटायु का यहां पर भव्य मंदिर का निर्माण किया जाएगा। कुबेर नवरत्न टीले के नाम से जाने जाने वाले इस टीले पर जटायु की मूर्ति की स्थापना होगी। इसके लिए मूर्ति का निर्माण शुरू हो गया है। पहले तय किया गया था कि जटायु की मूर्ति की स्थापना तांबे से होगी, किंतु यह मार्बल से बनाया जा रहा है। मूर्ति निर्माण हो जाने के बाद इस पर तांबे का पत्र चढ़ाया जायेगा। इस टीले पर ही भगवान शिव का मंदिर भी स्थित है। इस मंदिर को कुबेरेश्वर महादेव कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि रामायण के प्रमुख पात्र गिद्ध राज जटायु ने सीताहरण के बाद रावण से युद्ध किया था और वीरगति को प्राप्त हुए थे। उनका अंतिम संस्कार स्वयं भगवान श्रीराम ने किया था। यह स्थान दंडकारण्य में पड़ता है।

किसे कहते है दंडकारण्य - मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों को मिलाकर दंडकारण्य कहा जाता था। यह स्थान अत्यंत सघन वन हुआ करता था और आज भी यहां पर हरित क्षेत्र सर्वाधिक पाया जाता है। दंडकारण्य में छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश राज्यों के अधिकतर हिस्से शामिल हैं। उड़ीसा की महानदी के इस पार से गोदावरी तक दंडकारण्य का क्षेत्र फैला हुआ था। इसी दंडकारण्य का ही हिस्सा है। आंध्र प्रदेश का शहर भद्राचलम। श्रीराम दंडकारण्य क्षेत्र के आकाश में ही सीता-हरण के बाद रावण और जटायु का युद्ध हुआ था। ऐसा माना जाता है कि दुनिया भर में सिर्फ यहीं पर जटायु का एकमात्र मंदिर है।

फाइनल में भारत की जीत के लिए विहिप-बजरंग दल ने 108 बार किया हनुमान चालीसा का पाठ

मुरादाबाद, (हि.स.)। आज होने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल मैच में भारतीय क्रिकेट टीम की जीत के लिए विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने हनुमान मूर्ति मंदिर पर 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय प्रबंध समिति सदस्य डॉ. राजकमल गुप्ता ने कहा कि आज भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप मैच जीतने जा रही है। इस खुशी में मुरादाबाद महानगर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ने 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों पर संकटमोचन हनुमान जी की कृपा बनी रहे और वह फाइनल मैच जीतकर भारत का नाम शिखर पर ले जाएं। एक तरफ राम मंदिर बनने की खुशी है और दूसरी तरफ भारत फाइनल मैच जीतेगा, इसकी खुशी होगी। विश्व हिंदू परिषद मुरादाबाद महानगर के अध्यक्ष अमित गुप्ता ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि भारतीय क्रिकेट टीम आज फाइनल मैच जीतकर इतिहास रच देगी। महानगर गोरक्षा प्रमुख रजत ठाकुर, महानगर बाल उपासना प्रमुख अश्वनी सूद, बजरंग दल के कार्यकर्ता सुधांशु मौर्य, सचिन दिवाकर, विशाल सैनी, सोनू, अनिकेत आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानपुर नगर के जिला पंचायती राज अधिकारी कमल किशोर दिल्ली में सम्मानित

कानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में मॉडल गांव की अवधारणा को सबसे पहले कानपुर की धरती पर उतारने वाले जिला पंचायती राज अधिकारी कमल किशोर को शनिवार को नई दिल्ली में गोल्ड स्कॉच अवार्ड-2023 से सम्मानित किया गया। यह जानकारी खुद कानपुर जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर ने रविवार को मीडिया को दी। किशोर ने कहा कि मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार के नेतृत्व एवं सुझाव से उत्तर प्रदेश में मॉडल गांव की परिकल्पना का कार्य प्रारम्भ किया गया। गांव में भी शहर जैसी सुविधाएं होनी चाहिए। इस अभियान के तहत शहर की तरह गांव में भी स्वच्छता के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण स्वरोजगार मिशन से जुड़े समूहों की मदद से स्वच्छता के कार्य को आगे बढ़ाया गया। उन्होंने कहा कि मॉडल गांव की संकल्पना को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास किये गये। इस तरह कई आदर्श गांव बनकर तैयार हो गये हैं। वहां भी शहरों की तरह सफाई व्यवस्था और कूड़ा निस्तारण का काम शुरू हो गया है। इस कार्य के लिए मुझे कानपुर जिला पंचायत राज अधिकारी का कार्य बहुत अच्छे से करना होगा। इस सम्मान में कानपुर के जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर एवं मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार एवं अन्य सभी सहयोगी स्टाफ का बहुत बड़ा योगदान है।

छठ पर्व पर तोरपा में चला सफाई अभियान

खूंटी, (हि.स.)। सूयोर्पासन के महापर्व के मौके पर फ्रेंड्स क्लब की ओर से रविवार सुबह सात बजे से तोरपा में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। फ्रेंड्स क्लब की ओर से हर वर्ष छठ के दौरान सफाई अभियान चलाया जाता है। तोरपा के रेफरल अस्पताल से सफाई अभियान की शुरूआत हुई, जिसमें हिदू, मुसलमान, ईसाई सभी समुदाय के लोगों ने भाग लिया। लोगों ने तोरपा हिल चौक, मेन रोड, कर्रा रोड से लेकर छठ घाट तक सड़क की सफाई की। अभियान में भाजपा नेता संतोष जयसवाल, सांसद प्रतिनिधि निखिल कंडुलना, नीरज पाढ़ी, विवेक कुमार, विवेक गुप्ता, दीपक तिग्गा, ऋषभ षाड़ंगी सहित, ग्रामीणों ने भाग लिया। इधर, तपकारा सहित अन्य कस्बाई इलाकों में ग्रामीणों द्वारा सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें थाना प्रभारी विक्रांत कुमार सहित काफी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। सूयोर्पासन के महापर्व के मौके पर फल और फूलों का बाजार गुलजार रहा। फल की दुकानों, ईख और फूल और फूलमालाओं की जमकर बिक्री हुई।

गेंदा फूल की भारी मांग को देखते हुए फूलों की खेती करने वाले किसान गदगद नजर आये। फल विक्रेता महादेव साहू ने बताया कि फलों की कीमतों में इस बार कोई खास इजाफा नहीं हुआ है। तोरपा कें व्यवसायी सतीश खैधरी ने कहा कि पूजा के अन्य सामानों के मूल्य में इस बार कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। सिर्फ देसी घी की कीमतों में 60-70 रुपये की वृद्धि हुई है। तोरपा स्थित छाता नदी छठ घाट पर छठ महापर्व को लेकर भगवान सूर्य की प्रतिमा स्थापित की गयी है। फ्रेंड्स क्लब और स्थानीय नागरिकों द्वारा छठ घाट और रास्ते में आकर्षक विद्युत सज्जा की गयी है। रविवार शाम और सोमवार को तड़के छठ घाट पर जगरता का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। जिला मुख्यालय के राजास तालाब, चौधरी तालाब और साहू तालाब के अलावा अन्य छठ घाटों को भी आकर्षक ढंग से सजाया गया है। रविवार की शाम को अस्ताचलगामी भगवान सूर्य को पहला अर्घ्य प्रदान किया जायेगा। सोमवार को उदीयमान भगवान भुवन भास्कर को दूसरा अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय महापर्व का समापन हो जायेगा।

टेट पास सहायक अध्यापकों के अनशन का 89वां दिन

रांची, (हि. स.)। सहायक अध्यापक समन्वय समिति के बैनर तले रविवार को टेट पास सहायक अध्यापकों का राजभवन के समक्ष अनिश्चितकालीन आमरण अनशन और धरना जारी है। प्रदेश संरक्षक प्रमोद कुमार ने कहा कि इस पावन पर्व छठ पूजा में भी हम आंदोलन में है। आईएनडीआईए गठबंधन सरकार के नेता सिर्फ आश्वासन देकर चुपचाप बैठे हैं और हम टेट पास पारा शिक्षक भी उम्मीद में बैठे हैं कि सरकार वेतनमान की अपनी वादा पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि अनिश्चितकालीन आमरण अनशन और धरना प्रदर्शन का 89वां दिन है। इसके बावजूद सरकार इस पर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में आईएनडीआईए गठबंधन की सरकार ने वेतनमान के बाद चार लाख पारा शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने की घोषणा कर दी है लेकिन झारखंड सरकार वेतनमान देने पर ठोस पहल तक नही कर पा रही है। इसलिए सरकार जल्द वेतनमान देने का घोषणा करे अन्यथा टेट पास पारा शिक्षक उग्र आंदोलन करेंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने छठ पर्व की दी बधाई

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर कहा कि लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा। इस पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं और जोहार। भगवान भास्कर और छठी मैया सभी को स्वस्थ जीवन, सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें, यही कामना करता हूं। जय छठी मैया।

जैक बोर्ड के लिए ऑनलाइन फॉर्म भरने की तिथि दो दिसंबर तक

झारखण्ड अधिविद्य परिषद, राँची
JHARKHAND ACADEMIC COUNCIL, RANCHI

रांची, (हि.स.)। जैक बोर्ड 10वीं की परीक्षा फरवरी में होगी। परीक्षा के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो गया है। फॉर्म दो दिसंबर तक भरा जा सकता है। साथ हीं परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि छह दिसंबर तय है। इसके लिए छात्र चालान के माध्यम से भरा जा सकता है। इसके अलावा जो छात्र तय समय के अंदर फार्म नहीं भर पाते हैं। वह लेट फाइन के साथ तीन दिसंबर से नौ दिसंबर तक भर सकते हैं। 12 दिसंबर तक बैंक चालान के द्वारा शुल्क भरा जा सकता है।

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य से पूर्व सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने विभिन्न घाटों पर तैयारियों का लिया जायजा

अररिया, (हि.स.)। अररिया सांसद प्रदीप कुमार सिंह ने रविवार को अस्ताचलागामी सूर्य को अर्घ्य दिए जाने से पहले अररिया के परमान नदी के किनारे बने छठ घाट का बोट से निरीक्षण किया। त्रिशुलिया घाट सहित अन्य घाटों का जायजा लेते हुए प्रशासन की ओर से छठव्रतियों के लिए किए गए इंतजाम का निरीक्षण किया। अररिया भाजपा सांसद ने जिला प्रशासन की ओर से छठ को लेकर किए गए घाटों की तैयारी भी संतुष्टि जाहिर की।उन्होंने सद्भाव के साथ हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में छठ मनाने की अपील की।उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रकृति प्रदत्त है और अब न केवल बिहार,उत्तरप्रदेश जैसे हिन्दी पट्टी राज्यों में ही मनाया जाता है,बल्कि भारत के सभी राजद सहित विश्वव्यापी जो चुका है। उन्होंने कहा कि छठ सामाजिक समरसता का अनोखा मिसाल वाला पर्व है।जहां अमीर गरीब,ऊंच नीच सभी भेदभाव को मिटाकर लोग घाट पर जमा होकर एक साथ भगवान सूर्य की अराधना करते हैं।उन्होंने छठ को लेकर सभी छतव्रतियों को शुभकामनाएं दी।

नवादा के रेवरा से दो साइबर अपराधी गिरफ्तार, इलोक्ट्रॉनिक समान बरामद

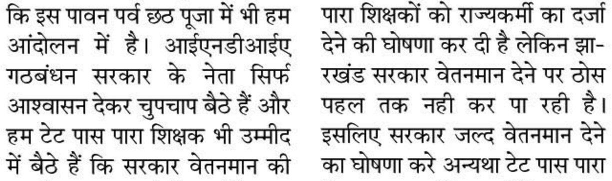

नवादा (हि.स.)। नवादा जिले के शाहपुर थाने के रेवड़ा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करने के साथीही साइबर अपराध में प्रयुक्त होने वाले भारी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बारामदगी की है। नवादा जिले के पकरीबरावां के एसडीपीओ महेश चौधरी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि रेवरा गांव में बड़े पैमाने पर साइबर अपराधियों द्वारा निरिह नागरिकों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। जिसके बाद एसपी अमरीश राहुल ने एसडीपीओ के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। पुलिस ने रेवाड़ा गांव पहुंचकर अजय कुमार के पुत्र बिद्दू सिंह के घर के घेराबन्दी कर छापेमारी की। जहां एक कमरे में साइबर अपराध को अंजाम देते हुए दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। जहां से भारी संख्या में लैपटॉप तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों के बरामद की की गई ,जो भोले भाले नागरिकों को ठगी करने में प्रयुक्त हो रहे थे। पासबुक तथा चेक बुक के साथ ही कई एटीएम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। इस घटना में शामिल चार और भी अपराधियों को पुलिस खोजबीन कर रही है। इधर नवादा जिले के सिरदला थाना क्षेत्र में छठ के दिन भी अवैध शराब कारोबार की तस्करी में लिप्त दो युवकों को एक मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके पास से शराब की भी बरामद की हुई है।

छठ : महत्वपूर्ण प्रसाद ठेकुआ के खुशबू से गमक उठी है गलियां

पटना , (हि.स.)। बिहार के लोक आस्था का महापर्व चार दिवसीय छठ के रंग में चप्पा-चप्पा डूब गया है। गांव की गलियों में गूंजते छठ के गीत और परदेसियों की संख्या ने लोगों को पर्व के समरसता का एहसास कराना शुरू कर दिया है। बिहार से निकलकर यह महापर्व देश के विभिन्न हिस्सों से होते हुए विदेशों तक पहुंच गया है। छठ मतलब एक ऐसा पर्व, जिसमें सभी सामाजिक भेदभाव समाप्त हो जाते हैं, हर घर से एक समूह खुशबू आनी शुरू हो जाती है। लोग जितना छठ पूजा को लेकर उत्साहित रहते हैं, उतना ही ठेकुआ के मिठास के लिए। बिहार में ठेकुआ गुड़ और आटे से बना एक मीठा पकवान है, जिसे खासतौर पर ठेकुआ में छठी मैया और सूर्य देव को भोग लगाने के लिए बनाया जाता है। ठेकुआ मीठा के साथ बहुत ही खस्ता होता है, जिसका इंतजार सभी लोगों को बेसब्री से रहता है। छठ पर्व के दौरान बहुत से पकवान बनते हैं, जैसे खरना के दिन गुड़ और चावल की खीर बनती है। लेकिन एक चीज जो सबसे खास है वो है ठेकुआ। छठ का नाम आते ही मुंह से ठेकुआ का नाम जरूर आता है, क्योंकि प्रसाद में खासतौर पर इसे रखा जाता है। ठेकुआ को छठी मैया के साथ सूर्य देवता को भी चढ़ाया जाता है। ठेकुआ गेहूं के आटे, गुड़ और सूजी से बनता है। यह छठ में बनने वाला विशेष पकवान है, जो सभी छठ पूजा मनाने वाले भक्तों के घर में बनता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ठेकुआ के बिना भी छठ की पूजा की जा सकती है। ठेकुआ छठ का विशेष प्रसाद होता है, जिसे खासतौर पर व्रती और उसके घरवाले साथ मिलकर बनाते हैं। इसके बिना छठ की पूजा अधूरी मानी जाती है, जो लोग छठ का व्रत नहीं करते हैं, वह लोग भी ठेकुआ प्रसाद के लिए खुद मांग करते हैं। कई इलाकों में तो गेंहू की नई फसल का आटा पिसवाकर खासतौर पर साफ-सफाई का ध्यान रखते हुए ठेकुआ बनाया जाता है। छठ पूजा के लिए आपको जितना भी ठेकुआ बनाना है, उस हिसाब से आपको आटा लेना होता है। आटे के हिसाब से आपको घी की मात्रा रखनी होती है। फिर आटे में घी को अच्छे से मिला लें, अपने स्वादानुसार सूखे मेवे प्रसाद में डालने होते हैं। गांव से जुड़े इस महापर्व में भी अब आधुनिकता का रंग चढ़ने लगा है। ठेकुआ के डिजाइन अलग होने लगे हैं, लेकिन इसका स्वाद आज भी वही है जो दशकों पूर्व था। अंतर बस इतना है कि पहले यह ठेकुआ प्रातः कालीन पूजा के बाद गांव-गांव में रिश्तेदारों तक बैना के रूप में पहुंचाए जाते थे। अब देश के कोने-कोने ही नहीं, विदेश तक भेजे जा रहे हैं। जिनके परिजन विदेश में रह रहे हैं, उन तक कुरियर के माध्यम से यह भेजा जा रहा है।

विदेश तक पहुंचता है बिहारी प्रसाद ठकुआ : अब जबकि छठ बिहार से निकलकर मलेशिया ही नहीं, अस्ट्रेलिया, बर्लिन, ब्रिटेन और अमेरिका समेत कई देशों में फैल चुका है, तो फैमस बिहारी व्यंजन विदेश में भी चर्चित हो रहा है। बखरी के जयंत सपरिवार अस्ट्रेलिया में रहते हैं और वहीं प्रत्येक साल छठ मनाते हैं। वहां के स्थानीय लोग पूजा में शामिल होने के साथ-साथ खास करके ठेकुआ प्रसाद खाने के लिए बड़ी संख्या में आते हैं।

पूर्व राष्ट्रपति कर चुके है इस बिहारी महाप्रसाद की प्रशंसा : - बिहार के राज्यपाल रहे पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद को बिहार के राजभवन में ठेकुआ इतना भा गया तो उन्हें यह मानना पड़ा कि बिहार के संस्कृति की खुशबू दुनिया में फैल गई है। उन्होंने कहा था कि बेगूसराय का छठ बर्लिन तक पहुंच गया है। बिहार की तरह धूमधाम से तो नहीं, लेकिन छठ पर्व जब दुनिया के विभिन्न देशों में मनाया जाता है तो तमाम देश भारतीय संस्कृति के इस अनूठे पर्व को देखते, समझते और सुनते हैं।

संपादकीय

कनाडा में कठिनाई

अलगाववादियों का एक समूह कनाडा में लगातार भारतीयों की चिंता की बड़ी वजह बना हुआ है। वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक शिविर का आयोजन किया था। इस शिविर में कनाडा में रह रहे अवकाश प्राप्त भारतीयों को जीवन प्रमाणपत्र दिया जा रहा था, मगर खालिस्तान समर्थक तत्वों ने इस शिविर के खिलाफ जो विरोध प्रदर्शन किया है, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम होगी। भारत में शासकीय सेवाओं में रहे बहुत से लोग सेवानिवृत्त होने के बाद कनाडा में रह रहे हैं। जीवन प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए उनका भारत आना आसान नहीं है, ऐसे में, भारतीय दूतावास शुरू से ही ऐसे शिविरों का आयोजन करता आया है, ताकि विदेश में रह रहे बुजुर्गों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। खास बात यह है कि यह शिविर ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में खालसा दीवान सोसायटी के गुरुद्वारे में आयोजित था। शिविर की सूचना जैसे ही फैली, वहां सिखों का एक समूह जुट गया और भारतीय दूतावास के अधिकारियों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई। खैर, किसी तरह से वहां से दूतावास के अधिकारियों को पुलिस सुरक्षा में निकाल लिया गया, पर ऐसा कोई भी घटनाक्रम बहुत अफसोसनाक है। भारतीय दूतावास की ओर से पहले भी यह चिंता जताई गई थी कि प्रदर्शनकारी सामान्य कामकाज में भी बाधा पहुंचाने लगे हैं। यह ज्यादा चिंता की बात है कि कनाडा सरकार अलगाववादियों के प्रति जरूरत से ज्यादा उदार है। इसका नतीजा यह है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों ने भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों को बाधित करने की धमकी दी है। अलगाववादी समूह 'सिख फॉर जस्टिस' ने पूरे दुस्साहस के साथ कहा है कि जहां भी भारत के अधिकारी जाएंगे, खालिस्तान समर्थक तत्व उन्हें जवाबदेह ठहराने की कोशिश करेंगे। भारतीय अफसरों को घेरने की यह साजिश वास्तव में भारत के खिलाफ किया जा रहा एक गंभीर अपराध है। ऐसे दिग्भ्रमित भारत-शत्रुओं की पहचान करना जरूरी है, ताकि कनाडा सरकार पर कदम उठाने के लिए पर्याप्त दबाव बनाया जा सके। दरअसल, अलगाववादियों की यह कोशिश है कि भारतीय राजनयिकों का स्थानीय लोगों के साथ संपर्क टूट जाए। जब संपर्क टूट जाएगा, तब कनाडा में उनकी जमीन मजबूत हो जाएगी। अलगाववादियों की यह साजिश न सिर्फ मुर्खतापूर्ण, बल्कि इतिहास व वर्तमान के विरुद्ध है। आज दुनिया का शायद ही कोई ऐसा बड़ा देश है, जो भारत से न जुड़ा हो। जिस देश में भारतीय मूल के लाखों लोग रहते हों, वह देश भला भारत से संपर्क कैसे तोड़ सकता है? कुल मिलाकर, जिस तरह से नई दिल्ली पर दबाव बढ़ाया जा रहा है, उससे दिग्भ्रमित लोगों को कोई लाभ नहीं होगा। ये लोग भारत और इसके राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करके खुद के लिए ही मुसीबतें बढ़ा रहे हैं। अपने विरुद्ध ऐसी अलगाववादी और नफरती सोच को कोई भी देश स्वीकार नहीं कर सकता। अतः कनाडा को भी जमीनी सच्चाइयों की पृष्ठभूमि में तार्किक ढंग से सोचना चाहिए। अगर वहां की सरकार अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर भारत-विरोध को हवा देना चाहती है, तो हमें हरसंभव तरीके से अपना विरोध जताना चाहिए। यहां सवाल कनाडा की आंतरिक राजनीति का नहीं है, बल्कि भारत की संप्रभुता व सम्मान पर प्रहार का है। कनाडा में रह रहे भारतीयों को भी सजग रहना चाहिए। चंद अलगाववादी माहौल खराब करना चाहते हैं, तो स्वयं कनाडा सरकार को समय रहते यथोचित पहल करनी चाहिए।

भारत में शासकीय सेवाओं में रहे बहुत से लोग सेवानिवृत्त होने के बाद कनाडा में रह रहे हैं। जीवन प्रमाणपत्र हासिल करने के लिए उनका भारत आना आसान नहीं है, ऐसे में, भारतीय दूतावास शुरू से ही ऐसे शिविरों का आयोजन करता आया है, ताकि विदेश में रह रहे बुजुर्गों को किसी परेशानी का सामना न करना पड़े। खास बात यह है कि यह शिविर ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में खालसा दीवान सोसायटी के गुरुद्वारे में आयोजित था। शिविर की सूचना जैसे ही फैली, वहां सिखों का एक समूह जुट गया और भारतीय दूतावास के अधिकारियों के लिए मुसीबत खड़ी हो गई। खैर, किसी तरह से वहां से दूतावास के अधिकारियों को पुलिस सुरक्षा में निकाल लिया गया, पर ऐसा कोई भी घटनाक्रम बहुत अफसोसनाक है। भारतीय दूतावास की ओर से पहले भी यह चिंता जताई गई थी कि प्रदर्शनकारी सामान्य कामकाज में भी बाधा पहुंचाने लगे हैं। यह ज्यादा चिंता की बात है कि कनाडा सरकार अलगाववादियों के प्रति जरूरत से ज्यादा उदार है। इसका नतीजा यह है कि खालिस्तान समर्थक तत्वों ने भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों को बाधित करने की धमकी दी है। अलगाववादी समूह 'सिख फॉर जस्टिस' ने पूरे दुस्साहस के साथ कहा है कि जहां भी भारत के अधिकारी जाएंगे, खालिस्तान समर्थक तत्व उन्हें जवाबदेह ठहराने की कोशिश करेंगे। भारतीय अफसरों को घेरने की यह साजिश वास्तव में भारत के खिलाफ किया जा रहा एक गंभीर अपराध है। ऐसे दिग्भ्रमित भारत-शत्रुओं की पहचान करना जरूरी है, ताकि कनाडा सरकार पर कदम उठाने के लिए पर्याप्त दबाव बनाया जा सके। दरअसल, अलगाववादियों की यह कोशिश है कि भारतीय राजनयिकों का स्थानीय लोगों के साथ संपर्क टूट जाए।

कुछ अलग

जरूरी हैं पर्यावरणीय मूल्य, सम्मान देकर ही हासिल होगी प्राकृतिक संपदा

जलवायु संकट की वजह से ही हम, मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ पर गौर करने के लिए मजबूर हुए हैं। हालांकि, भारत की पर्यावरणीय समस्याओं के लिए महज ग्लोबल वार्मिंग को जिम्मेवार मान लेना बिल्कुल गलत होगा। उत्तर भारतीय शहरों में तेजी से बढ़ता वायु प्रदूषण, अनियोजित सड़कों व बांधों की वजह से हिमालय क्षेत्र में मची तबाही, भूजल का ज्यादा उपयोग, मिट्टी में रसायनों का बढ़ता असर, जैव विविधता की हानि, ये सभी कारक जलवायु परिवर्तन को बढ़ावा दे रहे हैं। पर्यावरण से जुड़ी समस्याओं पर दर्जनों किताबें प्रकाशित हुई हैं। लेकिन, यह आलेख एक ऐसी किताब पर फोकस करता है, जो करीब 50 वर्ष से भी ज्यादा पहले प्रकाशित हुई थी। अपेक्षाकृत कम चर्चित रही यह पुस्तक अपने वक्त में तो खैर प्रासंगिक थी ही, यह आज पहले से कहीं ज्यादा प्रासंगिक बन गई है। किताब का नाम है : मैन एंड नेचर : द स्पिरिचुअल क्राइसिस ऑफ मॉडर्न मैन, जिसे उस वक्त तेहरान विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर रहे सैय्यद हुसैन नस्र ने लिखा था। अब नब्बे वर्ष के हो चुके नस्र ने एक असामान्य, दिलचस्प और बेहद उत्पादक जिंदगी जी। ईरान में विद्वानों व लेखकों के एक परिवार में जन्मे नस्र ने 1958 में अपने वतन लौटने पहले मेसाच्युसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और हार्वर्ड में शिक्षा प्राप्त की। पश्चिम से मिल रहे बेहतरीन नौकरियों के कई प्रस्तावों को ठुकराते हुए उन्होंने तेहरान में पढ़ाने और आने वाली पीढ़ियों का मार्गदर्शन करने का फैसला किया। वह फ्रेंच और अरबी भाषाओं में लिखते रहे हैं। हालांकि, 1979 की ईरानी क्रांति के बाद उन्हें अपनी मातृभूमि छोड़कर भागना पड़ा, क्योंकि अयातुल्ला खुमैनी के ईरान में स्वतंत्र विचारों के लिए कोई जगह नहीं थी। उसके बाद से नस्र अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पढ़ाने के साथ बौद्धिक इतिहास और तुलनात्मक धर्म के क्षेत्र में लिखना व प्रकाशित होना जारी रखा है। अपनी पुस्तक मैन एंड नेचर की शुरुआत में नस्र टिप्पणी करते हैं कि पश्चिम में पर्यावरण के दुरुपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ रही थी। वहां लोग प्रकृति पर विजय पाने के विचार से मनुष्य और प्रकृति में पैदा हुए असंतुलन से उपजी समस्याओं को दूर करना चाहते थे। वह लिखते हैं कि कुछ लोग सच्चाई का सामना करना चाहते हैं कि समाज में शांति के लिए जरूरी है कि प्रकृति और मनुष्य का रिश्ता युद्ध और आक्रामकता पर आधारित न हो। इस पुस्तक में नस्र ने भले ही पश्चिम और खासकर अमेरिका को संबोधित किया हो, लेकिन विकास की नीतियों में इन्हीं देशों के नक्शे-कदम पर चल रहे भारत और चीन के लिए भी इसमें लिखी बातें महत्वपूर्ण हैं। प्रोफेसर नस्र का तर्क है कि समस्या की जड़ आधुनिक मनुष्य के विचारों में है, जिसके तहत वह खुद को प्रकृति पर पूर्ण अधिकार, मनचाहे उपयोग या दुरुपयोग और उसे अपने अधीन मानने की सर्वोच्च शक्ति देता है।

नीतीश वुमार ने कांग्रेस के नेताओं से इस बीच बातचीत करने की कोशिश नहीं की होगी

विपक्षी गठबंधन में पूट के मायने

अवधेश वुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश वुमार द्वारा आईंएनडीआईंए गठबंधन की वर्तमान स्थिति पर व्यत्त की गईं निराशा पर आार्य का कोईं कारण नहीं है। आईंएनडीआईंए की मुंबईं बैठक के बाद गतिविधियां पूरी तरह ठप्प है। यहां तक की गठबंधन को लेकर साथियों का कोईं बयान भी नहीं आ रहा है। तस्वीर ऐसी है मानो मुंबईं बैठक के बाद आईंएनडीआईंए को विश्राम की अवस्था में रख दिया गया है। नीतीश वुमार बिहार की राजधानी पटना में भारतीय कम्युनिस्ट पाटा की रैली में बोल रहे थे। सभी वामपंथी परटियां आईंएनडीआईंए के घटक हैं। उस रैली में इस विषय पर बात होनी ही चाहिए थी।

आईंएनडीआईंए की वर्तमान स्थिति से यह बात फिर प्रमाणित हुईं है कि विचारधारा से ज्यादा निजी और दलीय हित ही आईंएनडीआईंए के पीछे मुख्य कारक थे और आगे भी होंगे जिसमें लंबे समय तक सत्ता से वंचित रहने तथा कानूनी एजेंसियों का भाईं प्रमुख था। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश वुमार द्वारा आईंएनडीआईंए गठबंधन की वर्तमान स्थिति पर व्यत्त की गईं निराशा पर आार्य का कोईं कारण नहीं है। आईंएनडीआईंए की मुंबईं बैठक के बाद गतिविधियां पूरी तरह ठप्प है। यहां तक की गठबंधन को लेकर साथियों का कोईं बयान भी नहीं आ रहा है। तस्वीर ऐसी है मानो मुंबईं बैठक के बाद आईंएनडीआईंए को विश्राम की अवस्था में रख दिया गया है। नीतीश वुमार बिहार की राजधानी पटना में भारतीय कम्युनिस्ट पाटा की रैली में बोल रहे थे। सभी वामपंथी परटियां आईंएनडीआईंए के घटक हैं। उस रैली में इस विषय पर बात होनी ही चाहिए थी। चूंकी नीतीश वुमार ने ही भाजपा के विरुद्ध विपक्षी गठबंधन की पहल की थी, इसलिए वहां उनके द्वारा इस विषय पर बोल जाना स्वाभाविक था। यह प्रश्न चारों ओर से उठ रहा है कि आखिर आईंएनडीआईंए का हुआ क्या? बिहार में विपक्ष से लेकर सोशल मीडिया पर नीतीश वुमार आईंएनडीआईंए को लेकर हास्य व्यंग्य के भी शिकार हो रहे हैं। उन्होंने यह कहते हुए अपनी पीड़ा व्यत्ति की कि कांग्रेस को अभी इससे कोईं लेना-देना नहीं है। उनके अनुसार पांच राज्यों के चुनाव हो जाएं तो हम लोग फिर से कांग्रेस के पास इसके लिए जाएंगे। राजनीति में खासकर ऐसे मामलों में नेता जितना वुछ कहते हैं उससे ज्यादा जो वह नहीं बोलते हैं उनमें दिखता है। यह तो संभव नहीं कि नीतीश वुमार ने कांग्रेस के नेताओं से इस बीच बातचीत करने की कोशिश नहीं की होगी। आखिर बिहार में भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद उनके लिए भविष्य की राजनीति का कोईं एक सबसे बड़ा आधार हो सकता है तो वह विपक्षी गठबंधन। पटना में पहली बैठक आयोजित कर उन्होंने विपक्षी मोर्चाबंदी की नींव डालने का श्रेय भी प्राप्त किया। ऐसा लगता है कि कांग्रेस से उनको सकारात्मक या उत्साहजनक प्रत्युत्तर नहीं मिला है। वास्तव में मुंबईं बैठक के बाद आईंएनडीआईंए की पहली रैली भोपाल में होने का बयान दिया गया था। अनेक नेताओं को उम्मीद थी कि एक चुनावी राज्य की राजधानी से विपक्षी एकजुटता का संदेश ज्यादा विश्वसनीय

निकलेगा। किंतु यह तभी होता जब कम से कम तीन राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में में भी आईंएनडीआईंए के घटक दलों के बीच वुछ सीटों का समझौता होता या फिर सभी आकर कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करते। इसकी पहल कांग्रेस की ओर से ही होनी चाहिए थी। साफ है कि कांग्रेस ने ऐसा नहीं किया है। मध्यप्रदेश में सपा और कांग्रेस के बीच तनाव और एक दूसरे के विरुद्ध अशोभनीय वत्तव्यों के बाद आईंएनडीआईंए के घटक दलों के आपसी संबंधों को लेकर अलग से वुछ कहने की आवश्यकता नहीं रह जाती। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मानें तो कांग्रेस ने उन्हें छह सीट का वचन दिया था और वरिष्ठ नेताज दिग्विजय सिह से उनकी बात हुईं थी। प्रदेश के उनके नेता कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक में भी गए, पर उन्हें महत्व नहीं दिया गया। इसके बाद सपा ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। कईं बार गठबंधन के दल भी एक दूसरे के विरुद्ध चुनाव लड़ते हैं किंतु 2024 अगर आईंएनडीआईंए के लिए करो या मरो का प्रश्न है तो विधानसभा चुनाव में कम से कम वचन और व्यवहार में उसकी झलक मिलनी चाहिए थी। कांग्रेस अगर सपा को 6 सीट दे देती तो उसे चुनाव परिणाम पर बहुत ज्यादा अंतर नहीं आता, बल्कि आईंएनडीआईंए के ज्यादा सशत्त होने का संदेश जाता। नहीं भी दिया तो कम से कम वरिष्ठ नेताओं को अखिलेश यादव से बात करनी चाहिए थी। इसकी जगह कमलनाथ ने कह दिया अरे छोड़ो अखिलेश वखलेश को। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने अखिलेश यादव के विरुद्ध बोला तो अखिलेश यादव ने कह दिया कि कांग्रेस चिरवुट नेताओं से बयान न दिलवाये। आम आदमी पाटा तो मैदान में उतरकर भाजपा के साथ कांग्रेस को भी निशाना बना रही है। इससे आईंएनडीआईंए को लेकर आम जनता के बीच क्या संदेश जा रहा होगा इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है। ध्यान रखिए, मध्यप्रदेश में नीतीश वुमार की जनता दल यूनाइटेड भी चुनाव मैदान में उतर गईं है। तो नीतीश वुमार भले अखिलेश यादव की तरह कांग्रेस के विरुद्ध गुस्सा व्यत्त न करें किंतु अंदर से उनकी स्थिति भी वैसी ही होगी। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस से अनजाने में वुछ हुआ है। कांग्रेस अपनी योजना और रणनीति के तहत ही सब वुछ कर रही है। कांग्रेस का मानना है कि इन तीन राज्यों में अगर पाटा ने अच्छा प्रदर्शन किया तो ही आईंएनडीआईंए में उसकी हैसियत अपनी शर्तो पर गठबंधन करने की होगी और तभी नेतृत्व की भी दावेदारी कर सकती है। इसलिए इस समय उसकी प्राथमिकता में आईंएनडीआईंए है ही नहीं। वर्तमान कांग्रेस नेतृत्व के रणनीतिकारों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा एवं संघ के विरुद्ध सीधा आामक रवैया अपनाने के कारण राहुल गांधी की लोकप्रियता काफी बढ़ी है। हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक विधानसभा चुनाव में विजय के बाद भारतीय राजनीति एवं अपनी पाटा के बारे में कांग्रेस का आकलन वही नहीं है जो दूसरे दलों या अनेक राजनीतिक विश्लेषकों का है। सोनिया गांधी परिवार के तीनों सदस्य मान रहे हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार तथा भाजपा के विरुद्ध जनता में व्यापक असंतोष है और कांग्रेस को उनका समर्थन मिल सकता है। इस सोच में गैर भाजपा दलों के साथ भी कांग्रेस का व्यवहार बदल रहा है। तत्काल कांग्रेस का निष्कर्ष यही लगता है कि विपक्षी मोर्चाबंदी में कांग्रेस की हैसियत 2014 या 2019 के लोकसभा चुनाव प्रदर्शन के आधार पर निाति नहीं होगी। इसकी जगह कांग्रेस के आकलन के अनुसार देशव्यापी लोकप्रियता में उभार के आधार पर कांग्रेस की भूमिका तय होगी। विपक्ष की पटना बैठक के साथ कांग्रेस के बड़े दल की भूमिका दिखने लगी थी। बेंगलुरु में वह हाबी होने के स्तर पर थी तथा मुंबईं में ऐसा वातावरण बना मानो कांग्रेस ही इसकी मुख्य कर्ताधर्ता और नेतृत्वकर्ता हो। चूंकि ज्यादातर दलों के समक्ष राष्ट्रीय राजनीति या संसदीय व्यवस्था में अपना अस्तित्व बचाने और बनाने का प्रश्न है इसलिए किसी ने सार्वजनिक बयान नहीं दिया। ज्यादातर दलों को लगता था कि दो बार लोकसभा चुनाव में बुरी तरह हारने के बाद कांग्रेस के अंदर स्वयं को समायोजित करने का भाव ज्यादा गहरा होगा। व्यवहार से ऐसा दिख नहीं। अखिलेश यादव का गुस्सा या नीतीश वुमार की पीड़ा इसी की अभिव्यत्ति है।

पिछड़ों और महादलितों के कल्याण की बात करना राजनीति है या वुछ और?

प्रदेश के इतिहास में महादलित समुदाय से संबंध रखने वाले इकलौते मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी द्वारा दलित समुदाय की उपेक्षा पर बोलना उनको इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने भरे सदन में यह कह दिया कि मेरा दिमाग खराब था कि वर्ष 2014 में जीतन राम मांझी को प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया जबकि वास्तविकता यह है कि श्री मांझी 1980 से विधायक थे और नीतीश जी के मंत्रिमंडल में वरिष्ठ मंत्री थे। नीतीश जी उनकी कार्यं क्षमता के बारे में भली भांति जानते थे फिर उन्होंने 2014 में चुनाव में पाटा द्वारा खराब प्रदर्शन होने के कारण जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाने की गलती क्यों की। सभी राजनीतिक दलों की कमोबेस रणनीति यही रहती है कि राजनीतिक लाभ के लिए अपनी सुविधा के अनुसार दलित, आदिवासी, पिछड़े नेता का नाम आगे कर दिया जाए जिससे समाज में यह संदेश चला जाए कि हम ही इनके हितैषी हैं और अपना काम निकल जाने के पात इन्हें दूध में पड़ी मक्खी की तरह बाहर निकाल दो जैसा नीतीश वुमार ने वर्ष 2014 में जीतन राम मांझी के साथ किया।

बसंत वुमार पिछड़ों और महादलितों के कल्याण की बात करना राजनीति है या वुछ और? जो भी दलित- आदिवासी अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर देश का नेतृत्व करने की स्थिति में हो उनके राह में रोड़े न अटकाएं जाएं, तभी हम एक जाति विहीन और धर्मनिरपेक्ष भारत की स्थापना कर सवेंगे। देश के कोने-कोने से जाति के आधार पर उठ रही मांगों पर विराम लगा सवेंगे और वर्तमान समय की यही आवश्यकता है। पिछले सप्ताह डॉ. राम मनोहर लोहिया और लोक नायक जयप्रकाश नारायण के आदर्शो की राजनीति का दंभ भरने वाले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश वुमार ने सदन में महिलाओं की शिक्षा और बिहार के इतिहास में इकलौते महादलित मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के विषय में इतनी आपत्तिजनक बातें कह दीं, उससे यह पता लगाना मुश्किल है कि जातिगत जनगणना और जितनी जिसकी है आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी की बात करने वाले नीतीश वुमार महिलाओं और दलितों के प्रति किस तरह का पूर्वाग्रह रखते हैं। भरे सदन में शिक्षित महिलाओं के बारे में उन्होंने जो कह दिया उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उसी तरह प्रदेश के इतिहास में महादलित समुदाय से संबंध रखने वाले इकलौते मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी द्वारा दलित समुदाय की उपेक्षा पर बोलना उनको इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने भरे सदन में यह कह दिया कि मेरा दिमाग खराब था कि वर्ष 2014 में जीतन राम मांझी को प्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया जबकि वास्तविकता यह है कि श्री मांझी 1980 से विधायक थे और नीतीश जी के मंत्रिमंडल में वरिष्ठ मंत्री थे। नीतीश जी उनकी कार्यं क्षमता के बारे में भली भांति जानते थे फिर उन्होंने 2014 में चुनाव में पाटा द्वारा खराब प्रदर्शन होने के कारण जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाने की गलती क्यों की। सभी राजनीतिक दलों की कमोबेस रणनीति यही रहती है कि राजनीतिक लाभ के लिए अपनी सुविधा के अनुसार दलित, आदिवासी, पिछड़े नेता का नाम आगे कर दिया जाए जिससे समाज में यह संदेश चला जाए कि हम ही इनके हितैषी हैं और अपना काम निकल जाने के पात इन्हें दूध में पड़ी मक्खी की तरह बाहर निकाल दो जैसा नीतीश वुमार ने वर्ष 2014 में जीतन राम मांझी के साथ किया। वर्ष 1969 में कांग्रेस का विभाजन होने पर इंदिरा गांधी ने अपनी चुनावी नैया पार करने के लिए बाबू जगजीवन राम को अपनी पाटा का अध्यक्ष बना दिया और चुनाव जितने के बाद उन्हें पाटा छोड़कर जनता पाटा के साथ जाने को मजबूर कर दिया और वर्ष 1980 में उनको प्रधानमंत्री बनने से रोकने के लिए संसद भंग करवा दी। अब कांग्रेस की डूबती नैया पार करने के लिए दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को पाटा का अध्यक्ष बना दिया है तो क्या यह मान लिया जाए कि परटियों द्वारा समय पड़ने पर इन दलितों आदिवासियों को आगे लाकर लाभ उठाना अवसरवादिता है या वुछ और। आजादी से पहले महात्मा गांधी ने अस्पृश्यता निवारण के अपने आंदोलन के समय यह कहा था कि मेरा सपना तभी साकार होगा जब एक दलित (अछूत) इस देश का प्रधानमंत्री बनेगा। पर कितने आार्य की बात है कि जब देश के आजाद होने का समय आया और देश के प्रधानमंत्री रूप में पंडित नेहरू, सरदार पटेल और मोहम्मद अली जिन्ना के नामों की चर्चा चल रही थी पर गांधी जी ने देश के सबसे शिक्षित नेता जो संविधान के ज्ञाता थे, कानूनविद् थे और अर्थशास्त्री थे यानी डॉ. अंबेडकर का नाम क्यों नहीं चलाया जिससे एक दलित के देश का प्रधानमंत्री बनने का गांधी का सपना पूरा हो जाता। उनके प्रधानमंत्री बनने से देश को निम्न फायदे होते डॉ. अंबेडकर यदि देश के प्रधानमंत्री होते तो संविधान में अनुसूचित जातियों और जनजातियों को दिया जाने वाला आरक्षण मात्र 10 वर्षो के लिए होता क्योंकि एक अर्थशास्त्री होने के नाते वे देश का आर्थिक विकास सुनिाति करते जिससे दलित व आदिवासी समाज देश की मुख्यधारा में शामिल हो जाता और उनके लिए आरक्षण की अवधि 10 वर्ष से अधिक बढ़ाने की आवश्यकता न होती। देश के राजनीतिक दलों को दलितों आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करने का अवसर न मिलता। अंबेडकर जी का विचार था कि यदि देश का धर्म के आधार पर बंटवारा होना ही है तो जनसंख्या का सम्पूर्ण स्थानांतरण हो यदि वे देश के प्रधानमंत्री बनते तो पाकिस्तान बनने की दशा में देश की सारी मुस्लिम आबादी पाकिस्तान स्थानांतरित हो जाती तो भारत में हिदू-मुस्लिम का झगड़ा ही नहीं होता और दोनों देश पड़ोसी मित्रों की तरह रहते और दोनों देशों को एक-दूसरे के विरुद्ध इस्तेमाल करने हेतु इतने भारी पैमाने पर हथियारों की खरीद-फरोख्त नहीं करनी पड़ती। अंबेडकर जी शुरू से जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू करने के विरुद्ध में थे और जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देना नहीं चाहते थे। ये दोनों ही काम पंडित नेहरू ने उनकी इच्छा के विरुद्ध किए और सभी जानते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद का विषय कश्मीर घाटी ही रहा, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की दृढ़ इच्छा शत्ति की वजह से वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया गया। अंबेडकर प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की विदेश नीति के घोर आलोचक थे, वे चाहते थे कि भारत के आजाद होने के पात्गुट निरपेक्ष आंदोलन में अहम भूमिका निभाने के बजाय दो महाशत्तियों यानि सोवियत संघ और अमेरिका के बीच चल रहे शीत युद्ध में अमेरिका के साथ हाथ मिलाते जिससे अमेरिका की सहायता से भारत का विकास होता और भारत को यूएन की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता मिल जाती और हम इतने सशत्त हो जाते कि चीन 1962 मे आामण करके हमारी हजारों वर्ग किमी जमीन हथियाने का साहस न करता।

देश दुनीया से

हमास को ईंरान का ठेंगा

ईंरान का ठेंगा इजरायल और हमास युद्ध को 43 दिन बीत गए हैं और इस बीच उत्तरी गाजा में स्थिति बिल्वुल बदल चुकी है। 7 अक्टूबर यानि हमास द्वारा इजरायल की धरती पर आतंकी हमले से पहले बहुत सारे इस्लामिक देश हमास के शुभचिंतक बने थे और इसी गलतफहमी के कारण हमास ने ऐसी गलती कर दी कि अब उसे जान बचाने के लाले पड़े हुए हैं। हैरानी की बात तो यह है कि हमास का सबसे बड़ा हमदर्द ईंरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खेमनेईं ने भी हमास के नेता इस्माइल हानियाह को टका सा जवाब देते हुए कहा कि जब हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया तो हमें इसकी कोईं सूचना नहीं दी थी। इसलिए हम आपकी कोईं मदद नहीं कर सकते। इसका मतलब है कि इजरायल के प्राधानमंत्री जो बार-बार हमास के बारे में एक बात दोहराते हैं कि उसने 7 अक्टूबर को उसके देश में घुसकर जो हमला किया, वह उसकी बहुत बड़ी गलती साबित होगी जो बिल्वुल सही सिद्ध हो रही है। आज की तारीख में जो देश फिलस्तीन के प्राति हमददा दिखा रहे हैं, उनमें से एक दो को छोड़कर हमास के सफाए के खिलाफ हिजबुल्लाह और हूती को छोड़कर कोईं भी खड़ा नहीं दिख रहा है। ईंरान के सर्वोच्च नेता का यह कहना कि आप हमें इस जंग में मत घसीटिए, हमास के लिए बहुत बड़ा झटका है। दरअसल वूटनीति में जैसा दिखता है वैसा होता नहीं। वूटनीति के लाल बुझक्कड़ी शैली में वुछ लोगों ने यह कहना-सुनना शुरू कर दिया कि अब रूस-चीन मध्य पामि के देशों से मिलकर इजरायल के खिलाफ हमास और हिजबुल्लाह को हथियार देंगे ताकि इजरायल की मुश्किलें बढ़ें और वह हमास पर हमले बंद कर दे। सच तो यह है कि जार्डन के निकट अमेरिका ने जासूसी अड्डा बनाकर सारे मुस्लिम देशों पर 8 अक्टूबर से ही निगरानी रखनी शुरू कर दी। सहमें इस्लामिक देश नहीं चाहते कि हमास के लिए उनकी पूंछ में आग लगे। रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन पहले भी इजरायल के नेताओं से महीने में तीन-चार बार बात करते थे और युद्ध के बाद भी वही व्राम जारी रखे हुए हैं। इजरायल पर आतंकी हमले के तुरन्त बाद पुतिन ने प्राधानमंत्री नेतान्याहू से बात कर ली थी। इसलिए रूस की भूमिका तो हमास के खिलाफ इजरायली हमले के प्राति पूरी तरह तटस्थता की है। रूस, ईंरान और चीन के बल पर यदि हमास ने यह जंग शुरू करने का दुस्साहस किया है तो यह उनकी मूर्खता का जीवंत उदाहरण साबित होने वाला है। राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ बैठक के दौरान जब चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आग्राह किया कि गाजा में इजरायल का हमला रूकना चाहिए तो बिडेन ने तपाक से जवाब दिया कि हमास के खत्म होने तक युद्ध समाप्त नहीं होगा। बहरहाल एक तरफ दुनिया के शक्तिशाली यूरोपीय देश और अमेरिका के शीर्ष नेता इजरायल के नेतृत्व से मिलकर हमास के खिलाफ जंग को अंतिम परिणति तक पहुंचाने की सलाह दे चुके हैं, जबकि हमास आतंकियों के महाविनाश के ठीक अवसर पर जब उनका मुखिया ईंरान से मदद मांगता है तो उसे ईंरान ठेंगा दिखाकर दो टूक शब्दों में वास्तविकता का एहसास कराते हुए चेतावनी देता है कि वह उसे युद्ध में न घसीटें।

हमास का सबसे बड़ा हमदर्द ईंरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह खेमनेईं ने भी हमास के नेता इस्माइल हानियाह को टका सा जवाब देते हुए कहा कि जब हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमला किया तो हमें इसकी कोईं सूचना नहीं दी थी। इसलिए हम आपकी कोईं मदद नहीं कर सकते। इसका मतलब है कि इजरायल के प्राधानमंत्री जो बार-बार हमास के बारे में एक बात दोहराते हैं कि उसने 7 अक्टूबर को उसके देश में घुसकर जो हमला किया, वह उसकी बहुत बड़ी गलती साबित होगी जो बिल्वुल सही सिद्ध हो रही है। आज की तारीख में जो देश फिलस्तीन के प्राति हमददा दिखा रहे हैं, उनमें से एक दो को छोड़कर हमास के सफाए के खिलाफ हिजबुल्लाह और हूती को छोड़कर कोईं भी खड़ा नहीं दिख रहा है। ईंरान के सर्वोच्च नेता का यह कहना कि आप हमें इस जंग में मत घसीटिए, हमास के लिए बहुत बड़ा झटका है। दरअसल वूटनीति में जैसा दिखता है वैसा होता नहीं। वूटनीति के लाल बुझक्कड़ी शैली में वुछ लोगों ने यह कहना-सुनना शुरू कर दिया कि अब रूस-चीन मध्य पामि के देशों से मिलकर इजरायल के खिलाफ हमास और हिजबुल्लाह को हथियार देंगे ताकि इजरायल की मुश्किलें बढ़ें और वह हमास पर हमले बंद कर दे। सच तो यह है कि जार्डन के निकट अमेरिका ने जासूसी अड्डा बनाकर सारे मुस्लिम देशों पर 8 अक्टूबर से ही निगरानी रखनी शुरू कर दी। सहमें इस्लामिक देश नहीं चाहते कि हमास के लिए उनकी पूंछ में आग लगे।

दृष्टिकोण

जादुई एहसास है दूसरों की खुशियों में खुश होना

अर्थात जो सदा लोगों की निंदा में तत्पर रहता है, वह मनुष्य के शरीररूप घर में रहने वाला भेड़िया है। वह सदा अशांत बना रहता है। मतवाले हाथी के समान चीत्कार करता है और अत्यंत भयंकर कुत्ते के समान काटने दौड़ता है। श्रेष्ठ पुरुष को चाहिए कि उसे सदा के लिए त्याग दें। जब मुझे एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी के नए ग्रेजुएट छात्रों के सामने बोलने को कहा गया, तो मैं काफी रोमांचित था। कॉलेज के छात्रों से बात करने वाला कोई भी व्यक्ति इससे अवगत होगा कि अवसाद, मानसिक समस्याओं और यहां तक कि आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्तियों के कारण आज युवा वयस्क होना कितना मुश्किल है। किसी भी स्नातक समारोह में दो भावनाएं दिखती हैं। स्नातक विद्यार्थियों के चमकते चेहरे कि उन्होंने मेहनत की और एक उपलब्धि हासिल की। दूसरी ओर, इन युवाओं के परिवार व दोस्त होते हैं, जो आनंद की एक अलग भावना में होते हैं। वे अपने बारे में नहीं सोच रहे होते। उनकी खुशी अपने प्रिय के चेहरे की खुशी, उसकी चमक, उसकी यात्रा की प्रगति और उसके संपूर्ण व्यक्तित्व को देखकर होती है।

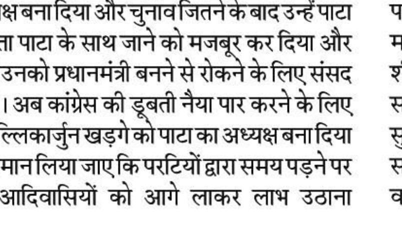

अपनी जीत पर खुश होना तो स्वाभाविक है। लेकिन दूसरे की उपलब्धियों पर आप तभी नाचते हैं, जब आपका दिल किसी से बंधा होता है। यह भावना वर्षों तक डायपर बदलने, गाड़ी चलाना सिखाने, रात में चिंता करने, रसोई में नाचने, आंगन में खेलने और साथ में बिताए गए अनगिनत पलों से आती है। लोग कहते हैं कि प्यार अंधा होता है। लेकिन, प्रियजनों के प्रति प्यार अंधा नहीं, बल्कि सतर्क होता है। जब आप कमजोर महसूस कर रहे होते हैं, तो यह प्यार आपको महसूस करता है, आपकी प्रतीक्षा करता है, दिलासा देता है और माफ भी करता है। इतालवी उपन्यासकार सेसारे पावेसे लिखते हैं, 'आपको प्यार किया जाएगा, लेकिन उस दिन जब सामने वाले द्वारा ताकत दिखाए बगैर आप अपनी कमजोरी दिखाएंगे।' सोशल मीडिया के बनावटी युग में बेवजह प्रदर्शन से बचते हुए भावनात्मक ईमानदारी रखना ज्यादा जरूरी है। मेरी एक मित्र कैथरीन बैली कॉक्स ने एक बार मुझे बताया कि जब उनकी पहली बेटी का जन्म हुआ, तो उसे एहसास हुआ कि वह उसे विकास की स्वाभाविक जरूरतों से कहीं ज्यादा प्यार करती है। मुझे कैथरीन का यह वाक्य बहुत पसंद आया, क्योंकि इसमें मानवीयता और संवेदनशीलता दोनों झलकती हैं। दरअसल, कुछ चीजें हम जीव विज्ञानी जरूरतों को पूरा करने के लिए करते हैं। कुछ चीजें हम दुकान या मकान का किराया चुकाने के लिए करते हैं। लेकिन ये सिर्फ भौतिक प्रेरणाएं हैं, जो उस भाव को नहीं बताती, जो हमारी आत्मा उस वक्त महसूस करती है, जब हम अपने किसी प्रियजन को कोई उपलब्धि पाते हुए देखते हैं। ऐसे क्षण जिंदगी में कम ही आते हैं, लेकिन किसी के साथ गहरे स्नेह के स्तर पर होने का यह एहसास जादुई है।

क्या इजराइल, हमास के बीच होने वाला है कोई समझौता नेतन्याहू ने कही ये बात, बाइडन को दिया धन्यवाद

तेल अवीव ।

इजराइल और हमास के बीच बंधकों को रिहा करने को लेकर एक समझौते को लेकर बातचीत हो रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है। खबरों के अनुसार, इजराइल, अमेरिका और हमास के बीच बंधकों को रिहा करने का यह समझौता होने जा रहा है। इस समझौते के तहत इजराइल पांच दिनों तक गाजा में सीजफायर को मंजूरी देगा। हालांकि इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है।

बेंजामिन नेतन्याहू ने किया इनकार – बता दें कि इजराइल पर इन दिनों भारी अंतरराष्ट्रीय दबाव है कि वह गाजा में अपनी सैन्य कार्रवाई रोके। वहीं इजराइल की सरकार साफ कर चुकी है कि जब तक उसके बंधक रिहा नहीं हो जाते और हमास का खात्मा नहीं हो जाता, वह अपना ऑपरेशन नहीं रोकेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि अभी तक की लड़ाई में हमने काफी कुछ हासिल किया है। हमने हजारों हमास के आतंकियों को ढेर किया है और इनमें हमास के वरिष्ठ कमांडर भी शामिल हैं। हमने सुरंगे तबाह की हैं और अभी भी कर रहे हैं। इजराइल के रक्षा मंत्री ने भी माना कि कई मीडिया रिपोर्ट्स में कथित समझौते को लेकर दावा किया जा रहा है लेकिन अभी तक ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि जब भी ऐसा कुछ होगा, तो वह इसके बारे में जानकारी जरूर देंगे।

नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति को कहा धन्यवाद – बता दें कि अब बंधकों को छुड़ाने के लिए इजराइली सरकार पर आंतरिक दबाव भी बन रहा है। यरूशलम में हजारों की संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर बंधकों को जल्द रिहा कराने की मांग की। लोगों ने नेतन्याहू सरकार की भी आलोचना की। वहीं नेतन्याहू ने अमेरिका और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि अमेरिका की तरफ से लगातार अहम हथियार और रक्षा उपकरण भेजे जा रहे हैं और अमेरिकी कांग्रेस में भी इजराइल को पूरा समर्थन मिल रहा है।

अल शिफा अस्पताल से निकाले जाएंगे मरीज – वहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एलान किया है कि इसके अधिकारी गाजा के अल शिफा अस्पताल से मरीजों और स्टाफ सदस्यों को अगले 24 से 72 घंटे में निकालने की तैयारी कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि अभी भी 25 स्टाफ सदस्य और 291 मरीज अस्पताल में मौजूद है। वहीं इजराइली सेना भी अस्पताल में अपना ऑपरेशन चला रही है।

न्यूज ब्रीफ

किरेन रिजिजू ने मालदीव में भारतीय समुदाय के योगदान को सराहा, कहा- भारत सरकार रहेगी निरंतर प्रतिबद्ध

माले । केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मालदीव में जीवंत और प्रतिबद्ध भारतीय समुदाय के साथ बातचीत पर प्रसन्नता व्यक्त की और भारत और मालदीव के बीच मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए, मंत्री रिजिजू ने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने में समुदाय की भूमिका पर प्रकाश डाला और उन्हें उनके कल्याण और भलाई के लिए भारत सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। बातचीत के दौरान, मंत्री रिजिजू ने विभिन्न पहलुओं में सक्रिय भागीदारी के लिए मालदीव में भारतीय प्रवासियों की सराहना की, जिससे दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत हुए हैं। इससे पहले दिन में, रिजिजू ने मालदीव के राष्टपति मोहम्मद मुइज्जू से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग और लोगों से लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। रिजिजू ने द्वीप राष्ट के राष्ट्पति के रूप में शपथ लेने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं भी दीं। विशेष रूप से, केंद्रीय विज्ञान मंत्री मालदीव में राष्टपति मुइजू के शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिन्होंने शुक्रवार को शपथ ली। रिजिजू ने भी शपथ समारोह में हिस्सा लिया और नवनिर्वाचित राष्ट्पति को बधाई दी। बाद में उन्होंने आधिकारिक भोज में भाग लिया और मालदीव के आतिथ्य के लिए मुइजू को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि भारत को मालदीव के नवनिर्वाचित राष्टपति मोहम्मद मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए पीएम मोदी का निमंत्रण मिला है। प्रोग्रेसिव पार्टी ऑफ मालदीव (पीपीएम) के उम्मीदवार मुइज्जू ने पिछले महीने मालदीव के राष्ट्पति चुनाव में जीत हासिल की थी। पहले दौर में 46 प्रतिशत वोटों के साथ सबसे आगे रहने के बाद, दूसरे दौर के मतदान में उन्होंने 53 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ जीत हासिल की, उसके बाद इब्राहिम सोलिह 39 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

युद्धविराम के आह्वान को बाइडन ने किया खारिज, कहा- इससे शांति नहीं आएगी, हमास हथियार इकट्ठा करेगा

वाशिंगटन । इजराइल हमास के बीच पिछले एक महीने से भी अधिक समय से युद्ध जारी है, जिसमें 11 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बड़ा बयान दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन ने गाजा में युद्धविराम के आह्वान को खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र में शांति नहीं आएगी। बता दें, इससे पहले बाइडन के प्रमुख सलाहकार ने कहा कि युद्ध में आराम तभी दिया जा सकता है, जब हमास सभी बंधकों को रिहा कर दे। अमेरिकी मीडिया में बाइडन का लेख छपा है, जिसमें उन्होंने कहा कि जब तक हमास अपनी विनाश की विचारधारा पर कायम है, तब तक युद्धविराम से शांति नहीं हो सकती। हमास के आंतकियों के लिए युद्ध विराम शांति का समय नहीं है। विराम के दौरान आतंकी अपने रॉकेट, लड़ाकू विमानों, हथियारों और गोले-बारूदों के भंडारों को भरेंगे। भंडार भरते ही आतंकी दोबारा हमले और निर्दोषों की हत्या शुरू कर देंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ युद्ध को रोकना नहीं है। हमें यह युद्ध हमेशा के लिए खत्म करना है। हमारा प्रयास जड़ को खत्म करना है। गाजा में कुछ मजबूत होना चाहिए, जिससे पूरे मध्य पूर्व में इतिहास न दोहराया जा सके।

गाजा के अल शिफा अस्पताल में बढ़ा खतरा, डब्लूएचओ का दावा- सामूहिक कब्रें खुदी हुई हैं

जेरूसलम। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि गाजा पट्टी में खासकर अल शिफा अस्पताल में मानवीय संकट गहराया हुआ है। डब्लूएचओ के अधिकारियों का कहना है कि वह अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। डब्लूएचओ के अधिकारी फिलहाल इजराइली सेना के साथ समन्वय करके मरीजों और स्टाफ को निकालने के लिए सुरक्षित रास्ता बनाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक बयान में कहा कि उसकी टीमें जो अल शिफा अस्पताल में तैनात हैं, उन्होंने अस्पताल के गेट पर सामूहिक कब्रें देखी हैं और 80 से ज्यादा लोगों को यहां दफनाया गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम अल शिफा अस्पताल से 25 स्टाफ कर्मचारियों, 291 मरीजों जिनमें गंभीर रूप से बीमार 32 बच्चे भी शामिल हैं, उन्हें किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की तैयारी कर रही है। इन मरीजों को अगले 24 से 72 घंटे में निकाल लिया जाएगा। इसके लिए डब्लूएचओ, ओसीएचए, यूएनडीएसएस, यूएनआरडब्लूए की संयुक्त टीम इस काम में जुटी है।

इजराइली सेना ने गाजा में यूएन स्कूल पर की बमबारी, दर्जनों फलस्तीनी शरणार्थियों की मौत

गाजा/यरूशलम ।

इजराइली सेना ने गाजा में यूएन स्कूल पर बमबारी की, जिसमें दर्जनों फलस्तीनी शरणार्थी मारे गए। फलस्तीन में संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों ने यह जानकारी दी। चिकित्सकों ने कहा कि दक्षिण गाजा में आवासीय ब्लॉकों पर इजराइली सेना के हवाई हमलों में कम से कम 47 लोग मारे गए। वहीं, संयुक्त राष्ट्र की फलस्तीनी शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि उत्तरी गाजा में विस्थापित नागरिकों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर बमबारी में कई लोग मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं।

डॉक्टरों ने कहा, इजराइल ने लोगों को दक्षिण गाजा से फिर लोगों को हटने को कहा है, ताकि वह उत्तर पर कब्जा करने के बाद दक्षिण में भी हमास पर हमला कर सके। दक्षिण गाजा में उत्तर से चार लाख से ज्यादा आबादी पहले ही पलायन कर आई है, अब उनका दोबारा यहां से हटना मानवीय संकट बढ़ा सकता है।

बता दें, उत्तर से भागे लाखों लोग पहले ही दक्षिण में खान यूनिस शहर में गंभीर हालात में रह रहे हैं। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के सहयोगी मार्क रेगेव ने बताया, हम लोगों से हटने के लिए कह रहे हैं। मुझे पता है कि उनमें से कई के लिए यह आसान नहीं है, लेकिन हम नागरिकों को गोलीबारी में फंसते नहीं देखना चाहते।

इजराइली आंकड़ों के मुताबिक, सात अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले के बाद इजराइली सेना ने गाजा शहर के अधिकांश हिस्से पर बमबारी कर उसे मलबे में तब्दील कर दिया है और गाजा के 23 लाख फलस्तीनियों में से करीब दो-तिहाई को विस्थापित कर दिया है। जो लोग भागे हैं उनमें से कई को डर है कि उनकी वापसी मुश्किल है। गाजा में अब तक मृतक संख्या 12,000 पार कर चुकी है, जिनमें से 5,000 बच्चे हैं।

खान यूनिस के एक व्यस्त आवासीय जिले में एक बहुमंजिला ब्लॉक में दो इमारतों पर हवाई हमले में 26 फलस्तीनी मारे गए और 23 घायल हो गए। उधर दीर अल-बलाह में एक घर पर हवाई बमबारी में छह फलस्तीनी मारे गए। इजराइली सेना द्वारा वेस्ट बैंक क्षेत्र में छापेमारी के दौरान फलस्तीनी नागरिकों की जबरन गिरफ्तारी की खबरें भी हैं।

जॉर्डन ने की इजराइल की तीखी निंदा

जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सपादी ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइली युद्ध की तीखी आलोचना करते हुए इसे फलस्तीनियों के खिलाफ घोर आक्रामकता बताया। कहा, यह कार्रवाई से मध्य-पूर्व के निगले जाने का खतरा है। सफादी ने कहा, इस मुद्दे पर स्पष्ट रूप से बोलना होगा, क्योंकि यह इजराइली आत्मरक्षा नहीं है।

खान यूनिस क्षेत्र में गिराए पर्चे...

इजराइल ने खान यूनिस क्षेत्र पर पर्चे गिराकर निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाने के लिए कहा। इसमें सुझाव दिया गया है कि वहां सैन्य अभियान चलाया जाना है। इजराइली पीएम के सहयोगी रेगेव ने लोगों से पश्चिम की तरफ बढ़ने के लिए कहा, ताकि दोबारा वहां जाने की जरूरत न पड़े।

इजराइली बयान चिंताजनक : यूएई

यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायत अल नाहयान के शीर्ष विदेश नीति सलाहकार ने कहा कि गाजा में दीर्घकालिक मौजूदगी का इजराइली पीएम का बयान चिंताजनक है। अनवर गर्गश ने बहरीन में आईआईएसएस मनामा सुरक्षा शिखर सम्मेलन में कहा, हमें एक इजराइली और फलस्तीनी राज्य की ओर वापस जाने की जरूरत है जो साथ-साथ रह रहे हों।

बंधकों की रिहाई शत्रुता विराम की पहली जरूरत

बहरीन के क्राउन प्रिंस सलमान बिन हमद अल खलीफा ने हमास के 7 अक्तूबर के हमलों व उसके बाद इजराइल की जवाबी कार्रवाई की निंदा की। उन्होंने कहा, बंधकों की रिहाई शत्रुता में विराम के लिए बेहद जरूरी है। उन्होंने 'हिंसा के चक्र को तोड़ने' के लिए आवश्यक शर्तें रखीं, ताकि युद्धविराम हो सके।

इजराइली ड्रोन ने दक्षिण लेबनान में एल्यूमीनियम संयंत्र पर दागीं मिसाइलें

एक इजराइली ड्रोन ने तड़के दक्षिणी लेबनान के व्यापार शहर नबातियेह के बाहर एक एल्यूमीनियम संयंत्र पर दो मिसाइलें दागीं। इससे वहां आग लग गई और व्यापक क्षति हुई। फिलहाल हताहतों के बारे में जानकारी नहीं है। 2006 में इजराइल और लेबनान के उग्रवादी हिजबुल्लाह समूह के बीच 34 दिनों के युद्ध के बाद टॉल गांव के पास इजराइली हमला इस क्षेत्र पर होने वाला पहला हमला है।

रामास्वामी बोले- हिंदू धर्म ने ही मुझे आजादी दी, मुझे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए भी प्रेरित किया

वाशिंगटन ।

हिंदू धर्म ने मुझे यह स्वतंत्रता प्रदान कि मैं अपने नैतिक दायित्वों को समझ सकूं। हिंदू धर्म ने ही मुझे राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया है। यह कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार विवेक रामास्वामी का। रामास्वामी द डेली सिग्नल प्लेटफॉर्म द्वारा आयोजित द फैमिली लीडर फोरम कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म पर विश्वास ही है, जो मुझे आजादी देता है।

हिंदू धर्म के बार में बताया

रामास्वामी ने कार्यक्रम में हिंदू धर्म की शिक्षाओं के बारे में बतया। उन्होंने कहा मैं एक हिंदू हूं। मेरा मानना है कि भगवान सच्चा है। भगवान ने हमें एक उद्देश्य के लिए यहां भेजा है। ईश्वर के उस उद्देश्य को साकार करना हमारा कर्तव्य है। हमारा नैतिक कर्तव्य है। हमारे धर्म का मूल है कि भगवान हम सब में निवास करते हैं। इसलिए हम सभी सामान हैं। उन्होंने कहा कि मेरी परवरिश के कारण ही मुझमें परिवार, शादी और माता-पिता के प्रति सम्मान पैदा हुआ है। मेरा घराना काफी पारंपरिक था। मेरे माता-पिता ने मुझे सिखाया कि परिवार ही हमारी नींव है। हमें अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए। शादी पवित्रता है। शादी से पहले संयम रखना आवश्यक है। बुरे विचार गलत हैं। शादी पुरुष-महिलाओं के बीच होती है। तालाक नहीं होता। पुरुष-महिला भगवान के समक्ष शादी करते हैं। भगवान के सामने अपने परिवार की खुशहालता के लिए शपथ लेते हैं।

हिंदू और ईसाई धर्म में समानताएं

रामास्वामी ने हिंदू और ईसाई धर्म के बीच भी समानता बताई। उन्होंने कहा कि वे साझा मूल्यों के लिए खड़े रहेंगे। मैं क्रिश्चियन हाई स्कूल गया। वहां मैंने 10 आज्ञाएं सीखीं। हमने बाइबल पढ़ी है। धर्मग्रंथों की शिक्षा ली। भगवान वास्तविक है। एक सच्चा भगवान है। उसका नाम व्यर्थ न लें। अपने माता-पिता का सम्मान करें। झूठ मत बोलो। चोरी मत करो। व्यभिचार मत करो। मैंने उस समय जो भी सीखा, सब मुझे परीचित लगा।

ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को राष्ट्रपति भवन में ही कुत्ते ने काटा, गिफ्ट में भी मिला टेड्डी डॉगी

चिसीनाउ ।

यूरोपीय देश ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति को कुत्ते ने काट लियाज्सुनकर हैरान हो गए न। लेकिन यह सच है। मजे की बात यह है कि ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को डॉग ने काटा भी तो कहां- अपने देश से 1500 किलोमीटर दूर। डॉग बाइट की तमाम खबरें तो आए दिन आती ही रहती हैं। देश-विदेश में डॉग बाइट अब आम हो चुका है लेकिन ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति को कुत्ते के काटने की घटना अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है।

अब जानिए, पूरी कहानी

मीडिया रिपोर्ट के ऑस्ट्रिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वार डेर बेलेन मोल्दोवना के दौरे पर हैं। इस दौरान, वे मोल्दोवन राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति मैया संदू के साथ टहल रहे थे। इस दौरान वहां कुछ पालतू डॉग बंधे हुए थे। डॉग को देखकर बेलेन डॉग को सहलाने लगे, तभी उस डॉग ने उन्हें हाथ पर काट लिया। इस वजह से बेलेन अपनी अगली बैठकों में हाथों में पट्टी बांधकर ही शामिल हुए। डॉग बाइट के कारण संदू ने बेलेन से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि आस-पास अधिक संख्या में लोगों को देखकर डॉग घबरा गया था। इस वजह उसने बेलेन के हाथों पर काट लिया। मैं इसके लिए माफी मांगती हूं।

बेलेन ने डॉग के प्रति जताई सहानभूति

ऑस्ट्रियाई राष्ट्रपति ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें उन्होंने पहले तो डॉग के प्रति सहानभूति व्यक्त की। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो मुझे जानता है कि मै एक डॉग प्रेमी हूं। मैं उसकी भावना समझ सकता हूं। संदू सहित अन्य नेताओं और अधिकारियों के साथ मेरी मुलाकात बहुत अच्छी रही। बेलेन ने आगे कहा कि संदू ने यात्रा के आखिरी दिन एक छोटा डॉग वाला खिलौना भी तोहफे में दिया।

पाक के हालात और भी नाजुक, अब छह अस्पताल बंद होने के कगार पर, कर्मचारियों का वेतन रुका

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तानी अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्लामाबाद के सभी पांच सार्वजनिक क्षेत्र के अस्पताल और लाहौर के शेख जायद अस्पताल ठप होने के कगार पर पहुंच गए हैं। यहां इन अस्पतालों के सुचारू संचालन के लिए 11 अरब पाकिस्तानी रुपये (पीकेआर) देने के वित्त प्रभाग के अनुरोध को संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। इस कारण कई कर्मचारियों का वेतन रोक दिया गया है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) की नर्सें एक सप्ताह से अधिक समय से वेतन रुकने के विरोध में प्रदर्शन कर रही हैं।

इन अस्पतालों की लैब भी जल्द ही पूरी तरह ठप हो जाएंगी क्योंकि टेस्टिंग किट का स्टॉक तक खत्म हो रहा है। फिल्म न होने के चलते रेडियोलॉजी परीक्षणों को भी अस्वीकार किया जा रहा है। हालात, यहां तक हैं कि मरीजों को दवाएं तक देने से इन्कार किया जा रहा है, क्योंकि कंपनियों को निविदा राशि का भुगतान नहीं किया गया है। लाहौर का शेख जायद अस्पताल बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि यह संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वित्त पोषण से चलता है। आशंका है कि आगामी दिनों में पाक की खराब होती अर्थव्यवस्था के चलते आपातकालीन विभाग भी बंद हो सकते हैं।

अल्पकालिक मुद्रास्फीति 42 प्रतिशत तक पहुंची

आधिकारिक आंकड़ों के हवाले से पाकिस्तान की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था की एक और पोल खोली है। देश में वार्षिक अल्पकालिक मुद्रास्फीति 4 माह में पहली बार 40 प्रतिशत से ऊपर हो गई है। पाकिस्तान सांख्यिकी ब्यूरो (पीबीएस) ने कहा, 16 नवंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रास्फीति की दर 41.9 प्रतिशत रही, जिसका मुख्य कारण एक वर्ष पूर्व की तुलना में गैस शुल्क में 1,100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। मूल्य वृद्धि वाली अन्य वस्तुओं में सिगरेट (94.5 प्रतिशत), गेहूं का आटा (86.4 प्रतिशत), मिर्च पाउडर (81.7 प्रतिशत), टूटे हुए बासमती चावल (76.7 प्रतिशत), लहसुन (63.6 प्रतिशत) बढ़ गए हैं।

आईएमएफ ने पाक की विदेशी ऋण जरूरत को घटाया

आईएमएफ ने चालू वित्त वर्ष के लिए पाकिस्तान की विदेशी ऋण जरूरतों को घटाकर 25 अरब डॉलर कर दिया है। उसने नकदी की कमी से जूझ रहे पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था को बड़ी राहत देते हुए इसमें 3.4 अरब डॉलर की कटौती की है।

पीएम ऑफिस के बाहर जुटे हजारों प्रदर्शनकारी

बंधकों के परिजन बोले- जरूरत पड़ी तो गाजा की तरफ करेंगे कूच

यरूशलम ।

फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास के कब्जे से इजराइली बंधकों की रिहाई की मांग को लेकर हजारों लोगों ने यरूशलम में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन मार्च में बंधकों के परिवार के सदस्यों ने भी भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वे गाजा की तरफ कूच करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, विरोध प्रदर्शन में लगभग 30,000 लोग शामिल हुए और पीएम कार्यालय तक गए। प्रदर्शनकारियों ने इजराइली सरकार से बंधकों को तुरंत रिहाई के लिए हरसंभव प्रयास करने की मांग की। एक बंधक की मां ने अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि वह अपना दर्द बयां नहीं कर सकती हैं। उन्होंने कहा, हम पांच दिनों से बिना रुके चल रहे हैं और मेरे पैरों में दर्द हो रहा है और मेरा पूरा शरीर दर्द कर रहा है, लेकिन अपने बेटे के लिए मेरे दिल में इससे कई गुना ज्यादा दर्द है। उन्होंने कहा, अगर हमें गाजा तक मार्च करने की जरूरत पड़ी तो हम पैदल कूच करेंगे। अपने बच्चों की रिहाई के लिए हमें जहां भी जाने की जरूरत होगी हम जाएंगे। हम उन्हें अकेला नहीं छोड़ेंगे।

पीड़ित परिवारों से नेतन्याहू बोले- मैं भी आपके साथ मार्च कर रहा हूं – वहीं, तेल अवीव से शुरू हुआ मार्च यरुशलम पहुंचने के बाद पीएम नेतन्याहू ने बंधकों के परिवारों से कहा कि वह भी उनके साथ मार्च कर रहे हैं। बंधकों को छुटाने के लिए नेतन्याहू सरकार पर इजराइली जनता का दबाव बढ़ रहा है। इस पर नेतन्याहू का कहना है कि इजराइल की युद्ध कैबिनेट सोमवार को परिवारों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगी। उन्होंने एक बयान में पीड़ित परिवारों से कहा, मैं आपके साथ मार्च कर रहा हूं। इजराइली लोग आपके साथ मार्च कर रहे हैं।

युद्ध विराम पर अमेरिका का बड़ा बयान, कहा- बंधकों की रिहाई के बाद ही युद्ध से मिल सकता है आराम

वाशिंगटन । इजराइल हमास के बीच पिछले एक महीने से भी अधिक समय से युद्ध जारी है, जिसमें 11 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच अमेरिका ने बड़ा बयान दिया है। अमेरिका का कहना है कि युद्ध में आराम तभी दिया जा सकता है, जब हमास सभी बंधकों को रिहा कर दे। बता दें, हमास ने गाजा में लगभग 240 लोगों को बंधक बना रखा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के मुख्य सलाहकार ब्रेट मैकगर्क बहरीन में आयोजित एक सुरक्षा सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमास जब तक सभी महिलाओं, बच्चों, शिशुओं और बुजुर्गों सहित सभी बंधकों को रिहा नहीं कर देता, तब तक इस युद्ध में ठहराव नहीं हो सकता। बंधकों की रिहाई के बाद ही युद्ध में ठहराव हो सकता है। एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्पति बाइडन का कहना है कि गाजा और वेस्ट बैंक को एक ही शासन से एकजुट किया जाना चाहिए। आतंकवाद के मंच के रूप में गाजा का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। गाजा से फलस्तीनी लोगों का विस्थापन नहीं होना चाहिए। गाजा में दोबारा कब्जा नहीं होना चाहिए।

परोपकार की परंपरा शेखावाटी के स्वभाव में है : मोदी

झुंझुनू (हिंस)। प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजस्थान के चूरू जिले के तारानगर और झुंझुनू जिले में चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। झुंझुनू शहर की चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि परोपकार की परंपरा शेखावाटी के स्वभाव में है। यहां के लोग जो कमाते हैं वह समाज को लौटते भी हैं। आज देश भी शेखावाटी की इस परंपरा को अपना रहा है। मोदी ने राजस्थान के पहले व देश के दूसरे परमवीर चक्र विजेता हवलदार मेजर पीरू सिंह शेखावत को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि शेखावाटी के वीर जवानों के कारण ही भारत की सीमाओं की रक्षा हो रही है। यहां के बहादुर जवान देश की सीमा की रक्षा में कोई कसर नहीं रखते हैं। यहां के जवान जब सीमा प्रदेश की रक्षा करते हैं तो देशवासी सुख की नींद लेते हैं। मोदी ने कहा कि हमने पूर्व सैनिकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पिछले 40 वर्षों से लंबित वन रैंक वन पेंशन की मांग को पूरा कर पूर्व सैनिकों को बहुत बड़ी राहत प्रदान की है। भाजपा सरकार द्वारा अब तक वन रैंक वन पेंशन योजना में पूर्व सैनिकों को करीबन 90 हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। केंद्र सरकार आगे भी सैनिकों के साथ है तथा उनकी सभी समस्याओं के निराकरण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शेखावाटी का झुंझुनू जिला किसानों, उद्योगपतियों का जिला है। इसी जिले के किसान के घर में जन्मे श्री जगदीप धनखड़ आज देश के उप राष्ट्रपति बने हैं जो पूरे देश के लिए गौरव की बात है। हमारी सरकार ने जगदीप धनखड़ जैसे किसान पुत्र को उप राष्ट्रपति पद पर बैठा कर देश के किसानों का सम्मान किया है। कांग्रेस ने तो जगदीप धनखड़ को उप राष्ट्रपति बनने का भी जमकर विरोध किया था। इतना ही नहीं कांग्रेस के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत तो जगदीप धनखड़ के राजस्थान आने पर भी विरोध कर रहे हैं, जो उनकी ओछी मानसिकता का परिचायक है। राजस्थान का कोई भी व्यक्ति अपने घर-गांव रिश्तेदारों के पास कहीं भी जा सकता है। तो उप राष्ट्रपति बनने के बाद जगदीप धनखड़ जी क्यों नहीं जा सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप देश में कहीं भी चले जाएं आपको झुंझुनू का रहने वाला हर जगह मिल जाएगा। दीपावली पर जब मैं सैनिकों के साथ सीमा पर दीपावली मनाने के लिए गया तो वहां भी झुंझुनू जिले के बहुत से जवानों ने मुझसे मिलकर खुशी महसूस की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने देश के लोगों को मुफ्त राशन की गारंटी दी है। हमने देश की 80 करोड़ लोगों को मिलने वाले मुफ्त राशन की समय सीमा 5 साल और बढ़ा दी है, जिससे उनके घर का चूल्हा नियमित जल सके। राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनने पर अब तक जितने भी घोटाले हुए हैं हम उन सबकी जांच करवाएंगे और जो भी दोषी है उनको सजा मिलेगी। आज राजस्थान में डीजल, पेट्रोल गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा की तुलना में 12 रुपए अधिक महंगा मिल रहा है। भाजपा की सरकार बनते ही पेट्रोलियम पदार्थों की दरों की समीक्षा कर उनकी दरों को समान किया जाएगा, जिससे प्रदेश के सभी लोगों को फायदा होगा। मोदी ने कहा कि राजस्थान का एक मंत्री कहता है कि यह मर्दों का प्रदेश है इसलिए स्त्रियों पर अत्याचार होते रहेंगे और कांग्रेस के बड़े नेता उनके बयान पर तालियां बजाते हैं। इतना ही नहीं उस मंत्री को इस चुनाव में फिर से कांग्रेस ने टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। ऐसे बयान देने वाले नेताओं की कांग्रेस पार्टी प्रदेश में महिलाओं को कितनी सुरक्षा दे पाएगी यह उनके बयान से ही पता लग जाता है। मुख्यमंत्री गहलोत खुद को जादूगर कहते हैं। उन्होंने अपनी जादूगरी से प्रदेश में भ्रष्टाचार का ऐसा मायाजाल फैलाया दिया है जिससे प्रदेश की पूरी जनता त्रस्त नजर आ रही है। मोदी ने कहा कि राजस्थान सरकार के संरक्षण में भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होना आम बात हो गई थी। यहां पेपर लीक करवाने में बड़े राजनीतिक नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। जब बड़े-बड़े कोचिंग संस्थानों पर छापे मारे गए तो मुख्यमंत्री के करीबी बड़े-बड़े लोगों के नाम सामने आए हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। जहां-जहां कांग्रेस की सरकार होगी वहां वहां भ्रष्टाचार चरम पर होगा। केंद्र में 10 सालों तक कांग्रेस की सरकार ने जमकर भ्रष्टाचार किया। हमारी पार्टी की सरकार बनने के बाद हमने कांग्रेस द्वारा शुरू किए गए भ्रष्टाचार के गंदे नालों को साफ करना शुरू किया है और आज देश में आम लोगों तक सीधे उनके बैंक खातों में पैसे ट्रांसफर हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने जनता से हाथ उठाकर सभी भाजपा प्रत्याशियों को जिताने की अपील की। मोदी के दौरे से भाजपा कार्यकर्ताओं में एक नया जोश भर गया है। जिले की सभी सातों सीटों पर भाजपा प्रत्याशी पूरी मजबूती से चुनाव लड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री का दौरा उनके लिए एक नई संजीवनी साबित होगा। झुंझुनू हवाई पट्टी पर पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, झुंझुनू के सांसद एवं मंडावा से प्रत्याशी नरेंद्र कुमार खीचड़ सहित सभी सातों प्रत्याशियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। मोदी ने सड़क हादसे में मृत 6 पुलिसकर्मियों को भी श्रद्धांजलि दी। ये पुलिसकर्मी झुंझुनू में मोदी की सभा में ड्यूटी के लिए जा रहे थे। मोदी के शेखावाटी क्षेत्र के दौरे से भाजपा ने चुरू जिले की 6 और झुंझुनू जिले की 7 सीटों को साधने का काम किया। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा 13 में से मात्र चार सीट ही जीत सकी थी। इस बार भाजपा का लक्ष्य पहले से कहीं अधिक सीटें जीतने का है। इसीलिए प्रधानमंत्री का दौरा करवाया गया है।

दिल्ली-चंडीगढ़-अमृतसर के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी कर रही केंद्र सरकार : एनएचएसआरसीएल

झज्जर (हिंस)। केंद्र सरकार देश में तेज गति यातायात के साधन उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्धता दिखा रही है। केन्द्र सरकार दिल्ली-चंडीगढ़-अमृतसर के बीच बुलेट ट्रेन चलाने की भी तैयारी कर रही है। इसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यह जानकारी नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने जन सूचना अधिकार के तहत बहादुरगढ़ के एक सूचनाधिकार कार्यकर्ता को दी है। बहादुरगढ़ के मोहननगर निवासी आरटीआई कार्यकर्ता सतपाल हाडा ने एनएचएसआरसीएल से दिल्ली से हिसार और अन्य स्थानों के लिए बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी के संबंध में जानकारी मांगी थी। हाडा के पत्र के जवाब में कार्पोरेशन के सहायक जनसूचना अधिकारी एवं उप महाप्रबंधक उमेश कुमार गुप्ता ने पूरी जानकारी दी है। गुप्ता ने बताया है कि एनएचएसआरसीएल दिल्ली-चंडीगढ़-अमृतसर के बीच बुलेट ट्रेन चलाने के लिए तैयारी कर रहा है, जबकि दिल्ली से हिसार के बीच बुलेट ट्रेन चलाने का निगम का अभी कोई प्रस्ताव नहीं है। दिल्ली से अमृतसर के बीच बुलेट ट्रेन के संचालन के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार की जा रही है। हालांकि यह अभी परियोजना मंजूर नही हुई है। अपने जबाव में उमेश गुप्ता ने यह भी बताया है कि मुंबई-अहमदाबाद के बीच निर्माणाधीन बुलेट ट्रेन परियोजना का 37.38 फीसदी कार्य 31 अक्तूबर 2023 तक पूरा कर लिया गया है। इस ट्रेन परियोजना पर 31 अगस्त 2023 तक 51428 करोड़ की राशि व्यय की जा चुकी है। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने कहा कि यातायात के साधनों का विकास करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार भरपूर कार्य कर रही हैं। हाई स्पीड ट्रेन चलने से भी हरियाणा व पंजाब का विकास बुलेट की स्पीड से होगा।

परिवार की छोटी से छोटी समस्या का समाधान ही मेरी प्राथमिकता : रवि नैय्यर

जयपुर (हिंस)। आदर्श नगर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी रवि नैय्यर ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 90, 91 और वार्ड 92 में सघन जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्हें सभी जगह से अपार जनसमर्थन मिल रहा है। रवि नैय्यर ने कहा कि आदर्श नगर विधानसभा को मैने सदैव अपना परिवार माना है, क्षेत्र के प्रत्येक परिवार की छोटी से छोटी समस्या का समाधान ही मेरी प्राथमिकता रही है। नैय्यर ने कहा कि कांग्रेस के कुशासन का अंत करने का अब समय आ गया है, और प्रदेश की जनता ने ठान लिया है कि युवाओं, किसानों, महिलाओं और मजदूरों के हितों पर कुठाराघात करने वाली कांग्रेस सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकना है। कांग्रेस के नेता और उनके करीबी लोग भ्रष्टाचार में इस कदर डूबे हैं अभी कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के करीबी सिविल लाईन्स के पार्षद उमेश शर्मा को 80 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। गरीब जनता से लूटा गया धन लॉकरों में बंद है, और धीरे धीरे लॉकरों से बाहर आ रहा है। रवि नैय्यर ने कहा कि जयपुर के परकोटे में रोडरेज की एक घटना में समुदाय विशेष के युवा की मौत पर परिजनों को 50 लाख मुआवजा, डेयरी बूथ और अन्य सहायता तुरंत दे दी जाती है, लेकिन पिछले पांच सालों में 8 हजार से ज्यादा निर्दोष नागरिकों की हत्या होने पर कोई आर्थिक सहायता नहीं दी जाती है।

होटल में मिला युवक का शव : परिजनों ने किया चौकी का घेराव, धरने पर बैठे

सिरसा (हिंस)। सिरसा पुलिस ने रविवार को हिसार मार्ग पर स्थित एक होटल से युवक का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान गांव मोरीवाला के रहने वाले युवक संगीत के तौर पर हुई है। उसे एक लड़की ने फोन करके होटल में बुलाया था। हत्या का आरोप लगाते हुए गुस्साए लोगों ने रविवार को पुलिस चौकी का घेराव किया और धरने पर बैठ गए। लोगों ने कहा कि लड़की ने ही युवक की हत्या कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मृतक युवक संगीत के बड़े भाई प्रवीण ने बताया कि शनिवार दोपहर को उसके छोटे भाई संगीत के पास एक लड़की का फोन आया था। लड़की ने कहा था कि सब्जी ले आना बैठकर खाएंगे। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। देर रात 2 बजे उनके पास फोन आया कि आपका भाई संगीत होटल में मरा पड़ा है। प्रवीण का कहना है कि उसने पुलिस थाने में फोन मिलाया तो पुलिस ने भी कहा है कि आप आ जाओ, आपके भाई की मौत हो चुकी है। प्रवीण का कहना है कि घरवाले होटल पर पहुंचे तो उसके छोटे भाई संगीत की लाश बेड पर पड़ी थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे। उसके नाक और कान से खून बह रहा था। सीने पर भी खरोंच थी। घरवालों से कहा गया कि संगीत ने फांसी लगाई है। मृतक संगीत के भाई प्रवीण का कहना है कि उसके भाई ने फांसी नहीं लगाई, उसका मर्डर किया गया है। अगर उसके भाई ने फांसी लगाई होती तो शव फंदे पर लटका होता उन्होंने जब लाश देखी तो वह बेड पर पड़ी थी। रविवार दोपहर को मृतक संगीत के घरवालों व ग्रामीणों ने खैरपुर चौकी पुलिस का घेराव कर धरना दे दिया। वे आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज करने की मांग कर रहे हैं। संगीत के घरवालों का कहना है कि संगीत की हत्या उसी लड़की ने करवाई है, जिसने उसे फोन किया था। इस हत्याकांड में कई अन्य लोग भी शामिल हैं, क्योंकि उनके परिवार की कई लोगों के साथ दुश्मनी चल रही है। खैरपुर चौकी पुलिस का कहना है कि मृतक के घरवालों का बयान दर्ज कार्रवाई की जा रही है। जांच में जो भी सच्चाई सामने आएगी उसी अनुसार आगामी कार्रवाई की जाएगी।

कैथल में बैंक लोन हटवाने के नाम पर बैंक कर्मी ने किसानों के हड़पे 23 लाख रुपए

कैथल (हिंस)। जमीन की खरीद-फरोख्त के दौरान बैंक का लोन हटवाने के नाम पर एक बैंक कर्मी ने धोखाधड़ी करते हुए किसानों से बैंक के 23 लाख रुपए हड़प लिए। फील्ड ऑफिसर ने किसानों को दी गई ऋण राशि को बैंक में जमा न करवाकर स्वयं हड़प ली और किसानों को फर्जी नो ड्यूज दे दिया। पुलिस ने रविवार को बैंक प्रबंधक कौशल किशोर की शिकायत पर बैंक के फील्ड ऑफिसर के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। सीवन पुलिस थाना को दी शिकायत में बैंक प्रबंधक कौशल किशोर ने बताया कि गांव कांगथली निवासी मुलख राज ने 2011-12 में अपनी जमीन पर बैंक से लोन करवाया था। उनकी अचानक मृत्यु के बाद मुलखराज के बेटे देशराज ने यह जमीन गांव के ही नरेंद्र को बेच दी। बाद में पता चला कि जमीन पर 23 लाख रुपए लोन है। इस पर वे दोनों पक्ष बैंक में गए और लोन हटवाने के लिए शिकायत पत्र पत्र दिया। बैंक के फिल्ड आफिसर राजेश ने लोन हटवाने के 23 लाख रुपए मांगे तो उन्होंने राशि का भुगतान कर दिया। बाद में राजेश ने बैंक की राशि जमा करवाए बिना उन्हें लोन हटने का नो ड्यूज दे दिया। जब बैंक के पास रुपए नहीं आए और लोन हटने की बात सामने आई तो पता चला कि फील्ड ऑफिसर राजेश ने दोनों किसानों को फर्जी नो ड्यूज देकर बैंक की राशि स्वयं हड़प ली। इसके बाद इसकी शिकायत सीवन थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने बैंक प्रबंधक की शिकायत पर बैंक कर्मी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी प्रवीन ने बताया कि पुलिस ने आरोपी बैंक कर्मी के खिलाफ 23 लाख रुपए हड़पने के मामले में केस दर्ज किया है। जमीन से लोन हटाने के लिए जो राशि किसानों ने बैंक कर्मी को दी थी। वह राशि बैंक में जमा करवाने की बजाए स्वयं हड़प गया।

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर लिखे खालिस्तानी नारे

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट की दीवारों पर रविवार सुबह खालिस्तानी नारे लिखे मिले। इसके बाद कनाडा में बैठे खालिस्तान आंदोलन के स्वयंभू नेता और प्रतिबंधित तथाकथित संगठन सिख फॉर जस्टिस के अध्यक्ष गुरपतवंत सिंह पन्नू का वैमनस्य फैलाने वाला वीडियो सामने आया। इसमें वह कहता है कि एसएफजे की अमृतसर, अहमदाबाद, दिल्ली हवाई अड्डों पर पहुंच है। सिख राष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए 19 नवंबर के बाद एयर इंडिया के साथ उड़ान न भरें। इसके बाद चंडीगढ़ हवाई अड्डे की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

केंद्र सरकार के पास ईडी है तो हमारे पास गारंटी है : मुख्यमंत्री गहलोत

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में प्रचार के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ताबड़तोड़ रैली कर रहे हैं। रविवार को उन्होने जिले के नवलगढ़ व खेतड़ी में जनसभा को सम्बोधित किया। खेतड़ी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए गहलोत ने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थन में मतदान की अपील की। इसके साथ ही बीजेपी पर भी जमकर निशाना साधा। गहलोत ने सभा में ईडी, सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए ईडी के छापों का जिक्र किया। सभा को संबोधित करते हुए सीएम गहलोत ने बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि लोकतंत्र की लड़ाई में दुश्मनी नहीं होती लेकिन हमारे दिल्ली वाली सरकार के लोग दुश्मनों की तरह बात करते हैं। ऐसे आरोप लगाते हैं दुश्मनों की तरह आरोप लगता है। मुझ पर, मेरे परिवार पर, पीसीसी अध्यक्ष पर ईडी के छापे पड़वा दिए। उनके पास ईडी है तो हमारे पास गारंटी हैश् इनका लोकतंत्र में यकीन नहीं है। ये ईडी और सीबीआई का दुरुयोग कर रहे हैं। डरा धमकाकर राज कर रहे हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राजस्थान में प्रचार के लिए आ रहे बीजेपी के केंद्रीय नेताओं पर निशाना साधा। गहलोत ने कहा कि योगी जी महाराज, असम के मुख्यमंत्री, नड्डा साहब, अमित शाह, मोदी जी पता नहीं जाने क्या क्या बोलकर जाते हैं। साथ में उनके पास कोई कमी नहीं है। मैंने उन्हें चैलेंज किया है कि हमने जो काम किया है उसमें कमियां बताओ। हमारी स्कीमों की हमने जो कानून पास किया है। उसके बारे में आपका क्या कहना है। इन्होंने किसानों का बर्बाद किया, 600 किसान मारे गए।

देश में अगला चुनाव एनडीए व आईएनडीए के बीच होगा : शंकर सिंह वघेला

जींद (हिंस)। गुजराज के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वघेला ने कहा कि अगला चुनाव एनडीए व आईएनडीए के बीच होने जा रहा है। इसमें अखिलेश यादव का अहम योगदान रहेगा। ऐसे में हमें अपने आपको मजबूत बनाना है ताकि एनडीए को चुनाव में करारा जवाब दिया जा सके। गुजराज के पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वघेला रविवार को महम विधायक बलराज कुंडू द्वारा एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जनसेवा संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी लोकसभा चुनाव में तीन से चार माह का समय शेष है लेकिन लोकशाही इस कदर हावी है कि चुनाव की निष्पक्षता पर ही प्रश्न है। चुनाव सुप्रीम कोर्ट, इलेक्शन कमीशन का निष्पक्ष होना जरूरी है लेकिन ऐसा नही है। आज देश में लोकशाही पूरी तरह से हावी है। इस लोकशाही की जद में सुप्रीम कोर्ट भी है। ऐसे में चुनाव के दौरान सुप्रीम कोर्ट को निष्पक्षता से कितना काम करने दिया जाएगा, यह भी देखने लायक होगा। हम सुप्रीम कोर्ट में न्याय के लिए जाते हैं और उम्मीद करते हैं कि न्याय मिलेगा लेकिन अब ऐसा नही है। वहीं इलेक्शन कमीशन पर पर भी भेदभाव के आरोप लगते हैं कि यह रूलिंग पार्टी की मदद करता है। जबकि इलेक्शन कमीशन पर ईमानदारी से चुनाव की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में आगामी चुनाव में इलेक्शन कमीशन की ईमानदारी भी देखने लायक होगी। बघेला ने कहा कि आज भाजपा के जो खिलाफ जो भी आवाज उठाता है उसके खिलाफ सीबीआई और ईडी को लगा दिया जाता है। जब दबाव में वो व्यक्ति भाजपा की शरण में आ जाता है तो उसका चरित्र साफ हो जाता है।

समाजवादी सरकार आने पर बंद होगी अग्रिवीर योजना : अखिलेश यादव

जींद (हिंस)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि हरियाणा के सबसे ज्यादा नौजवान भारतीय सेना में है और अग्रिवीर जैसी व्यवस्था के बावजूद देश सेवा के लिए सेना में शामिल हो रहे हैं। अगर समाजवादियों को मौका मिला तो अग्रिवीर योजना को समाप्त किया जाएगा और फौज में भर्ती की पहले जैसी व्यवस्था होगी। इस घोषणा को समाजवादी पार्टी अपने घोषणा पत्र में सबसे पहले नंबर पर शामिल करेगी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव रविवार को महम से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू द्वारा एकलव्य स्टेडियम में आयोजित जनसेवा संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से पूरा देश आज जातिगत गणना चाहता है, उसे भी समाजवादी पार्टी करवाने का काम करेगी। आज देश में कई ऐसी जातियां हैं जिनकी गिनती मुख्य धारा तक में नही होती है। इसके साथ ही कई ऐसी जातियां हैं जिनकी आजतक भी पहचान नहीं हो सकी है। उत्तर प्रदेश से यह आवाज उठ चुकी है और इसे बिहार ने शुरू भी कर दिया है। लोकसभा चुनाव के बाद समाजवादी पार्टी जातिगत गणना करवाएगी ताकि गुमनाम जातियों को भी सम्मान मिले, अधिकार मिल सके। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने दलितों को आरक्षण दिलाने का काम किया था। देश में पिछडा वर्ग को अबतक आरक्षण नही है। समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर आबादी के हिसाब से सम्मान देने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा प्रदेश को आगे ले जाने का काम करना है। उन्होंने कहा कि जींद की धरा क्रांतिकारी धरा है। यहां से जिस दल ने शुरुआत की है वो संदेश देशभर में गया है। ऐसे में बलराज कुंडू जो संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उसमें हमें बलराज कुंडू की मदद करनी है। अखिलेश ने कहा कि जिस तरह समाजवादी पार्टी ने माताओं का सम्मान बढ़ाने का काम किया थ वही काम अब प्राथमिकता के आधार पर बलराज कुंडू की पार्टी भी करेगी। जिस समय पार्टी का झंडा देखा लाल और हरा और झंडा देख कर लगा यह तो अपने जैसा है। हमारा भी झंडा लाल और हरा है। हमारी पार्टी भी नई है और बलराज कुंडू की पार्टी भी नई है। अपाका साथ मिला तो बलराज कुंडू हरियाणा प्रदेश में सरकार बनाएंगे। जिस दल में नौजवान व माताएं साथ देंगी उस दल को कोई रोक नहीं सकता है। जब से बलराज कुंडू ने राजनीति की शुरुआत की है वो लगातार सेवा कर रहे हैं। बेटियों को धर से स्कूल ले जाने की व्यवस्था की है।

हवा सुनामी के रूप में बदल चुकी, चुनावी माहौल बीजेपी के पक्ष में : अरुण सिंह

बीकानेर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री व राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह ने रविवार को बीकानेर में कहा कि हवा सुनामी के रूप में बदल चुकी है, चुनावी माहौल बीजेपी के पक्ष में हो गया है और राज्य में बीजेपी की सरकार बनना तय है। भाजपा के संभाग कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में अरुण सिंह ने यह बात कही। इस अवसर पर शहर बीजेपी के अध्यक्ष विजय आचार्य, महामंत्री मोहन सुराणा, दीपक पारीक, महावीर रांका, मुमताज अली भाटी, गोपाल अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, मनीष सोनी सहित अनेक पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे। अरुण सिंह ने यह भी कहा कि राज्य के लोगों के मन में सरकार के प्रति भयंकर गुस्सा है, मंत्री-अधिकारी सटोरियों को संरक्षण दे रहे हैं, कानून नाम की कोई चीज नहीं है। कांग्रेस की सरकार ने जनता के हक को लूट लिया इसलिए अब भाजपा की सरकार लानी ही है। बीजेपी की सरकार आने के बाद शांतिप्रिय कानून आएगा और संकल्प पत्र जिसे हम वचन पत्र भी कह सकते हैं को जल्द ही लागू करेंगे। एक प्रश्न के उत्तर में राष्ट्रीय महामंत्री बीजेपी अरुण सिंह बोले कि सामूहिक नेतृत्व में नेता चुनाव लड़ रहे है, सीएम बनाने का काम विधायकों का है। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ओल्ड पेंशन स्कीम को लेकर सरकार गंभीर है। जल्द ही फैसला लेंगे। अरुण सिंह ने यह भी कहा कि बीकानेर के इतिहास का सबसे बड़ा रोड शो 20 नवम्बर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे।

गोपाष्टमी आज : पिंजरापोल गौशाला में होगा विशाल गौ मेले का आयोजन

जयपुर (हिंस)। प्रति वर्ष की भांति कार्तिक शुक्ल अष्टमी पर सोमवार को सांगानेर स्थित पिंजरापोल गोशाला जयपुर में पिंजरापोल गौशाला प्रबंधन समिति की ओर से गोपाष्टमी गौ मेला आयोजित किया जाएगा। गोपाष्टमी महोत्सव समिति के संयोजक राजू मंगोड़ीवाला ने बताया कि गौ पूजन के साथ भक्ति संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान गौ सेवा और गौ संवर्धन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें वरिष्ठ समाजसेवी, सामाजिक संस्थाये, गौ सेवी समितियों सहित प्रमुख उद्योगपति व राजनीतिक दलों की भागीदारी रहेगी। मेला संयोजक राजू अग्रवाल मंगोड़ी वाला ने बताया कि पिंजरापोल गोशाला में गोपाष्टमी को गौ मेले के उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। सोमवार सुबह गोशाला में प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसमें भक्त संकीर्तन करते हुए गोशाला के बाड़ों में परिक्रमा लगाएंगे। इस दौरान गो माता को भजन-संकीर्तन सुनाए जाएंगे तथा श्रीगोविंददेवजी मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी व मानस गोस्वामी की ओर से गोविंददेवजी मंदिर में सुबह 11.15 बजे गौमाता के पूजन का आयोजन किया जाएगा। इसमें गौशाला से गौ माता को ले जाया जाएगा। पिंजरापोल गौशाला के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल ने बताया कि पिंजरापोल गोशाला में दिनभर गो पूजन के लिए लोगों की भीड़ उमड़ेगी। पूरे शहर के साथ आसपास के कस्बों से ही लोग गौ पूजन के लिए गोशाला पहुंचेंगे। लोग गायों को हरा चारा व गुड़ खिलाएंगे। गौ मेले शुद्ध दुध और आर्गनिक ज्यूस, शिकंजी आदि का वितरण किया जाएगा। गोशाला में भजन संध्या का आयोजन होगा। इस दौरान गो माता को भजन-संकीर्तन सुनाए जाएंगे।

छठ पूजा पर व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को दिया पहला अर्घ्य

कठुआ (हिंस)। सूर्य उपासना का पर्व छठ का रविवार को तीसरा दिन था। इस दौरान महिलाएं पूजा-अर्चना में व्यस्त रहीं। शाम के समय नहर के घाट पर लोकगीतों की गूंज रही। व्रती महिलाओं ने डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य दिया। रविवार शाम को छठ पूजा के दौरान सीटीएम के कार्यकारी अध्यक्ष उमेश गुप्ता, कार्यकारी उपाध्यक्ष यू के पटनायक, उपाध्यक्ष मनोज कुमार झा, उपाध्यक्ष आर के बंसल, महाप्रबंधक जसविंदर सिंह भी नहर के किनारे पहुंचे और लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। शुक्रवार को नहाय-खाए के साथ पर्व की शुरुआत हुई थी। इसी बीच घाट पर आए श्रद्धालुओं ईंदू देवी, अनिता देवी, निशू देवी, उषा देवी, निर्माला देवी, मीरा देवी आदि के अनुसार तीसरे दिन छठी मईया की विशेष पूजा की जाती है। इसके लिए घाटों और तालाबों पर अच्छी तरह से साफ-सफाई की जाती है। व्रती महिलाओं ने रविवार को दिनभर निर्जला व्रत रख कर शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। वहीं कल सोमवार को तड़के सभी व्रती उदयीमान सूर्य को अर्घ्य देंगी और घाट पर व्रती महिलाओं के लिए खजुरिया मार्केट के दुकानदारों द्वारा चाय और खाने पीने की वस्तुओं का लंगर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की जाती है। इसी के साथ छठ महापर्व संपन्न हो जाएगा। शुद्धता का पर्याय माने जाने वाले इस पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। बाहरी राज्यों के साथ-साथ कठुआ शहर के स्थानीय लोग भी इस पर्व की रौनक में शामिल हुए।

FINANCIAL
PLANNING

समय के साथ बदलती हैं फाइनेंशियल जरूरतें : आमदनी में बदलाव, उम्र बढ़ने पर और कर्ज लेते समय फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा जरूरी

नई दिल्ली।

आमतौर पर साल में एक बार खासतौर पर वित्त वर्ष के अंत में या शुरुआत में अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। लेकिन इसके अलावा भी कई मौकों जैसे आमदनी में बदलाव और कर्ज लेते समय भी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा करनी जरूरी है। यहां पांच ऐसी स्थिति बता रहे हैं जब आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा करनी चाहिए।

1. आमदनी में बदलाव होने पर

आमदनी बढ़ने पर अतिरिक्त आय को ऐसे साधनों में निवेश करें जो आपके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार हों। अपने लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस का कवर भी बढ़ाएं। आमदनी घटने या बंद होने पर गैर-जरूरी खर्च घटाने के अलावा पहले की गई बचत के इस्तेमाल की प्राथमिकता तय करें।

2. महत्वपूर्ण आयोजन पर

शादी, बच्चे का जन्म जैसे कई आयोजन सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इन आयोजनों के लिए धन कहां से आएगा, अगर कर्ज लेंगे तो उसको चुकाने के लिए क्या व्यवस्था है, इसको अपनी प्लानिंग में जोड़ना चाहिए। आपको अपने जीवनसाथी, अपने बच्चों, अपने परिवार की जरूरतों को भी प्लानिंग में जगह देने की जरूरत है।

3. कर्ज लेते समय

बच्चों की उच्च शिक्षा आदि के लिए कर्ज लेते समय भी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा करें। यदि बच्चे को शिक्षा के बाद समय पर नौकरी नहीं मिलती है तो कर्ज चुकाने के लिए क्या व्यवस्था है, ऐसी स्थितियों को समीक्षा के माध्यम से फाइनेंशियल प्लानिंग में शामिल करने की जरूरत है।

4. बड़ी खरीदारी करते समय

अधिकांश भारतीयों के लिए घर या कार खरीदना आमतौर पर एक बड़ी खरीदारी होती है। इनके साथ ही इनसे जुड़े खर्च भी बढ़ते हैं। लोन का रीपेमेंट से लेकर इनके मेंटेनेंस पर होने वाले खर्च और इंश्योरेंस के लिए अतिरिक्त व्यवस्था करने के लिए फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा जरूरी है।

5. उम्र बढ़ने पर

उम्र बढ़ने के साथ बीमारियों का जोखिम भी बढ़ता है। इसके अलावा आमदनी भी स्थिर हो जाती है। निश्चित अंतराल के बाद अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग की समीक्षा करना जरूरी है।

न्यूज ब्रीफ

सैम आल्टमैन की ओपनएआई में हो सकती है वापसी, कई निवेशक बना रहे बोर्ड सदस्यों पर दबाव

वॉशिंगटन । ओपनएआई के कई निवेशक सैम आल्टमैन के समर्थन में आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ओपनएआई के कुछ निवेशक बोर्ड सदस्यों पर दबाव बना रहे हैं कि वह सैम आल्टमैन को सीईओ पद से हटाने का फैसला वापस लें। जो निवेशक बोर्ड सदस्यों पर दबाव बना रहे हैं, उनमें थ्राइव ग्लोबल का नाम सामने आ रहा है। थ्राइव ग्लोबल ओपनएआई के सबसे बड़े निवेशक माइक्रोसॉफ्ट से भी बात कर रहा है। सैम आल्टमैन की विदाई से निवेशक भी हैरान सूत्रों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि सैम आल्टमैन भी ओपनएआई में वापस आने के लिए तैयार हैं और इसकी संभावना इसलिए भी है क्योंकि मौजूदा बोर्ड के सदस्य अगर अपने पदों से हट जाते हैं तो सैम आल्टमैन की वापसी की संभावना बन सकती है। हालांकि अभी तक कुछ भी तय नहीं है और सिर्फ पर्दे के पीछे से बातचीत हो रही है। इसे लेकर माइक्रोसॉफ्ट, थ्राइव ग्लोबल या ओपनएआई की तरफ से ही कुछ भी प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। सैम आल्टमैन को ओपनएआई के सीईओ पद से हटाने के लिए बोर्ड सदस्यों को काफी आलोचना झेलनी पड़ रही है और अचानक से सैम आल्टमैन की विदाई से निवेशकों के साथ ही खुद आल्टमैन भी हैरान बताए जा रहे हैं। आल्टमैन के समर्थन में कई कर्मचारियों ने छोड़ी नौकरी बता दें कि सैम आल्टमैन को पद से हटाने के बाद कंपनी के कई कर्मचारी नौकरी से इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें ओपनएआई के सह-संस्थापक ग्रेग ब्रोकमैन भी शामिल हैं और ऐसी चर्चाएं हैं कि आने वाले दिनों और लोग भी नौकरी छोड़ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगर सैम आल्टमैन की वापसी नहीं होती है तो वह संभव है कि आल्टमैन अपना कोई नया वेंचर शुरू कर लें। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नादेला सैम आल्टमैन के संपर्क में हैं और वह साफ कर चुके हैं कि वह सैम आल्टमैन के अगले कदम में उन्हें पूरा समर्थन देंगे। सैम आल्टमैन को अचानक से पद से हटाने से नादेला भी हैरान बताए जा रहे हैं।

पेट्रोल और डीजल असम में महंगा

नई दिल्ली । पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। इनमें कोई बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी की तेजी आ गई थी लेकिन देश में पेट्रोल और डीजल के दामों पर इसका कोई असर देखने को नहीं मिला। हालांकि कुछ राज्य और शहरों में मामूली रूप से दाम घटे-बढ़े हैं। असम में पेट्रोल 0.34 पैसे जबकि डीजल के भाव में 0.33 पैसे की बढ़ोतरी हुई है। देश के बड़े राज्यों में पेट्रोल और डीजल के दामङ्क दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 96.38 रुपये और डीजल 89.55 रुपये प्रति लीटर, महाराष्ट्र में पेट्रोल 106.96 रुपये और डीजल 93.46 रुपये प्रति लीटर, पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 106.82 रुपये और डीजल 93.49 रुपये प्रति लीटर, तमिलनाडु में पेट्रोल 103.45 रुपये और डीजल 95.08 रुपये प्रति लीटर है।

सॉफ्टबैंक ने डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । जापानी समूह सॉफ्टबैंक ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से एकीकृत लॉजिस्टिक्स प्रदाता डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी 739 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक ने अपने सहयोगी एसवीएफ डोरबेल (केमैन) लिमिटेड के माध्यम से 1,83,05,480 शेयर बेचे, जो डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों का निपटान औसतन 403.51 रुपये की कीमत पर किया गया, जिससे कुल सौदे का आकार 738.64 करोड़ रुपये बैठता है। इस लेनदेन के बाद डेल्हीवरी में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी 14.46 प्रतिशत से घटकर 11.96 प्रतिशत रह गई है। मार्च में सॉफ्टबैंक ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से 954 करोड़ रुपये में डेल्हीवरी में 3.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी।

वैश्विक रुझानों से ही तय होगी शेयर बाजार की चाल : विश्लेषक

डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू स्तर पर किसी बड़े घटनाक्रम की गैरमौजूदगी में शेयर बाजार की चाल काफी हद तक वैश्विक रुझानों से ही तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति भी घरेलू शेयर बाजारों की चाल को प्रभावित करेगी। विश्लेषकों ने कहा कि स्पष्ट वैश्विक संकेतों के अभाव में बाजार का रुख मजबूती की उम्मीद में संभवतः अमेरिकी बांड के प्रतिफल, डॉलर सूचकांक और कच्चे तेल की कीमतों के साथ-साथ संस्थागत निवेश पर निर्भर करेगा।

उन्होंने कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव खत्म होने तक बाजार की स्थिरता प्रभावित हो सकती है और उस समय तक बाजार का एक स्पष्ट रुझान सामने आ सकता है। अगस्त से ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) बड़े पैमाने पर भारतीय बाजारों से पूंजी निकाल रहे हैं। एक अन्य बाजार के जानकार का कहना है कि अगस्त से लेकर 15 नवंबर तक एफपीआई ने कुल मिलाकर 83,422 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की है। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 77,995 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। डीआईआई के साथ व्यक्तिगत निवेशकों की खरीदारी ने एफपीआई की बिक्री को बेअसर कर दिया।

डीआईआई और व्यक्तिगत निवेशकों की लिवाली का ही असर है कि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सूचकांक निफ्टी एक बार फिर 19,700 के आसपास मौजूद है जहां वह अगस्त की शुरुआत में था। बाजार वैश्विक और घरेलू व्यापक-आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, कच्चे तेल के भंडारण, एफआईआई एवं डीआईआई के निवेश रुझान और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर ध्यान केंद्रित करेगा। पिछले सप्ताह बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स में 890.05 अंक की तेजी रही, जबकि निफ्टी में 306.45 अंक की बढ़त रही। बीते सप्ताह बैंकिंग को छोड़कर सभी प्रमुख क्षेत्र इस तेजी में शामिल रहे और मजबूत लाभ दर्ज किया। व्यापक सूचकांकों ने अपनी उछाल बरकरार रखी और मिडकैप सूचकांक ने भी दो महीने के बाद अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई हासिल कर ली। हालांकि वैश्विक संकेत काफी हद तक इस प्रवृत्ति को तय कर रहे हैं और यह प्रवृत्ति आने वाले सप्ताह में भी जारी रह सकती है।

जियो वर्ल्ड में मना ईशा अंबानी के जुड़वा बच्चों का पहला जन्मदिन, मुकेश-नीता ने दी शानदार पार्टी

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी और उनकी पत्नी नीता अंबानी ने अपने जुड़वा नातियों आदिया और कृष्णा का पहला जन्मदिन मनाया। ये दोनों ईशा अंबानी और उनके पति आनंद पीरामल के जुड़वा बच्चे हैं, उनका जन्म 19 नवंबर, 2022 को हुआ था। इस मौके पर अंबानी परिवार ने मुंबई के जियो वर्ल्ड गार्डन में एक शानदार बर्थडे पार्टी का आयोजन किया। इस मौके पर करन जौहर और कियारा आडवाणी समेत कई बॉलीवुड हस्तियां मौजूद रहीं। पार्टी में पार्टी में आदित्य रॉय कपूर, अनन्या पांडे, और कैटरीना कैफ जैसे सितारे भी शामिल हुए। इस पार्टी में क्रिकेटर हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या भी अपने परिवार के साथ शमिल हुए।

सितंबर तिमाही में एनएफओ से म्यूचुअल फंड का संग्रह 4 गुना बढ़कर हुआ 22000 करोड़, इस दौरान 48 नए फंड हुए लॉन्च

MUTUAL FUNDS

नई दिल्ली।

लेटेस्ट आंकड़े के मुताबिक न्यू फंड ऑफरिंग के माध्यम से म्यूचुअल फंड का संग्रह चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में पिछली तिमाही की तुलना में लगभग चार गुना बढ़कर 22,000 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान बाजार में 48 नई योजनाएं बाजार में आई हैं।

बाजार में आ सकते हैं और नए फंड

विशेषज्ञों की मानें तो निवेशकों को भारत के विकास और संगठित क्षेत्र में नए क्षेत्रों के उद्भव पर विश्वास है। ऐसे में अधिक से अधिक कंपनियां प्राथमिक और द्वितीयक बाजार की नई पेशकश से पैसे जुटा रहीं हैं।

इन सूचीबद्ध व्यवसायों का समर्थन करने के लिए, इक्विटी और हाइब्रिड श्रेणियों में और अधिक नए फंड लॉन्च कर सकती है।

48 नए फंड ने कितना पैसे जुटाए

सितंबर 2023 में समाप्त तिमाही के दौरान, 48 नए फंड जो लॉन्च हुए उसमें इन एनएफओ ने संचयी रूप से 22,049 करोड़ रुपये जुटाए। मॉर्निंगस्टार इंडिया के आंकड़ो के मुताबिक जून तिमाही में 25 एनएफओ आए थे जिन्होंने 5,539 करोड़ रुपये जुटाए थे।

कब लॉन्च होते हैं नए फंड

सामान्य तौर पर जब बाजार में तेजी देखी जाती है तब नए फंड लॉन्च होते हैं। एनएफओ निवेशकों के मूड को भुनाने और उनके निवेश को आकर्षित करने के लिए जारी किए जाते हैं क्योंकि निवेशक बढ़ते बाजार के वक्त निवेश के लिए तैयार रहते हैं।

नए फंड में किसका सबसे अधिक

सबसे अधिक एयूएम एकत्र करने वाली नई योजनाओं में आईसीआईसीआई प्रू इनोवेशन फंड, बड़ौदा बीएनपी पारिबा वैल्यू, बजाज फिनसर्व फ्लेक्सी कैप, एचडीएफसी डिफेंस फंड और एचएसबीसी कंजम्पशन फंड शामिल हैं।

टाइम मैगजीन की सूची में वर्ल्ड बैंक अध्यक्ष अजय बंगा समेत 9 शामिल

न्यूयॉर्क ।

टाइम पत्रिका की जलवायु के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए विश्व के 100 सबसे प्रमुख लोगों की सूची में 9 भारतीय और भारतीय मूल के नागरिक जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। इनमें विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और ओला इलेक्ट्रिक के सह-संस्थापक भाविश अग्रवाल भी शामिल हैं।

टाइम 100 जलवायु सूची में दुनियाभर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), संस्थापक, परोपकारी, संगीतकार, नीति निर्माता और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। यह सूची संयुक्त अरब अमीरात में 30 नवंबर से शुरू हो रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से पहले जारी हुई है। टाइम मैगजीन की इस सूची में बंगा और अग्रवाल के अलावा द रॉकफेलर फाउंडेशन के अध्यक्ष राजीव जे. शाह, बोस्टन कॉमन एसेट मैनेजमेंट की संस्थापक और अध्यक्ष गीता अय्यर, अमेरिकी ऊर्जा विभाग ऋष्टा कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक जिगर शाह, हस्क पावर सिस्टम्स के सीईओ और सह-संस्थापक मनोज सिन्हा, कैसर परमानेंट के लिए पर्यावरण प्रबंधन की कार्यकारी निदेशक सीमा वाधवा और महिंद्रा लाइफस्पेसेज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित कुमार सिन्हा भी शामिल हैं। टाइम ने एक बयान में कहा कि जून में विश्व बैंक के अध्यक्ष बने बंगा (64) संस्था के लिए जलवायु परिवर्तन से लड़ते हुए गरीबी उन्मूलन के एक नए मिशन की शुरुआत कर रहे हैं।

अमेजन अपनी एलेक्सा डिवीजन में सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई ।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन अपनी एलेक्सा डिवीजन में कई कर्मचारियों की छुट्टी करने की योजना बना रही है। अमेजन ने ये फैसला एआई पर नए सिरे से काम करने के बीच लिया है। अमेजन के एलेक्सा और फायर टीवी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में लिखा है कि कंपनी कुछ भूमिकाओं को समाप्त करने जा रही है।

उन्होंने कहा कि जैसा कि हम लगातार आविष्कार कर रहे हैं और हम अपनी व्यावसायिक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अपने कुछ प्रयासों को स्थानांतरित कर रहे हैं। हम जानते हैं कि यह आविष्कार ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, जिसमें हमारे संसाधनों को अधिकतम करना और एआई पर केंद्रित प्रयास शामिल हैं। दरअसल, अमेजन को एआई के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। इसके चलते कंपनी लगातार एआई के क्षेत्र में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है। कंपनी द्वारा पिछले कुछ महीनों में एआई से संबंधित कई कदम भी उठाए गए हैं। सितंबर में अमेजन ने एलेक्सा में एआई को लेकर अपडेट किया था। अमेजन द्वारा जारी आदेश का का असर अमेरिका, कनाडा और भारत में देखने को मिलेगा। कंपनी के अनुसार भारत-कनाडा और अमेरिका के कर्मचारियों पर कटौती का असर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने पिछले साल के आखिर में और इस साल की शुरुआत में 27,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। इस कटौती में भी अमेजन की एलेक्सा डिवीजन प्रभावित हुई थी।

डेल, एचपी, फॉक्सकॉन जैसी 27 कंपनियों को मिली मंजूरी, तीन हजार करोड़ रुपये का करेंगी निवेश

नई दिल्ली ।

डेल, एचपी, फॉक्सकॉन, लेनोवो सहित 27 कंपनियों को नए आईटी प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआई) योजना के तहत मंजूरी दी गई। इसकी जानकारी इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी है। भारत आईटी हार्डवेयर कंपनियों को प्रोत्साहन योजनाओं के जरिए लुभा रहा है और निवेश करने के लिए प्रेरित कर रहा है। भारत सरकार देश को हाई-टेक विनिर्माण के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की तैयारी में है।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पीएलआई आईटी हार्डवेयर योजना के तहत 27 कंपनियों को मंजूरी दी गई है। इनमें से लगभग 95 प्रतिशत यानी 23 कंपनियां शुरुआत से प्रोडक्शन शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह हमें पीसी, सर्वर, लैपटॉप और टैबलेट के निर्माण में एक बड़ी ताकत बनने के लिए तैयार करेगा।

उन्होंने आगे बताया कि ये 27 कंपनियां प्रोडक्शन लाइन में 3,000 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी। जिन कंपनियों के आवेदन स्वीकृत हुए हैं उनमें डेल, फॉक्सकॉन, एचपी और लेनोवो समेत बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

बता दें कि कुछ महीने पहले भारत सरकार ने लैपटॉप आयात पर प्रतिबंध लगाया था, हालांकि बाद में यह फैसला वापस ले लिया गया और सरकार की ओर से कहा गया कि लैपटॉप पर इस तरह का कोई प्रतिबंध नहीं है।

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा था, हम केवल यह कह रहे हैं कि जो कोई भी इन लैपटॉप का आयात कर रहा है, उस पर कड़ी निगरानी रखनी होगी, ताकि हम इन आयातों पर नजर रख सकें। भारत लैपटॉप और कंप्यूटर के आयात पर लाइसेंस की आवश्यकता नहीं लागू करेगा बल्कि केवल उनके आने वाले शिपमेंट की निगरानी करेगा।

बैंक ऑफ बड़ौदा के ग्राहकों के लिए बड़ी खबर, बीओबी बॉन्ड बेचकर जुटाएगा 15000 करोड़

Bank of Baroda
ATM

नई दिल्ली। बड़े सरकारी बैंको में से एक बैंक ऑफ बड़ौदा निवेशकों से 15,000 करोड़ रुपये जुटाएगा। यह रुपये बैंक बॉन्ड बेच कर जुटाएगा। बीओबी ने बाताया कि वो यह पैसा बिजनेस ग्रोथ के लिए उठा रहा है। कौन से बॉन्ड होंगे जारी बीओबी ने एक नियामक फाइलिंग में कहा कि बीओबी की पूंजी जुटाने वाली समिति ने शनिवार को हुई अपनी बैठक में ग्रीनशू विकल्प के साथ 2,000 करोड़ रुपये के टियर सब डेट बॉन्ड जारी करने को मंजूरी दे दी है, जिससे 3,000 करोड़ रुपये कुल 5,000 करोड़ रुपये (5 साल की अंत में कॉल विकल्प के साथ 10 वर्ष) जुटाए जा सकेंगे।) बीओबी ने बताया कि अतिरिक्त 8,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए ग्रीनशू विकल्प के साथ 2,000 करोड़ रुपये के इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड जारी करने का फैसला किया है, जिसका कुल इश्यू साइज का 10,000 करोड़ रुपये (7 साल तक की अवधि) होगा।

द विलेज के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर का अनावरण

-एक्शन से भरपूर हॉरर सीरीज कर देगी रोंगटे खडे

THE VILLAGE
amazon prime
OFFICIAL TRAILER

मुंबई (ईएमएस)। प्राइम वीडियो ने अपनी नए जमाने की आगामी ओरिजिनल हॉरर सीरीज - द विलेज का ट्रेलर लांच कर दिया। एक्शन से भरपूर यह हॉरर सीरीज दर्शकों के रोंगटे खडे कर देगी। बुनियादी तौर पर इस उपन्यास को याली ड्रीम वर्क्स ने प्रकाशित किया था। तेज रफ्तार वाली यह हॉरर सीरीज दर्शकों को तमिलनाडु के अंदरूनी उजाड़ इलाकों में बसे कत्तियाल गांव ले जाती है, जहां गौतम और उनके परिवार का सामना एक ऐसे भयानक जीव से होता है, जिसकी उन्होंने अपने दुःस्वप्न में भी कल्पना नहीं की थी। स्टूडियो शक्ति के प्रोडक्शन- द विलेज सीरीज का निर्माण बी.एस. राधाकृष्णन ने किया है। मिलिंद राऊ ने इसे धीरज वैद्य और दीप्ति गोविंदराजन के साथ मिलकर लिखा व रचा है। लोकप्रिय तमिल एक्टर आर्य इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, साथ ही इसमें दिव्या पिल्लई, आझिया, आडुकलम नरेन, जॉर्ज मायन, पीएन सनी, मुथुकुमार के., कलैरानी एस.एस., जॉन कोक्केन, पूजा, वी. जयप्रकाश, अर्जुन चिदंबरम और थलैवासल विजय जैसे वसेर्टाइल कलाकार शामिल हैं। यह सीरीज प्राइम वीडियो पर विशेष रूप से 24 नवंबर को भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों एवं क्षेत्रों में- तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में डब करके तथा अंग्रेजी में सबटाइटल्स के साथ प्रीमियर के लिए तैयार है। द विलेज प्राइम मेम्बरशिप में शामिल की गई नवीनतम पेशकश है। भारत के प्राइम मेम्बर केवल ड्ड1499/वर्ष वाली एक ही सदस्यता में बचत, सुविधा और मनोरंजन का आनंद उठाते हैं। सीरीज का ट्रेलर तीन लोगों के एक ऐसे परिवार से दर्शकों का परिचय करवाता है, जो सड़क मार्ग से यात्रा पर निकलने वाले हैं। हालाँकि, उनका सारा उत्साह और रोमांच जल्द ही काफूर हो जाता है, क्योंकि एक दिल दहलाने वाले मोंटाज से गुजर कर वे उस भयानक गांव में दाखिल हो जाते हैं, जहां किसी भी पल मौत हो सकती है। गौतम की भूमिका निभाने वाले आर्य, वहां मौजूद म्यूटेंट्स के द्वारा बंदी बना ली गई अपनी पत्नी और बेटी को बचाने की कोशिश में तीन स्थानीय लोगों से हाथ मिलाते हैं। इसके बाद ट्रेलर डरावनी दिशा में मुड़ जाता है, जहां लालची प्राणियों का एक समूह गांव में बहुत पहले बिसरा दी गई किसी चीज को फिर से हासिल करने में जुटा दिखता है। खौफ और कंपकंपी के माहौल से भरी यह कहानी, दर्शकों को भयावह जंगल, होश उड़ा देने वाली सुरंगों और एक उजाड़ गांव से गुजारते हुए सिहरन पैदा कर देने वाले सफर पर ले जाती है। क्या गौतम अपने परिवार को बचा पाएंगे और उस डरावने गांव से जीवित बच निकलेंगे? दिल की धड़कनें बढ़ाने वाला, रोंगटे खड़े कर देने वाला यह ट्रेलर न सिर्फ दर्शकों को मारे डर के अपने नाखून चबाने पर मजबूर कर देता है, बल्कि सीरीज के प्राइम वीडियो पर 24 नवंबर को होने जा रहे लॉन्च को लेकर उनकी उत्सुकता भी बढ़ाता है। एक्टर आर्य का कहना है, मैं इस बात को लेकर रोमांचित और उत्साहित हूं कि मेरी ओरिजिनल स्ट्रीमिंग का डेब्यू हॉरर जॉनर से हो रहा है, वह भी द विलेज जैसी सीरीज के साथ। हॉरर एक ऐसा जॉनर है, जिसे मैं किसी भी एक्टर की एक्टिंग और टैलेंट का जौहर दिखाने के ऐतबार से निजी तौर पर काफी चुनौतीपूर्ण मानता हूं। द विलेज के बारे में असली रोमांचक बात यह है कि यह आम भूतों और बुरी आत्माओं वाला घिसा-पिटा हॉरर नहीं है, बल्कि इसे जोरदार साइंस-फिक्शन और फैंटेसी के दम पर ज्यादा प्रासंगिक और आधुनिक बनाया गया है। डाइरेक्टर मिलिंद राऊ ने अपने विजन को शानदार तरीके से जीवंत किया है, जिसमें हॉरर से जुड़ी बुनियादी चीजों को बारीकी के साथ उभारा गया है। इसके साथ-साथ यह गहरा संदेश भी दिया गया है कि निजी लाभ की कामना से किए गए हमारे कार्यों के किस तरह से विनाशकारी परिणाम निकल सकते हैं, जो चंद लोगों पर ही नहीं, बल्कि पूरे समुदाय या समाज के ऊपर बहुत बुरा असर डाल सकते हैं। मुझे यकीन है कि भारत के साथ-साथ दुनिया भर के दर्शक इस न्यू-एज हॉरर का वाकई मजा लेंगे, जिसे प्राइम वीडियो 24 नवंबर को उनके सामने प्रस्तुत करने जा रहा है। मालूम हो कि एक्शन से भरपूर यह कहानी अश्विन श्रीवत्संगम, विवेक रंगाचारी और शमिक दासगुप्ता के इसी नाम वाले हॉरर उपन्यास से प्रेरित है, जिसमें डरावनी घटनाओं का सजीव चित्रण किया गया है।

शाहरुख ने डेविड बेकहम से मुलाकात की तस्वीर शेयर की

मुंबई (ईएमएस)। मशहूर फुटबॉलर डेविड बेकहम इन दिनों भारत की यात्रा पर हैं। हाल ही में बॉलीवुड अभिनेत्री सोनम कपूर ने डेविड के लिए अपने घर पर शानदार पार्टी भी आयोजित की, जहां वह कई स्टार्स के साथ नजर आए। वहीं, अब बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर डेविड बेकहम के साथ एक तस्वीर शेयर की है और एक प्यारा से कैप्शन लिखा है। शाहरुख ने फुटबॉलर बेकहम के साथ तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा, बीती रात एक आइकन और एक और जेंटलमैन के साथ मुलाकात हुई। मैं हमेशा से उनका बड़ा फैन रहा हूं, लेकिन जिस तरह से उनसे मिला और बच्चों के साथ उनका व्यवहार देखकर मुझे एहसास हुआ उनकी फुटबॉल की खासियत उनकी दयालुता और सौम्य स्वभाव है। आपकी फैमिली को मेरा प्यार। अच्छे और खुश रहो मेरे दोस्त और आराम करो। शाहरुख और डेविड बेकहम की तस्वीर को फैंस खूब पसंद कर रहे है और कमेंट कर लिख रहे हैं कि एक साथ दो लीजेंड नजर आ रहे हैं।

भूमि ने गरीब बच्चों के लिए किया फूड ड्राइव का आयोजन

हाल ही में बालीवुड एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर ने गरीब बच्चों के लिए एक फूड ड्राइव का आयोजन किया, जिसका वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। इस वीडियो को देखने के बाद फैंस भूमि के इस नेक कदम की खूब सराहना कर रहे हैं। शेयर किए गए वीडियो में भूमि पेडनेकर एक एनजीओ में अपने हाथों से बच्चों को खाना परोसते हुए दिख रही है। इस दौरान एक्ट्रेस के साथ उनकी बहन समीक्षा पेडनेकर भी नजर आ रही हैं। वहीं, इस दौरान भूमि और सभी बच्चों के चेहरे खुशी से खिले हुए दिख रहे है। इस नेक के काम के बाद एक्ट्रेस बच्चों संग पोज भी देती नजर आ रही हैं। काम की बात करें तो भूमि पेडनेकर को आखिरी बार द लेडी किलर में अर्जुन कपूर के साथ देखा गया था। बता दें कि भूमि पेडनेकर बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो अपने काम के अलावा नेक दिली के लिए भी जानी जाती हैं।

मानेकशॉ के रोल में ढलने की पूरी कोशिश कर रहे मानेकशॉ

-16 जगहों पर हुई सैम बहादूर की शूटिंग

मुंबई (ईएमएस)। अपनी अपकमिंग फिल्म सैम बहादुर के कारण एक्टर विक्की कौशल इन दिनों सुर्खियों में छाए हुए हैं। देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ के रोल में ढ़लने के लिए एक्टर ने किसी तरह की कोई कसर नहीं छोड़ी है। ट्रेलर देखकर फैंस फिल्म के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। लेकिन क्या आपको मालूम है कि सैम बहादुर की शूटिंग कैसे हुई? और विक्की कौशल को सैम मानेकशॉ बनने के लिए कितना समय लगा? 2019 में उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक से सभी के जोश को हाई करने वाले विक्की कौशल एक बार फिर सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं। सैम बहादुर को मेघना गुलजार ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में सैम मानेकशॉ का किरदार विक्की कौशल निभा रहे हैं। देश के वीर जवानों के अदम्य साहस और वीरता की इस कहानी को मेघना गुलजार ने राजी के सेट पर विक्की कौशल को सुनाया था। तभी इसके लिए दोनों के बीच सहयोग हो गया था। इसके बाद मेघना की पूरी टीम इसकी रिसर्च में जुट गई थी। बता दें कि सैम बहादुर की शूटिंग 16 शहरों में करीब 110 दिनों तक चली। इस दौरान सैम मानेकशॉ ने जहां-जहां काम किया और जहां उनकी पोस्टिंग हुई, सभी जगहों पर शूट किया गया था। यहां तक कि जिस किले में सैम मानेकशॉ का ऑफिस हुआ करता था उसमें भी शूटिंग की गई थी। जानकारी के मुताबिक इस फिल्म की शूटिंग देहरादून की मिलिट्री अकेडमी, वेलिंग्टन का डीएसएससी कैंपस, कोलकाता के फोर्ट विलियम से लेकर ऊटी के आर्मी छावनी में भी गई। इसके अलावा फिल्म के कुछ युद्ध वाले सीन के लिए मुंबई की फिल्म सिटी में ही वॉर जोन बनाया गया था, जहां कुछ सीन फिल्माए गए थे। सैम मानेकशॉ का किरदार निभाने के लिए विक्की ने भी पूरे जी जान से मेहनत की। एक्टर ने इस रोल के लिए करीब छह महीने तैयारी की। इसके लिए वह सैम मानेकशॉ के रिश्तेदारों से भी मिले। साथ ही उनके साथ काम करने वाले कई ऑफिसर्स से भी मुलाकात की, जो सैम की रग-रग से वाकिफ थे। इसी मेहनत और लगन का नतीजा है कि फिल्म के ट्रेलर में लोग विक्की से अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। हर सीन में उन्हें सैम मानेकशॉ की रियल झलक दिख रही है। सैम बहादुर में विक्की कौशल के अलावा नीरज काबी, सान्या मल्होत्रा, फातिमा सना शेख, मोहम्मद जीशान अय्यूब और गोविंद नामदेव जैसे कई बेहतरीन सितारे नजर आएंगे। यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। जिसके लिए फैंस काफी एक्साइटेड भी हैं। बता दें कि जब से फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, लोग उनकी हर एक झलक के फिर से फैन बन गए हैं। विक्की की बॉडी लैंग्वेज, चेहरे के हाव-भाव और सेना की वर्दी में उनका टशन देखकर फैंस एक्टर से अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

प्रियंका ने करवाया हॉट फोटोशूट

हाल ही में बिग बॉस 16 फेस प्रियंका चाहर चौधरी ने हॉट फोटोशूट करवाया जिसकी तस्वीरें इस समय चर्चा में हैं। लुक की बात करें तो प्रियंका ब्लैक कलर की शार्ट ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस ड्रेस में वह अपनी टोन्ड बॉडी को बखूबी से फ्लॉन्ट कर रही हैं। क्ट्रेस ने ड्रेस के साथ ब्लैक बूट्स कैरी किए हैं। प्रियंका ने बालों को बीच से पार्टिशन करके ओपन छोड़ा है और अपना लुक ब्राउन शेड मेकअप से कंपलीट किया है। नए फोटोशूट में प्रियंका कभी दीवार के सहारे तो कभी जमीन पर बैठे ग्लैमरस पोज देती नजर आ रही हैं। प्रियंका की इन तस्वीरों ने सर्दी में गर्मी जैसा मौसम बना दिया है। फैंस प्रियंका की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। प्रियंका चाहर चौधरी के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो एक्ट्रेस को कलर्स के उड़ारियां सीरियल से घर-घर में पहचान मिली है। उड़ारियां के बाद प्रियंका बिग बॉस सीजन 16 में फिनाले तक पहुंची थीं हालांकि प्रियंका सीजन की विनर नहीं बन पाई थीं।

विजय वर्मा से शादी करेगी तमन्ना भाटिया

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा कथित तौर पर जल्द ही शादी करने की योजना बना रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार तमन्ना और विजय गंभीरता से शादी के बंधन में बंधने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि तमन्ना पर शादी करने के लिए उनके माता-पिता का दबाव है जिसके चलते 33 साल की एक्ट्रेस जल्दी ही शादी के बंधन में बंधने पर विचार कर रही हैं। बता दें कि बी-टाउन के गलियारों में कपल तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा के रिलेशनशिप के खूब चर्चे हैं। कपल कभी भी एक-दूसरे के प्रति अपने प्यार का इजहार करने से नहीं कतराते। सोशल गैदरिंग में भी दोनों के अक्सर साथ देखा जाता है। अब, ऐसा लगता है कि यह जोड़ी अपने रिश्ते को अगले स्तर पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

एक्ट्रेस जाना क्रेमर तीसरी बार बनी बच्चे की मां

एक्ट्रेस जाना क्रेमर तीसरी बार बच्चे की मां बन गई हैं। जाना क्रेमर ने मंगेतर अलान रसेल्ल के साथ एक प्यारे से बेटे को स्वागत किया। कपल ने अपने लाडले का नाम रोमन जेम्स रसेल रखा है। भले ही जाना क्रेमर तीसरी बार मां बनीं हैं लेकिन अलान रसेल्ल का ये पहला बेबी है। जाना क्रेमर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नवजात बेटे, रोमन जेम्स रसेल की सबसे प्यारी तस्वीरें शेयर। उन्होंने घोषणा की कि उनका बेटा 11 नवंबर, 2023 को पैदा हुआ एक चमत्कारिक बच्चा है, जिसका वजन 6 पाउंड 1 औंस है। रिपोर्ट्स की मानें तो कपल यूं तो अक्टूबर में अपने पहले बच्चे का एक साथ स्वागत करने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन कुछ चिकित्सीय जटिलताओं के कारण तारीख में देरी हो गई। बता दें कि जाना क्रेमर की पहले माइक कॉसिन से शादी हुई थी, जिनसे उनके दो बच्चे हैं, जोली, जो जनवरी में आठ साल की हो जाएगी और जेस, जो इस महीने पांच साल की हो जाएगी। एलन रसेल और जाना क्रेमर ने जनवरी 2023 में अपने रिश्ते की शुरूआत की ।

बाबर आजम की दुल्हन बनने जा रही पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर

मुंबई (ईएमएस)। पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। वर्ल्ड कप के बीच हानिया आमिर के कुछ फैंस ने अफवाह फैला है कि अभिनेत्री पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को डेट कर रही हैं। इस बीच खबर आ रही है कि हानिया आमिर पाकिस्तानी क्रिकेटर बाबर आजम की दुल्हनिया बनने वाली हैं। कुछ महीने पहले हानिया आमिर फहाद मुस्तफा के शो द फोर्थ अंपायर एक्सप्रेस में दिखाई दी थीं। 26 साल की अभिनेत्री से पूछा गया कि वह किस क्रिकेटर को अपने से ज्यादा क्यूट मानती हैं। होस्ट ने उन्हें अजहर अली, बाबर आजम और नसीम शाह के रूप में तीन चॉइस दी थी। ये सवाल सुनने के बाद उन्होंने तुरंत अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड बाबर का नाम लिया था।

दूसरी ओर पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के एक पुराने इंटरव्यू की क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। वीडियो में बाबर से पूछा कि अगर उन्हें किसी फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री के साथ काम करने का मौका दिया जा तब वह माहिरा खान, महविश हयात या हानिया आमिर में से किसे चुनने वाले हैं। इस पर क्रिकेटर ने शरमाते हुए हानिया आमिर का नाम लिया था। होस्ट ने बाबर को यह भी याद दिलाया था कि अभिनेत्री लगभग उनकी ही उम्र की हैं।

सलमान खान ने इमरान हाशमी को सबके सामने किया किस

सलमान खान की टाइगर 3 का जादू इस वक्त सिनेमाघरों में चल रहा है। दिवाली 12 नवंबर पर रिलीज हुई इस फिल्म ने छह दिनों में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। फिल्म ने देशभर में 200 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस किया है। फिल्म की सफलता का जश्न मनाने के लिए मुख्य कलाकार सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी एक साथ आए। "टाइगर 3" के सक्सेस इवेंट में सलमान खान, कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी शामिल हुए। इस मौके पर सलमान ब्लू टी-शर्ट और डेनिम पहनकर आए। तो वहीं कैटरीना पीले रंग के वन पीस में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। इमरान ने काली टी-शर्ट और ग्रे पैंट पहन रखी थी। इस इवेंट में सलमान-कटरीना ने फिल्म के गाने "लेके प्रभु का नाम" पर डांस किया। सलमान ने इमरान हाशमी को भी किस किया। इवेंट के दौरान सलमान खान ने कहा , """फिल्म में कैटरीना हैं तो थोड़ा रोमांस तो होगा ही।""" इसके बाद सलमान खान ने इमरान हाशमी की तरफ देखते हुए कहा, """अगर इमरान ने आतिश का किरदार नहीं निभाया होता तो ऐसा होता.""" बाद में सलमान ने इमरान को किस किया। ये देख कैटरीना भी सलमान की इस हरकत पर हंसती नजर आईं और दर्शक भी हंसने लगे। सलमान खान का इमरान को किस करते हुए ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, यह सलमान खान और कैटरीना कैफ की जासूसी फिल्म का तीसरा भाग है। इस फ्रेंचाइजी की पिछली फिल्में "एक था टाइगर" और "टाइगर जिंदा है" थीं। ये दोनों ही एपिसोड दर्शकों को काफी पसंद आए थे. उसके बाद अब तीसरे पार्ट ने भी सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन किया है।

सूडोकु नवताल- 6617

★★★✯☆
मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6616 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्दजाल - 7364

अ	क	ल	व	दे	रं	गी	ला	न	ल	क
दि	म	ल	रु	व	ग	गी	र	इ	ट	ली
ल	स	मं	ल	द्र	दे	पु	चं	पा	व	त
क	व	ग	य	पु	ब	न	प	न	ल	ज
क	क	ल	ग	श्री	सं	या	तू	ग	झ	वा
जी	क	पां	व	ह	ती	पू	ग	ण	घ	नी
उ	आ	डे	न	ल	ल	ल	श	र	ला	जिं
क	त्त	दा	ई	गा	व	क	फ	लो	श	दा
च	बा	जी	न	न	जी	ल	री	ग	प	बा
मो	पा	ल	का	व	ह	इ	श्क	र	प	द
ली	क	ल	रा	ख	न	रा	बा	द	प	र

शब्दजाल में 'आमिर खान' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

लव लव लव, लगान, राख, दिल, जवानी जिंदाबाद, रंग दे बसंती, मंगल पांडे, रंगीला, बाजी, इश्क

शब्दजाल - 7363 का हल

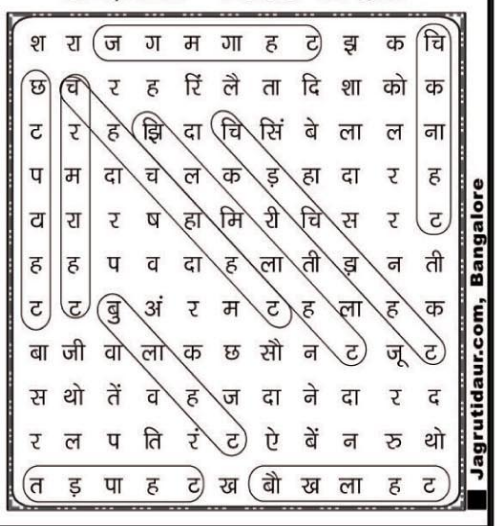

श	रा	ज	ग	म	गा	ह	ट	झ	क	चि
छ	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	क
ट	र	ह	झि	दा	चि	सिं	बे	ला	ल	ना
प	म	दा	च	ल	क	ड़	हा	दा	र	ह
य	रा	र	ष	हा	मि	री	चि	स	र	ट
ह	ह	प	व	दा	ह	ला	ती	झ	न	ती
ट	ट	बु	अं	र	म	ट	ह	ला	ह	क
बा	जी	वा	ला	क	छ	सौ	न	ट	जू	ट
स	थो	तें	व	ह	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6317

7		1	6		5	4
2	34		30	4	28	
	5		3		7	1
3	30		32	6	39	
1		2		5		
	28		33	7	38	3
4		3	6		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6316 का हल

1	6	5	4	3	7	2
5	32	7	32	1	30	3
3	1	4	6	2	5	7
2	22	3	37	7	39	6
4	3	2	7	6	1	5
6	34	1	34	5	28	4
7	5	6	3	4	2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

नीदरलैंड, रोमानिया और स्विट्जरलैंड ने यूरो 2024 में स्थान पक्का किया

नई दिल्ली।

अगली गर्मियों में होने वाले यूईएफए यूरो 2024 फाइनल में भाग लेने वाली 24 टीमों में से सोलह टीमें अब नीदरलैंड, रोमानिया और स्विटजरलैंड द्वारा एक मैच शेष रहते हुए अपनी जगह पक्की करने के बाद जानी जाएंगी। वाउट वेघोर्स्ट के पहले हाफ ड्राइव की बदौलत नीदरलैंड ने आयरलैंड को 1-0 से हरा दिया, जिससे ग्रुप बी में दूसरे स्थान का दावा करने के लिए डचों के लिए आवश्यक तीन अंक सुरक्षित हो गए। रोनाल्ड कोमैन की टीम को अक्सर मेहमान टीम की मजबूत बैक लाइन को तोड़ने में कठिनाई होती थी, हालांकि उन्होंने क्षेत्रीय श्रेष्ठता का आनंद लिया और अपनी बढ़त को दोगुना करने के करीब पहुंच गए, जब गोलकीपर गेविन बाजुनु, जिन्होंने कई बचाव किए, एक पोस्ट पर तिजानी रेन्डर्स के चुभने वाले शॉट को छू गए। लेकिन, वेघोर्स्ट की स्ट्राइक पर्याप्त साबित हुई, क्योंकि मेजबान टीम ने खचाखच भरे जोहान क्रूज़ एरेना में सम्मान के साथ अपनी जगह बुक करने का जश्न मनाया। बासेल में कोसोवो के साथ 1-1 से ड्रा खेलने के बावजूद मूरत याकिन की स्विट्जरलैंड ने फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया। दूसरी ओर रोमानिया ने हंगरी के फेल्कसुट में खेले गए मैच में इज़राइल को 2-1 से हराकर यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई करने के लिए पर्याप्त प्रयास किया। अन्यत्र, पहले से ही योग्य फ्रांस ने दस सदस्यीय जिब्राल्टर के खिलाफ 14-0 की जीत के साथ एक नया यूरो क्वालीफाइंग रिकॉर्ड जीत दर्ज किया। कप्तान किलियन एम्बाप्पे ने हैट्रिक बनाई, जिसमें उनका तीसरा लंबी दूरी का प्रभावशाली प्रयास भी शामिल था। वॉरेन ज़ैरे-एमरी अपने लेस ब्लेस के पदार्पण पर टीम के दूसरे सबसे कम उम्र के गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए, जिसमें किंग्सले कोमन और उप ओलिवियर गिरौद दोनों ने दो-दो गोल किए। लातविया में 2-0 से जीत के साथ क्रोएशिया ने वेल्स को पीछे छोड़ते हुए अपने क्वालीफिकेशन भाग्य पर नियंत्रण कर लिया, लोवरो माजेर और आंद्रेज क्रामारिक ने पहले हाफ के नौ मिनट के अंतराल में लक्ष्य पर गोल दागे।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान गंभीर चोट से बचे

कराची । पाकिस्तान के नए टेस्ट कप्तान शान मसूद घरेलू मुकाबले के दौरान टीम के साथी सरफराज अहमद से टकराने के बाद गंभीर चोट से बचे हैं, जिससे अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के आगामी दौरे के लिए उनकी उपलब्धता खतरे में पड़ सकती थी। यह घटना रावलपिंडी स्टेडियम में कराची और मुल्तान के बीच लिस्ट-ए सेमीफाइनल मैच के दौरान हुई। कराची के लिए खेल रहे शान और सरफराज मिड-ऑफ के पास विपरीत दिशा से कैच लेने के लिए दौड़े और दोनों के बीच आपस में जोरदार टक्कर हो गई। इसके बाद मसूद तुरंत उठने में असमर्थ दिखे। टक्कर के प्रभाव के कारण सरफराज ने बल्लेबाज सोहेब मकसूद का कैच भी टपका दिया। मसूद सहयोगी स्टाफ की मदद से मैदान बाहर निकले और इस दौरान कुछ समय के लिए मैच रुका रहा। कराची टीम के एक अधिकारी ने कहा कि शुरुआती स्कैन में टखने में कोई गंभीर चोट नहीं दिखी है। कराची की पारी के दौरान शान ने सिर्फ 38 गेंदों पर 41 रन बनाए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मौजूदा 2023-25 आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र के लिए शान को टेस्ट कप्तान नामित किया है।

जावेद मियांदाद का विवादित बयान, अयोध्या के राम मंदिर में जो जाएगा, वह मुसलमान बनकर निकलेगा

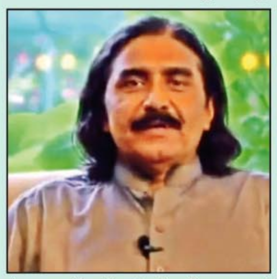

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप 2023 शुरू होते ही पाकिस्तान की ओर से अलूल जलूल बयान आ रहे हैं। कभी टीम इंडिया को नई गेंद देने की बात कही जाती है। तब कभी कहते हैं कि पिच बदल दी गई। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के बाद टॉस में धांधली की बात कही गई। अब पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान जावेद मियांदाद का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें उन्होंने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को लेकर विवादित बयान दिया हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सबसे बड़े खिलाड़ियों में शामिल मियांयद ने जहर उगला है। उन्होंने कहा कि जो भी अयोध्या के राम मंदिर में जाएगा वह मुसलमान बनकर निकलेगा। उन्होंने कहा, इंडिया में जो कुछ हो रहा है और जिस तरह से भारतीय पीएम जो हैं, मोदी साहब ने एक बड़ा अच्छा काम किया, उनके लिहाज से अच्छा है। हमारे लिहाज से नहीं। लेकिन मैं उसके डीप में, गहराइयों में जाकर वहां बताता हूं। एक मस्जिद को मंदिर बनाया है, तब इंशा अल्लाह मेरा ईमान है कि जो भी वहां मंदिर में जाएगा, वहां मुसलमान बनकर निकलेगा। मियांदाद का वायरल हो रहा यह वीडियो 2020 का ही है। उन्होंने ऐतिहासिक राम मंदिर के भूमि पूजन के तीन दिन बाद ये वीडियो जारी किया था। जावेद मियांदाद वीडियो में कहते दिख रहे हैं, क्योंकि हमारी जड़ें हमेशा रहती हैं, मुझे अल्लाह पर पूरा भरोसा है, कि यही वह जगह होगी, जहां से मुसलमान एक बार फिर उठ खड़े होंगे।

भारतीय पावरलिफ्टर ने मास्टर्स इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

मुंबई । भारत को एक प्रेरक उपलब्धि हासिल हुई है। एक 45 वर्षीय भारतीय पावरलिफ्टर ने हाल ही में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप में एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। दिल्ली के रहने वाले दलजीत सिंह ने किर्गिस्तान में हुए डब्ल्यूपीसी विश्व कप में 270 किलोग्राम डेडलिफ्ट खींचने से पहले मैनचेस्टर (यूके) में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप में 300 किलोग्राम स्क्वाट प्रदर्शन करके मास्टर्स वर्ग में अपना नाम रिकॉर्ड में दर्ज कराया है। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग कांग्रेस (डब्ल्यूपीसी) विश्व चैंपियनशिप 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित की गई थी, जबकि डब्ल्यूपीसी विश्व कप 18-19 नवंबर को आयोजित किया गया था। दलजीत, जो डब्ल्यूपीसी की भारत इकाई के अध्यक्ष भी हैं, पावरलिफ्टिंग में पांच विश्व रिकॉर्ड रखने के अलावा, उनके नाम पहले से ही 22 अंतर्राष्ट्रीय पदक हैं। दलजीत, जिन्हें पावरलिफ्टिंग में उनके योगदान और भारत के खिलाड़ियों को साथ लाकर इसे आगे बढ़ाने के लिए किर्गिस्तान और मिस्र की सरकारों द्वारा सम्मानित किया गया है, का कहना है कि वह आने वाले समय में और अधिक पदक जीतने के लक्ष्य के साथ अपने वजन प्रशिक्षण सत्र जारी रखना चाहते हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार जीता वनडे वर्ल्ड कप

फाइनल में भारत को 6 विकेट से हराया, ट्रैविस हेड ने 120 बॉल पर 137 रन बनाए

अहमदाबाद।

भारत को वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में 6 विकेट की करारी हार का सामना करना पड़ा है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने छठी बार वनडे वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इस हार ने भारतीय फैंस को 2003 वर्ल्ड कप फाइनल की याद दिला दी। 20 साल पहले कंगारुओं ने हमें जोहनसबर्ग में 125 रन से हराया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 240 रन पर ऑलआउट हो गई। 241 रन का टारगेट ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने 43 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। ट्रैविस हेड ने 137 रन की शतकीय पारी खेली, जबकि मार्नस लाबुशेन ने नाबाद 58 रन बनाए। इससे पहले, मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट झटके, जबकि कप्तान पैट कमिंस और जोश हेजलवुड को 2-2 विकेट मिले।

पावरप्ले-1 में ऑस्ट्रेलिया ने गंवाए 3 विकेट - 241 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम ने पहले ही ओवर में 15 रन बना लिए। दूसरा ओवर फेंकने आए मोहम्मद शमी ने पहली ही बॉल पर डेविड वॉर्नर को स्लिप में कोहली के हाथों कैच करा दिया। नंबर-3 पर उतरे मिचेल मार्श ने तेजी से रन बनाए, लेकिन 5वें ओवर में उन्हें जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन पर भेज दिया। बुमराह ने 7वें ओवर में स्टीव स्मिथ को भी आउट कर दिया। 47 रन के स्कोर 3 विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 10 ओवर में 60 रन बना लिए।

भारतीय टीम 240 पर ऑलआउट, कोहली-राहुल की फिफ्टी - अहमदाबाद के पीएम नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टीम इंडिया ने टॉस हारकर बैटिंग करते हुए 50 ओवर में 240 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम इंडिया इस वर्ल्ड कप में पहली बार ऑलआउट हुई है। भारतीय टीम की ओर से विराट कोहली ने 54 और केएल राहुल ने 66 रन की पारी खेली। कप्तान रोहित शर्मा ने 31 गेंदों में 47 रन बनाकर भारत को तेज शुरुआत दी, लेकिन इस तेजी को बाकी प्लेयर जारी नहीं रख सके। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से मिचेल स्टार्क ने 3 विकेट लिए। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले।

डेथ ओवर्स में भारत ने 5 विकेट खोए - डेथ ओवर्स में भारत ऑलआउट हो गया। आखिरी 10 ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने दबदबा बनाए रखा। इस दौरान सबसे बड़ा ओवर 8 रन का ही आया। 5 विकेट गिर जाने के बाद 42वें, 44वें और 45वें ओवर में विकेट खो दिया। इसके बाद सुर्यकुमार यादव के साथ ही बॉलर्स पर रन बनाने का दारोमदार आ गया। लगातार विकेट गिरने के कारण भारतीय प्लेयर्स ज्यादा रन नहीं बना सके। सूर्या भी 48वें ओवर में आउट हो गए। टीम ने आखिरी 10 ओवर में 43 रन जोड़े और 5 विकेट खोए।

मिडिल ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया ने पार्टनरशिप बनने से रोकी - 11 से 40 ओवर्स के बीच ऑस्ट्रेलिया पूरी तरह गेम में रहा। पावरप्ले में 2 विकेट खोने के बाद भारत ने 11वें ओवर में तीसरा विकेट भी खो दिया। कोहली ने पारी संभालने की कोशिश की और केएल राहुल के साथ 109 बॉल में 67 रन की साझेदारी की। जैसे ही दोनों ने तेजी से रन बनाने शुरू किए, कोहली आउट हो गए। जडेजा भी ज्यादा देर नहीं खेल सके। इन ओवर्स में ऑस्ट्रेलिया ने पार्ट टाइम गेंदबाज ट्रैविस हेड के ओवर निकाले और भारतीय बल्लेबाज इसका फायदा नहीं उठा सके। मिडिल ओवर्स में सबसे बड़ा ओवर 7 रन का ही आया। भारत ने इन ओवर्स में 117 रन बनाए और 3 विकेट खोए। राहुल की धीमी फिफ्टी, एक ही बाउंड्री लगाई केएल राहुल ने धीमे, लेकिन उपयोगी 66 रन बनाए। उन्होंने इस वर्ल्ड कप का दूसरा अर्धशतक लगाया। यह राहुल के वनडे करियर का 17वां अर्धशतक जमाया। राहुल ने 107 गेंद में 66 रन बनाए। इस पारी में राहुल ने सिर्फ एक चौका लगाया, बाकि से सभी 62 रन उन्होंने दौडकर पूरे किए। 54 रन बनाकर आउट हुए कोहली भारत से नंबर-3 पर बैटिंग करने उतरे विराट कोहली 54 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें पैट कमिंस ने बोल्ड किया। 5वें ओवर में बैटिंग पर उतरने के बाद विराट ने तेजी से रन बनाए, लेकिन 3 विकेट गिर जाने के बाद उन्होंने पारी धीमी की और टीम इंडिया को संभाला। फिफ्टी पूरी करने के बाद विराट सेट हो चुके थे, लेकिन 29वें ओवर में पैट कमिंस की शॉर्ट पिच बॉल पर सिंगल लेने की कोशिश में बोल्ड हो गए। गेंद उनके बैट से लगकर स्टंप्स में जा घुसी। विराट के आउट होने के बाद टीम इंडिया का स्कोर 4 विकेट पर 148 रन हो गया। 5वीं बार फिफ्टी से चूके रोहित टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने वर्ल्ड कप में इस बार भी टीम को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने महज 31 बॉल पर 47 रन बनाए, लेकिन 10वें ओवर में ही आउट हो गए। रोहित ने अपनी पारी में 4 चौके और 3 छक्के लगाए। रोहित टूर्नामेंट की 11 पारियों में 5वीं बार 40 से 49 रन के बीच के स्कोर में आउट हुए। इससे पहले वे बांग्लादेश के खिलाफ 48, न्यूजीलैंड के खिलाफ 46, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 40 और सेमीफाइनल में भी 47 रन बनाकर आउट हो चुके हैं। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में 597 रन बनाए।

जोकोविच ने सेमीफाइनल में अल्काराज को हराया, फाइनल में सिनर से भिड़ंत

ट्यूरिन।

नोवाक जोकोविच ने एटीपी फाइनल्स में कार्लोस अल्काराज़ के साथ एक साल की तनावपूर्ण लड़ाई का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जहां विश्व नंबर 1 ने सेमीफाइनल में 6-3, 6-2 से जीत हासिल की।

सर्बियाई खिलाड़ी ने लगातार गहरे प्रहार करके अपने शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी को कुछ आक्रमण के अवसर दिए और प्रत्येक सेट में अल्काराज़ की सर्विस को ब्रेक करके घरेलू पसंदीदा जानिक सिनर के साथ चैंपियनशिप-मैच की भिड़ंत तय की।

अपनी जीत के साथ, सर्बियाई खिलाड़ी रिकॉर्ड सातवीं बार प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल में चैंपियन बनने के एक मैच के भीतर आगे बढ़ गए। 36 वर्षीय खिलाड़ी ट्यूरिन में ग्रुप प्ले में 2-1 से पिछड़ गए, जहां उसकी एकमात्र हार उनके अगले प्रतिद्वंद्वी सिनर के खिलाफ हुई। रिपोर्ट के अनुसार, 88 मिनट की भिड़ंत के दौरान जोकोविच ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अल्काराज के साथ चार एटीपी हेडटू-हेड भिड़ंत में अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

इस साल जोकोविच और अल्काराज की पिछली मुलाकातों में विंबलडन के फाइनल में स्पैनियार्ड की शानदार पांच सेट की जीत और सिनसिनाटी चैंपियनशिप मैच में जीत के लिए जोकोविच का मैच प्वाइंट बचाना शामिल है।

36 वर्षीय सर्ब चैंपियनशिप मैच में ग्रुप हार का बदला लेने वाला छह साल में तीसरा खिलाड़ी बनने का प्रयास करेगा। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबला जीतने के लिए दानिल मेदवेदेव (2021) और जोकोविच (2018) से ग्रुप हार को पलट दिया। जोकोविच ने पहले भी एक बार यह उपलब्धि हासिल की है, उन्होंने रोजर फेडरर से ग्रुप हार के बाद वापसी करते हुए 2015 का खिताब जीता था।

बाबर आजम की दुल्हन बनने जा रही पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर

मुंबई।

पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। वर्ल्ड कप के बीच हानिया आमिर के कुछ फैंस ने अफवाह फैला है कि अभिनेत्री पाकिस्तानी क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम को डेट कर रही हैं। इस बीच खबर आ रही है कि हानिया आमिर पाकिस्तानी क्रिकेटर बाबर आजम की दुल्हनिया बनने वाली हैं। कुछ महीने पहले हानिया आमिर फहाद मुस्तफा के शो द फोर्थ अंपायर एक्सप्रेस में दिखाई दी थीं। 26 साल की अभिनेत्री से पूछा गया कि वह किस क्रिकेटर को अपने से ज्यादा क्यूट मानती हैं।

होस्ट ने उन्हें अजहर अली, बाबर आजम और नसीम शाह के रूप में तीन चॉइस दी थी। ये सवाल सुनने के बाद उन्होंने तुरंत अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड बाबर का नाम लिया था।

दूसरी ओर पूर्व पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के एक पुराने इंटरव्यू की क्लिप भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। वीडियो में बाबर से पूछा कि अगर उन्हें किसी फिल्म में पाकिस्तानी अभिनेत्री के साथ काम करने का मौका दिया जा तब वह माहिरा खान, महविश हयात या हानिया आमिर में से किसे चुनने वाले हैं। इस पर क्रिकेटर ने शरमाते हुए हानिया आमिर का नाम लिया था। होस्ट ने बाबर को यह भी याद दिलाया था कि अभिनेत्री लगभग उनकी ही उम्र की हैं।

38 वीं इंदिरा मैराथन में देश भर के लिया 560 नामचीन धावकों ने लिया भाग, जसवंत ने हासिल किया पहला स्थान

प्रयागराज।

38 वीं अखिल भारतीय प्राइजमनी इंदिरा मैराथन में रविवार को देश भर से आए 560 नामचीन धावकों ने हिस्सा लिया। जिसमें 480 पुरुष और 80 महिला धावकों ने अपना पंजीकरण कराया था।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जन्म तिथि (19 नवंबर) पर खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव सुबह 6:30 बजे आनंद भवन के सामने हरी झंडी दिखाकर मैराथन का शुभारंभ किया। आनंद भवन के सामने गन शाट के साथ धावकों ने प्रारंभिक लाइन को पार किया और विजेता बनने की दौड़ शुरू हुई।

मैराथन में जसवंत ने पहला स्थान हासिल किया। जिसमें उन्होंने दौड़ दो घंटा, 21 मिनट और 50 सेंकड में पूरी की। दूसरे स्थान पर आर्मी पुणे के बी सिरानू रहे। उन्होंने दो घंटा, 21 मिनट और 56 सेंकड का समय लिया। तीसरे स्थान पर प्रयागराज के अनिल कुमार सिंह रहे। उन्होंने दो घंटा, 22 मिनट और 21 सेकंड का समय लिया। चौथे स्थान पर प्रदीप सिंह रहे। इन्होंने 2 घंटा, 23 मिनट और 11 सेकंड का समय लिया।

42.195 किलोमीटर लंबी इस मैराथन को जीतने वाले को दो लाख रुपये मिलेंगे। द्वितीय पुरस्कार एक लाख और तृतीय स्थान पाने वाले को 75 हजार रुपये मिलेंगे। इसके अलावा चौथे स्थान से लेकर 14वें स्थान पर रहने वाले धावकों को 10-10 हजार रुपये का सांत्वना पुरस्कार मिलेगा।

मैराथन में इस बार पिछले बार के विजेता ओलंपियन सुधा सिंह व ओलंपियन गोपी टी शामिल नहीं हुए। जबकि पूर्व विजेता हेतराम, वाराणसी के राहुल पाल, आर्मी पुणे के राहुल, उप विजेता रह चुकीं रंजना, दिव्यांका, सेना के सिरानू, प्रदीप जसवंत, 2021 के उप विजेता अनिल कुमार सिंह, नीरज कुमार, आरती पटेल, तामसी सिंह, श्यामली सिंह, नीता पटेल, अनीता रानी, रानी यादव शामिल रहीं।

अफगानी फैन वाज़मा अयूबी ने खींचा सबका ध्यान

अपनी अदाओं से लुभा रही लाखों लोगों के दिलों को

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेट टीम को वर्ल्ड कप में लगातार मिल रही सफलता के बीच बीच अचानक सारा ध्यान अफगानी फैन वाज़मा अयूबी की ओर मुड़ गया, जो अपनी अदाओं से लाखों लोगों के दिलों को लुभा रही हैं। उनके समर्थन और खेल के प्रति अटूट उत्साह ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। जिससे कई लोग उनके फैन बन गए हैं और उनसे जुड़ी बातें जानने के लिए उत्सुक हैं। अयूबी मौजूदा आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के स्टार आकर्षणों में से एक रही है। इससे पहले, वह इस साल आयोजित एशिया कप में भी देखी गई थी। अयूबी, जो दुबई में स्थित एक व्यवसायी महिला है। न केवल एक क्रिकेट फैन है, बल्कि व्यवसाय, प्रभाव और सक्रियता के क्षेत्र में एक मशहूर हस्ती भी हैं।

एक्स पर उनका बायो उनके जुनून के बारे में बहुत कुछ बताता है। जिसमें रियल एस्टेट से लेकर

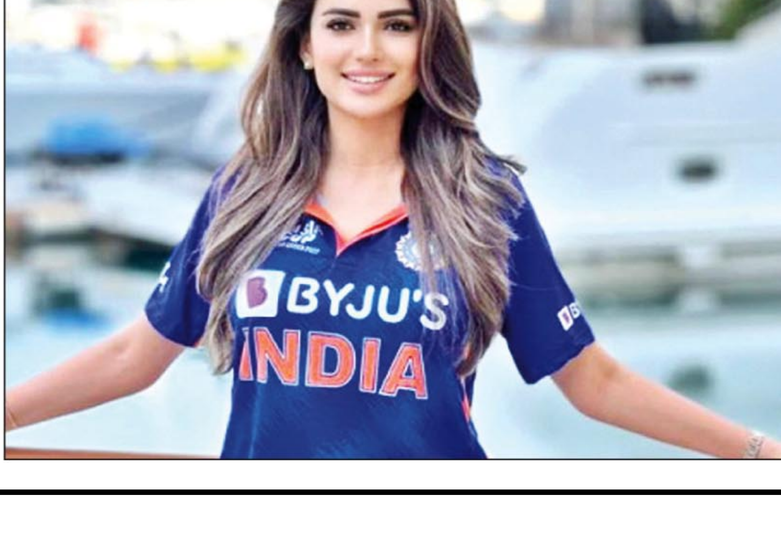

टिकाऊ और नैतिक फैशन की वकालत और पितृसत्ता को नष्ट करने के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता शामिल है। अपनी टीम का समर्थन करने के अलावा, अयूबी ने भारतीय क्रिकेट टीम का समर्थन किया है। साथ ही भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फैन बन गई हैं। एक्स पर उनके हालिया पोस्ट भारत में उनकी उपस्थिति का संकेत देते हैं। जहां वह अफगानिस्तान टीम के साथ वनडे विश्व कप मैचों के उत्साह में पूरी तरह से डूबी हुई हैं।

उनका सोशल मीडिया ऐसे वीडियो से भरा पड़ा है, जो स्टेडियम से उनके उत्साह को कैद कर रहे हैं और इन रोमांचक मुकाबलों के दौरान अफगान खिलाड़ियों का उत्साहपूर्वक समर्थन कर रहे हैं। अयूबी ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल के दौरान उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए मोहम्मद शमी को बधाई दी। उन्होंने भारत बनाम न्यूजीलैंड सेमीफाइनल के बाद एक्स पर लिखा, ओएमजी, 7 विकेट! क्या प्रभाव और क्या क्रिकेटर समोहम्मद शमी, टीम इंडिया को बधाई। उन्होंने ट्वीट किया, क्या खिलाड़ी हैं शमी। एशिया कप 2023 के दौरान बांग्लादेश के खिलाफ भारत के मैच से पहले, अयूबी ने 2022 टूर्नामेंट के दौरान विराट कोहली द्वारा पहनी गई जर्सी पहनी थी।

एक अनूठा स्पर्श जोड़ते हुए, जर्सी सिर्फ एक यादगार वस्तु नहीं थी बल्कि उस पर खुद भारतीय क्रिकेट आइकन ने हस्ताक्षर किए थे। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, मैं अपनी पसंदीदा टीम को सपोर्ट करने के लिए जो जर्सी पहन रही हूं, वह जर्सी किंग विराट कोहली ने खुद एशिया कप में भारत-बनाम अफगानिस्तान मैच में पहनी थी। इस पर उनके हस्ताक्षर भी हैं। उन्होंने लीग चरण के मैच में इंग्लैंड के खिलाफ शमी के असाधारण प्रदर्शन पर भी प्रसन्नता व्यक्त की, जहां तेज गेंदबाज ने भारत की 100 रन की जीत में 4 विकेट लिए थे।

इन होममेड चीजों से डार्क सर्कल को कहें बाय-बाय

आजकल की हमारी लाइफस्टाइल कुछ ऐसी है कि हम घंटों कम्प्यूटर के आगे अपना समय बिताते हैं, जिसका तनीजा हमारी आंखों के नीचे काले घेरों के रूप में उभर कर सामने आते हैं. पके बाल या चेहरे की झुर्रियों से कहीं ज्यादा आंखों के नीचे के काले घेरे आपकी बढ़ी उम्र के परिचायक हैं. आप अगर काले घेरे से परेशान हैं, तो टी बैग या मलाई आजमाएं, यह इन्हें कम करने में मददगार हैं . राजधानी स्थित नेशनल स्किन सेंटर के निदेशक नवीन तनेजा ने आंखों के नीचे के काले घेरों से छुटकारा पाने के लिए कुछ सुझाव दिए हैं .

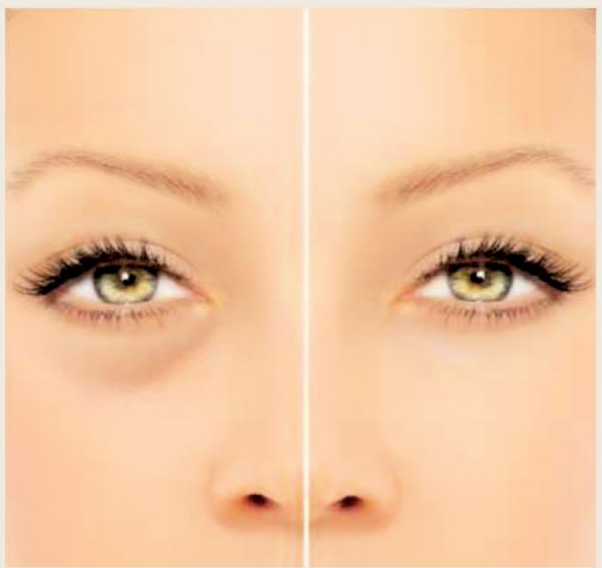

टी बैग : रेफ्रिजरेटर में आधे घंटे तक रखे गए दो ब्लैक या ग्रीन टी के बैग का इस्तेमाल करें.

उन्हें दोनों आंखों पर रखें और 10-15 मिनट तक वहीं रहने दें . इसके बाद उन्हें हटाएं और अपना मुहं धो लें इस प्रक्रिया को कुछ सप्ताह तक दो बार करें.

ठंडक: ठंडे पानी या दूध में भीगा हुआ साफ कपड़ा लें और कुछ मिनटों के लिए इन्हें अपनी पलकों के पास रखें . मुलायम कपड़े में बर्फ का टुकड़ा लपेटें और कुछ मिनटों तक इसे अपनी आंख के पास रखें .

मलाई: दो चम्मच मलाई और एक चौथाई चम्मच हल्दी मिलाएं. इसे काले घेरों पर लगाएं. इसे 15 से 20 मिनट तक रहने दीजिए, बाद में इसे गुनगुने पानी से धो लें .

पुदीना: पुदीने की पत्तियों को हाथों से पीस लें. पुदीने की पत्तियों में नींबू का रस मिलाएं.

इसे 15 से 20 मिनट तक लगाएं . इसके बाद धो लें. इसे रोजाना दो बार करें.

मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन अमृत के समान

जम्बू, जामगाछ, जाम्बु और जंबु भाबल ये सभी जामुन के ही नाम हैं। बारिश का मौसम शुरू होते ही पेड़ों पर जामुन पकने लगता है। जामुन का पेड़ बहुत ऊंचा होता है। इसकी छाल सफेद होती है। बैशाख मास में इसमें मंजरियां आती हैं बाद में फल लगते हैं। इसके वृक्ष पूरे भारत में पाए जाते हैं परन्तु शुष्क स्थानों पर यह वृक्ष नहीं उगता।

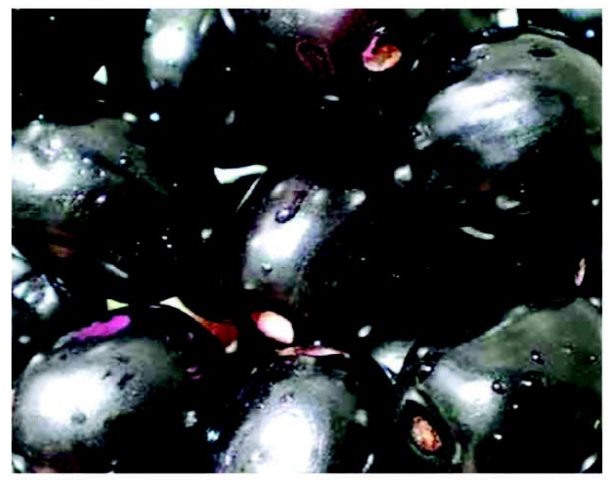

जामुन कई तरह का होता है। जंगली जामुन का फल खट्टा और छोटा होता है जबकि अन्य प्रकार के जामुन आकार में बड़े और मीठे होते हैं। जामुन के गूदे में लगभग 84 प्रतिशत जल होता है। साथ ही इसमें लगभग 14 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट तथा अल्प मात्रा में प्रोटीन और वसा भी होता है। इसके अतिरिक्त इसमें विटामिन ए, बी, सी, मेलिक एसिड, गौलिक एसिड, आक्जेलिक एसिड तथा टैनिन भी होता है। अच्छे स्वाद के साथ-साथ जामुन में कई चिकित्सकीय गुण भी हैं। इसके गूदे, गुठली, वृक्ष की छाल तथा पत्तों का अनेक रोगों के इलाज में उपयोग किया जाता है।

जामुन के वृक्ष की छाल रूखी, कसैली, मलरोधक, पाक में मधुर तथा खट्टी होती है। यह पित्त के प्रकोप को दूर करती है तथा रक्त विकारों को दूर कर रक्त को साफ करती है। गले के रोगों तथा कफ को दूर करने में भी यह सहायक होती है। अतिसार होने पर भी इसका प्रयोग किया जाता है। फल के रूप में जामुन मंदाग्निकारक, बादी और कफ पित्त नाशक है। यूनानी चिकित्सा पद्धति के अनुसार जामुन दूसरे दर्जे में शीत और रूक्ष, उष्ण यकृत को बल देने वाला और गरमी को शांत करने वाला होता है।

वमन होने पर जामुन के कोमल पत्ते चबाने या उसके पत्तों का रस पीने से लाभ पहुंचता है। जामुन की छाल जलाकर उसकी राख को शहद के साथ चबाने से भी उल्टियों में लाभ पहुंचता है। जामुन के कोमल तथा ताजे पत्तों को पानी में घोटकर कुल्ला करने से मुंह के छाले ठीक होते हैं। इसकी कच्ची कोपलें चबाने या उनका रस निकाल कर मुंह में डालने से भी छालों में आराम मिलता है। यों तो जामुन की लकड़ी एक अच्छी दातुन है परन्तु इससे मंजन भी बनाया जा सकता है। इसके लिए जामुन के पत्तों की राख में थोड़ा सा सेंधा नमक पीसकर मिला लें। इस मंजन के प्रयोग से सभी दन्त विकार दूर हो जाएंगे। गला खराब होने पर जामुन की गुठलियों को पीसकर उसमें शहद मिलाकर गोलियां बना लें। दिन में चार बार दो-दो गोलियां चूसने से कुछ दिनों में गला ठीक हो जाता है। कण्ठ व्रण होने पर छाल के काढ़े से गरारे करने पर आराम मिलता है।

जामुन के फल को भोजन पचाने वाला तथा भूख बढ़ाने वाला माना जाता है। जामुन को नमक के साथ खाने या जामुन के रस में सेंधा नमक मिलाकर पीने से भोजन का पाचन ठीक हो जाता है। पेट दर्द, दस्त तथा पेचिश में भी इससे लाभ मिलता है। अरूचि में जामुन को नमक-मिर्च के साथ खाना चाहिए।

जामुन की पत्ती के रस में दूध, शहद और शहद की मात्रा से आधा घी मिलाकर पीने से खूनी दस्त में लाभ पहुंचता है। इस मिश्रण को बनाते समय ध्यान रखें कि घी की मात्रा शहद से आधी ही होनी चाहिए। घी और शहद भी बराबर मात्रा में न मिलाएं। जामुन यकृत को उत्तेजित करने वाला होता है। प्रतिदिन प्रातःकाल जामुन के दस ग्राम रस में सेंधा नमक मिलाकर लेने से बढ़ा हुआ यकृत ठीक हो जाता है। जामुन के वृक्ष की छाल के काढ़े से जख्म धोने से जख्म भरने में मदद मिलती है।

जामुन की गुठली को पीसकर मुंहासों तथा फुंसियों पर लगाने से लाभ होता है परन्तु इस दौरान गर्म तथा खट्टे खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करना चाहिए। श्वेत प्रदर के इलाज में भी जामुन की छाल का प्रयोग लाभकारी होता है। इसके लिए जामुन की 10 ग्राम छाल को 100 ग्राम पानी में उबालें, 25 ग्राम रहने पर दिन में दो बार दो चम्मच का सेवन करें।

जामुन है अमृत के समान

मधुमेह के रोगियों के लिए जामुन अमृत के समान है। इसके बीजों में विद्यमान जम्बोलिन शरीर में पहुंचकर भोजन के साथ ग्रहण किए गए स्टार्च को शुगर में नहीं बदलने देता जिससे रक्त में शुगर सामान्य से अधिक नहीं हो पाती। जामुन की गुठली के चूर्ण की दो-दो ग्राम मात्रा दिन में दो बार पानी के साथ कुछ दिनों तक लेने से रक्त में शुगर सामान्य स्तर पर आ जाता है। पेशाब में शक्कर जाने पर जामुन के बीज और गुड़मार की पत्ती का चूर्ण ठंडे जल के साथ लेना चाहिए। जामुन के कोमल पत्ते, आम के कोमल पत्ते, कैथ कपास के फल को बराबर मात्रा में मिलाकर पीसें और निचोड़कर रस निकालें। इसमें शहद मिलाकर कान में डालने से कान का बहना रुक जाता है। जामुन में खट्टा और कसैला रस होता है इस कारण दूध के साथ इसका सेवन निषेध है क्योंकि इससे पेट में विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

इन 5 बहानों से नहीं मिल पाती है करियर में सफलता

कई लोग जल्द से जल्द सफलता पाना चाहते हैं। करियर में तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं और उसके लिए पूरी मेहनत, लगन से कोशिश भी करते हैं। लेकिन ऐसी कौन सी गलतियां हो जाती है कि उन्हें वांछित सफलता नहीं मिलती और करियर ग्रोथ रुक सी जाती है। आइए जानते हैं ऐसे 5 कारण जिससे करियर प्रभावित होता है और आप पीछे रह जाते हैं।

खुद को कम आंकना

अक्सर लोग सफलता तो पाना चाहते हैं लेकिन खुद को अंडरएस्टिमेट करते हैं। लोगों के पास एक बहाना होता है कि मैं काबिल नहीं हूं या मेरे पास इस काम को करने की योग्यता नहीं है। इसका मतलब यही है? कि या तो वे अपनी योग्यता को बहुत ही कम आंक रहे हैं। या फिर वे उस क्षेत्र में सफल लोगों की योग्यता को बहुत ज्यादा आंक रहे हैं।

समय का रोना

यह एक आम बहाना है जिसे अक्सर लोगों को कहते हुए सुना जा सकता है। आप करना तो बहुत कुछ चाहते हैं लेकिन बस एक ही रोना कि समय नहीं है। अब अगर आप ऐसा ही करते रहे तो समय आपकी मुट्ठी से निकल जाएगा और पछताने के अलावा कुछ नहीं बचेगा।

किस्मत को कोसना

किस्मत या नसीब को कोसने वाले कैसे आगे बढ़ सकते हैं। अगर आप किसी काम में असफल रहे या जो चाहते हैं नहीं मिल पाया तो वे किस्मत को ही दोष देते हैं। अगर आपकी यह आदत है तो समझ जाइए आप गलत ट्रेक पर है।

फेल होने का डर

अगर आप पहले से ही असफल होने का डर मन में लेकर काम करेंगे तो यह सच होना ही है। पहले भी असफल होने के इस बहाने के कारण आगे प्रयास नहीं कर पाते हैं। अगर आप पहले कभी असफल हुए है तो इसका मतलब नहीं कि हर बार होंगे। आपको दोबार कोशिश करनी चाहिए जब तक कि आप सफल ना हो जाएं।

पहले ही हार मान लेना

यह काम तो बहुत मुश्किल है मुझसे नहीं होगा। अब ये मजेदार बहाना है आगे नहीं बढ़ने का। कभी-कभी हम काम को शुरू किए बिना ही मान लेते हैं कि ये काम मुश्किल है, नहीं होगा। ऐसा कहने से काम और मुश्किल लगने लगता है या शुरू ही नहीं होता। इसलिए मेहनत और लगन से काम करें फ?र देखें कि काम कितना आसान हो जाता है।

आपका मन मोह लेगा खूबसूरत पेरियार नेशनल पार्क

दक्षिणी भारत का एक खूबसूरत और प्रसिद्ध पार्क है पेरियार पार्क। सन् 1895 में पेरियार नदी पर मुल्लापेरियार बांध बनाकर इस पार्क में बड़ी सी कृत्रिम झील बनाई गई जिसमें बोटिंग करते हुए पेरियार पार्क की सैर की जा सकती है। लगभग 485 वर्ग मील में फैले इस पार्क में घना जंगल है और 220 वर्ग मील में खाली जमीन। यह पार्क बाघ और हाथियों के लिए दुनिया भर में मशहूर है। यहां आने वाले पर्यटक आधे घंटे हाथी की सवारी कर जंगल की सैर कर सकते हैं। केरल के इडक्की जिले से चार किलोमीटर दूर थक्कड़ी स्थित इस पार्क के मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटकों की यहां खासी भीड़ होती है। इसे पेरियार वाइल्ड लाइफ सेंचुरी भी कहा जाता है।

पेरियार जाने के रास्ते में बेहद आकर्षक दृश्य जैसे चाय बागान, मसालों के बगीचे दिखते हैं। शहर की भीड़-भाड़ से दूर हरियाली की गोद में बसा यह पार्क अपनी खूबसूरती से हर किसी मन मोह लेता है। पेरियार राष्ट्रीय उद्यान भारत के उन उद्यानों में से एक हैं, जिसे मानसून के दौरान भी खुला रखा जाता है। यहां कई चीजें मौसम पर निर्भर होती हैं पर बोटिंग का मजा आप मानसून के दौरान भी आराम से ले सकते हैं। अगर आप मानसून के दौरान ट्रेंकिंग के लिए मन बना रहे हैं, तो थोड़ा सावधानी जरूरी है। यहां मिलने वाले मोजे पहनना मत भूलिएगा वरना जोंक आपकी त्वचा से चिपक जाएंगे।

पेरियार पार्क को लोगों के लिए सुबह छह बजे से शाम सात बजे तक हर दिन खोला जाता है। इस पार्क की खूबसूरत झील में आप बोटिंग कर सकते हैं पर सिर्फ दो घंटे। सुबह सात बजे की जाने वाली बोटिंग के समय वहां मौजूद वन्यजीवों को भी देखा जा सकता है। इसके अलावा यहां बार्डर हाइक्स और बैम्बू राफ्टिंग का भी आनंद लिया जा सकता है पर यह सब वहां मौजूद गाइड की निगरानी में किया जाए, तो बेहतर होगा। पेरियार राष्ट्रीय उद्यान वैसे तो हाथियों के लिए प्रसिद्ध है मगर इसके अलावा यहां जानवरों की 62 विभिन्न प्रजातियां भी हैं। पेरियार बाघों और हाथियों के संरक्षण के लिए कई उपाय कर रहा है। यहां हाथियों की सैंकड़ों प्रजातियां हैं, जिसे देखने के लिए पर्यटकों की भीड़ पूरे साल रहती है। इसके अलावा 320 किस्म की चिड़िया, 45 तरह के रेपटाइल्स, विभिन्न तरह की मछलियां, मेंढक और कीड़े-मकौड़े भी देखे जा सकते हैं। पेरियार नेशनल पार्क आप कभी भी जा सकते हैं लेकिन सबसे बेहतर समय है अक्टूबर से फरवरी तक। मानसून के दौरान वहां की हरियाली और भी आकर्षक लगती है। मार्च-अप्रैल में हाथियों को झील में नहाते देखा जा सकता है। वीकेंड में यहां न ही जाएं तो बेहतर है क्योंकि भीड़-भाड़ में वन्य जीवों को आप नहीं देख सकते।

ऐसे करें अपने नाखूनों की देखभाल

लंबे नाखूनों पर जब नेल पॉलिश लगती है तो उनकी खूबसूरती कई गुना तक बढ़ जाती है। स्वस्थ और लंबे नाखूनों पर नेल आर्ट निखरकर सामने आता है। सौंदर्य विशेषज्ञ ऐश्वर्या कपूर ने नाखूनों की देखभाल के लिए कुछ कमाल के टिप्स दिए हैं, जिनसे आपके नाखून लंबे, स्वस्थ और चमकदार बने रहेंगे।

कई लड़कियों के नाखून अच्छी तरह बढ़ नहीं पाते। वह जल्दी टूट जाते हैं। यह समस्या तब आती है जब आहार में पोषक तत्वों की कमी होती है। विटमिन सी, विटमिन ई, ओमेगा 3 फैटी एसिड्स और प्रोटीन को अपनी डाइट में शामिल करके आप स्वस्थ नाखून पा सकते हैं। ये तत्व नाखूनों को मजबूती भी देते हैं। याद रखने वाली बात यह है कि शरीर स्वस्थ रहेगा तभी बाल और नाखून भी स्वस्थ रहेंगे।

नाखूनों पर लहसुन रगड़ें

लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिन में अच्छे-खासे बढ़ जाएंगे। यह प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी है।

संतरे का रस

अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकालें और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन बनाता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

जैतून का तेल

अपने नाखूनों पर जैतून के तेल से मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है, जो नाखूनों को पोषण देता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढ़ाता है जिससे वे बढ़ना शुरू हो जाते हैं।

टमाटर

नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्दी बढ़ेंगे।

अलसी का तेल

एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें।

इससे आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटमिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

नारियल तेल

नारियल तेल में फैटी एसिड और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

सुबह-सुबह पीते हैं नींबू पानी तो संभल जाएं, होगा ये खामियाजा

मोटे लोगों को सुबह उठते ही सबसे पहले नींबू पानी पीने की सलाह दी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये सेहत के लिए हानिकारक भी हो सकता है। जी हां, हैरान ना हों और आगे की स्लाइड्स में जानें इससे होने वाले नुकसान के बारे में।

■ अगर किसी को अक्सर ही गैस या एसिडिटी की समस्या रहती है तो उन्हें खाली पेट नींबू पानी के सेवन से बचना चाहिए। दरअसल, नींबू में एसिडिक गुण पाए जाते हैं जो इस समस्या को और बढ़ा देते हैं।

■ नींबू में ऑक्सलेट एसिड होता है जो शरीर में क्रिस्टल के रूप में जम जाता है। इससे किडनी और पित्त की थैली में स्टोन की समस्या हो सकती है।

■ नींबू पानी पीने के तुरंत बाद ब्रश ना करें क्योंकि नींबू में मौजूद एसिड की वजह से दांत कमजोर हो जाते हैं। इसलिए ब्रश करने से दांतो के टूटने का डर रहता है।

■ दिन में एक से दो गिलास नींबू पानी ही पिएं। ज्यादा नींबू पानी पीने से यूरीन ज्यादा आता है जिस वजह से डिहाइड्रेशन की समस्या बढ़ जाती है।

■ ज्यादातर लोग खाना पचाने के लिए नींबू पानी पीते हैं लेकिन ये नुकसान भी पहुंचा सकता है। पेट में एसिड की मात्रा ज्यादा होने की वजह से पाचन तंत्र खराब हो सकता है।

अपनाएंगे ये टिप्स तो कभी नहीं बिखरेगी आपकी अलमारी

अलमारी घर का अहम हिस्सा होती हैं। व्यवस्थित अलमारी जहां लाइफ को आसान बना देती हैं, वहीं अव्यस्थित अलमारी मुश्किलें बढ़ा देती हैं। कामकाजी लोगों को अपनी अलमारी व्यवस्थित रखने में काफी परेशानी आती हैं लेकिन आप चाहें तो इन चिप्स की मदद से अपनी अलमारी को व्यवस्थित रख सकते हैं-

■ अलमारी में कपड़े रखने से पहले अलमारी और कपड़े दोनों अच्छी तरह सुखा लें। कपड़े रखने से पहले अलमारी की अच्छी तरह सफाई करें और उसमें पेपर बिछाकर ही कपड़े रखें।

■ आप अपनी कीमती साड़ियों और सूट को एक प्लास्टिक बैग में रखकर अलमारी में रखें। इससे कपड़े लंबे समय तक पहनने लायक बने रहेंगे।

■ सर्दी के कपड़ों को अखबार में लपेटकर अच्छी तरह रखें और कोशिश करें कि महीने में एक बार धूप दिखाएं।

■ लकड़ी की अलमारियों को दिन में थोड़ी देर के लिए खुला छोड़ दें, जिससे उनमें हवा जाएगी तो कपड़ों में महक नहीं आएगी।

■ कपड़ों में बदबू रोकने के लिए आप नेफ्थ्लीन की गोलियां भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

■ इस बात को सुनिश्चित करें कि आपके ऑफ-सीजन कपड़े फंगस, नमी और सील से पूरी तरह सुरक्षित हैं। बेहतर होगा कि अपनी अलमारी में एंटी-फंगल टेबलेट का प्रयोग करें।

■ अलमारी खोलते ही सारे कपड़े और रखा सामान आपके ऊपर ना गिर जाए, इसके लिए सबसे पहले अपनी अलमारी मे रखे जाने वाले सामान की एक सूची बना लें। ऐसा जरूरी नहीं है कि घर के सारे सामान को आप एक ही अलमारी में रखें।

■ अब सबसे जरूरी कपड़ों को ठीक से रखा जाना होता है। कुछ कपड़े तह किए जा सकते हैं तो कुछ को हैंगर में लटकाना पड़ता है। इसे समझते हुए कपड़े रखें।

■ अगर आप अपनी वार्डरोब में पर्स, परफ्यूम, क्रीम, जेल, लोशन, फेसवॉश और स्क्रब रखते हैं तो इनके लिए आप वार्डरोब में दिए कुछ अन्य छोटे खानों का इस्तेमाल कर सकते हो। इसी जगह आप अपनी घड़ी, जूलरी, मोजे को भी रख सकते हैं।

■ अलमारी के निचले हिस्से में अपने जूतों को भी जगह दे सकते हैं। जिन जूतों का प्रयोग आप कम करते हैं उन्हें डिब्बे में बंद करके पीछे की साइड लगा सकते हैं। रोजाना प्रयोग में आने वाले जूतों को आगे की ओर रखें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**